YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-15 | अंक-216 | सोमवार, 07 सितम्बर 2026 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12



देश के विकास, विरासत और संस्कृति से जुड़ी हर उपलब्धि पर नाराजगी होती है लेकिन उसके विरोध के बावजूद भारत के विकास की गति नहीं रुकेगी और विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। **नितिन नवीन**

एमपी के सागर में जहरीली शराब से 11 ग्रामीणों की मौत 11

माउंट त्रिशूल फतह के लिए सेना का अभियान रवाना 12

संक्षेप

स्वाइन फ्लू ने सात लोगों को चपेट में लिया, 66 सक्रिय केस

लखनऊ। राजधानी में रविवार को स्वाइन फ्लू के सात नए रोगी मिले हैं। इनमें तीन मरीजों की हालत को देखते हुए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि चार संक्रमित मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। नए मामलों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि पूर्व में अस्पताल में भर्ती मरीजों में से एक के स्वस्थ होने पर उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद लखनऊ में एच1एन1 के सक्रिय मरीजों की संख्या 66 रह गई है। इनमें अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे संक्रमित भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से संक्रमित मरीजों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में इलाज दिया जा रहा है, जबकि होम आइसोलेशन वाले मरीजों की भी निगरानी की जा रही है। केजीएमयू माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. शीतल वर्मा ने बताया कि एच1एन1 संक्रमित मरीजों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। सांस लेने में परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अनावश्यक जाने से बचने, खांसी-जुकाम होने पर मास्क लगाने और हाथों की स्वच्छता का ध्यान रखने से संक्रमण के प्रसार को कम किया जा सकता है।

अमृत अभिजात को डीजी पर्यटन का मिला अतिरिक्त प्रभार

लखनऊ। राज्य सरकार ने अपर मुख्य सचिव पर्यटन अमृत अभिजात को पर्यटन डीजी का अतिरिक्त प्रभार दिया है। इस पद पर रहे वेदपति मिश्रा 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गए थे। इसके बाद से यह पद रिक्त था। नियुक्ति विभाग ने अमृत अभिजात को अतिरिक्त कार्यभार देने संबंधी आदेश जारी कर दिया है।

हवाई किराए से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट हवाई किराए में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव पर दिशा-निर्देश के अनुरोध वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगी। मामले की सुनवाई न्यायाधीश विक्रम नाथ और न्यायाधीश संदीप मेहता की पीठ करेगी। केंद्र सरकार ने 17 अगस्त को शीर्ष अदालत को बताया था कि उसने देश के विमानन क्षेत्र को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से बनाए गए नियम तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इन्हें तीन सप्ताह के भीतर अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सरकार ने इन प्रस्तावित नियमों का मसौदा पीठ के समक्ष सीलबंद लिफाफे में सौंपा था। यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायणन ने लगाई है।

सैलाब के बीच योगी का भरोसा

800 बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत, बेघरों को जमीन और सहायता का ऐलान

कैनविज टाइम्स ब्यूरो/एजेंसी

लखनऊ/चित्रकूट। मंदाकिनी नदी में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित चित्रकूट के 800 परिवारों को रविवार को राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले बाढ़ आने पर तत्कालीन सरकार इसका संज्ञान तक नहीं लेती थी। राहत के नाम पर बहुत अधिक हो-हल्ला होने पर प्रभावितों को केवल सूखे ब्रेड दे दिए जाते थे, जबकि राहत के लिए आने वाला पूरा पैसा सपाई गुंडे खाकर हजम कर जाते थे और गरीब, कमजोर एवं वंचित लोगों को कुछ नहीं मिलता था। उन्होंने कहा कि पहले जहां बाढ़ प्रभावितों को एक किलो राहत सामग्री भी नहीं मिलती थी, वहीं अब करीब 50 किलो राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद 800 बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की गई। बाढ़ में आश्रयहीन हुए परिवारों को आवास के लिए भूमि आवंटन प्रमाण पत्र तथा आपदा मोचक निधि से राहत राशि भी वितरित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों से उनका हाल-चाल जाना और बच्चों को चॉकलेट देकर उनसे बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु राम को जब वनवास हुआ था तो चित्रकूट ने उन्हें आश्रय दिया। अब चित्रकूटवासी संकट में हैं तो प्रभु का भक्त होने के नाते वे साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर स्थिति में गरीब और प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। बाढ़ से प्रभावित गरीबों, किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों और साधु-संतों को आश्वस्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिसका भी नुकसान हुआ है, सरकार उसे हर संभव मदद उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चित्रकूट की पावन धरा को नमन करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने लगभग 12 वर्ष जिस धरा पर रहकर ऋषि-मुनियों के सानिध्य में राम राज्य की परिकल्पना को साकार किया था, वह भूमि आज भी आस्था और साधना का प्रमुख केंद्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित परिवार खुद को अकेला न समझें। डबल इंजन की सरकार भारतीय जनता पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं के साथ उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी में पिछले दिनों आई भीषण आपदा से हुई त्रासदी का पहले हवाई सर्वेक्षण किया और बाद में रामघाट सहित आसपास के प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दिन चित्रकूट में अचानक बाढ़ आई, उस समय वह बलिया के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर थे। सूचना मिलते ही उन्होंने लखनऊ से डीजी पीएसी को निर्देश देकर एसडीआरएफ और पीएसी की अतिरिक्त फ्लड कंट्रोल कंपनियों को तत्काल चित्रकूट रवाना कराया। उस समय जिले में एसडीआरएफ की केवल एक कंपनी तैनात थी, लेकिन अगले दो से तीन घंटे के भीतर एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पीएसी की फ्लड यूनिट की कुल आठ कंपनियां राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं और युद्ध स्तर पर अभियान चलाया गया। उसी दिन शाम को जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर राहत कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि घरों में फंसे सभी लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार मंदाकिनी नदी में इतने बड़े पैमाने पर जलस्तर ● शेष पेज 11 पर



- 2017 से पहले की सरकार बाढ़ का संज्ञान तक नहीं लेती थी, सारा पैसा सपाई गुंडे खाकर हजम कर जाते थे : सीएम योगी
- बहुत अधिक हो-हल्ला होने पर बाढ़ प्रभावितों को केवल सूखे ब्रेड दे दिए जाते थे, अब 50 किलो राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही: मुख्यमंत्री
- बोले, प्रभु राम को जब वनवास हुआ तो चित्रकूट ने उन्हें आश्रय दिया, अब चित्रकूटवासी संकट में हैं, तो प्रभु का भक्त होने के नाते साथ खड़ा हूं

बाढ़ से प्रभावित परिवारों, व्यापारियों, मठ-मंदिरों और घाटों को सरकार देगी सहयोग

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे अकेले नहीं हैं। सामान्य परिवारों, व्यापारियों, मठ-मंदिरों और घाटों को बाढ़ से जो भी नुकसान हुआ है, उसमें सरकार की ओर से सहयोग की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पहले ही निर्देश दे रखा है कि बाढ़ या अग्निकांड में किसी गरीब अथवा किसी अन्य व्यक्ति का पूरा घर नष्ट हो जाता है तो पात्रता के अनुसार उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नया आवास उपलब्ध कराया जाए। यदि वह प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पात्र नहीं है तो मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नया आवास और जमीन का पट्टा तत्काल उपलब्ध कराया जाए।

दुनिया के नए नक्शे पर भारत की आपत्ति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने समान क्षेत्रफल वाले विश्व मानचित्र पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि उसने संयुक्त राष्ट्र महासभा में इससे संबंधित प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है और वह इसका समर्थन करता है लेकिन उसके संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी शामिल हैं को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। किसी भी गलत या भ्रामक चित्रण को वह स्वीकार नहीं करेगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रविवार को मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि भारत ने चार सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसका उद्देश्य दुनिया के महाद्वीपों के वास्तविक क्षेत्रफल को अपेक्षाकृत सही तरीके से दिखाने वाले बराबर क्षेत्रफल वाले मानचित्रों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। प्रस्ताव का शीर्षक मानचित्र को सही करना: वैश्विक मानचित्रण में संतुलन स्थापित करना और विश्व के क्षेत्रों, विशेष रूप से अफ्रीका, का समान एवं न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना' है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने मतदान के साथ अपने स्पष्टीकरण में साफ किया कि उसने प्रस्ताव के मूल सिद्धांत-बराबर क्षेत्रफल के आधार पर दुनिया के नक्शे को अधिक संतुलित तरीके से दिखाने का समर्थन किया है। भारत ने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रस्ताव को किसी खास विश्व मानचित्र, मानचित्र बनाने की किसी विशेष पद्धति या राष्ट्रीय सीमाओं के किसी खास चित्रण की मंजूरी नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा का यह प्रस्ताव किसी विशेष विश्व मानचित्र को अपनाता या प्रमाणित नहीं करता। इसमें राजनीतिक नक्शानवीसी से जुड़े मुद्दे, जैसे अंतरराष्ट्रीय सीमाएं, विवादित क्षेत्र या स्थानों के नाम भी शामिल नहीं हैं।

भारत ने विशेष रूप से कहा कि भारत के संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं, को भारत के आधिकारिक नक्शे के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। भारत के अनुसार, देश के क्षेत्र का कोई भी गलत या भ्रामक चित्रण स्वीकार्य नहीं है। भारत ने अपनी स्थिति दोहराते हुए कहा कि देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर उसका रुख स्पष्ट, लगातार एक जैसा है और इसमें कोई बदलाव नहीं है।

सख्ती

- समान क्षेत्रफल वाले विश्व मानचित्र के पक्ष में भारत, लेकिन जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर कोई समझौता नहीं



मस्जिद ध्वस्तीकरण के बाद मिला 20 फीट गहरा कुआं

एजेंसी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद के ध्वस्तीकरण के 24 घंटे से अधिक समय बाद मलबा हटाने के दौरान करीब 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा कुआं सामने आया है। कुआं एक भारी स्लैब के नीचे मिला। स्लैब को पोकलैंड मशीन से हटाने में सफलता नहीं मिली तो कटर से काटकर उसे हटाया गया, जिसके बाद नीचे कुआं दिखाई दिया।

कुएं की उम्र और निर्माण को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। प्रशासन ने मामले की जानकारी अधिकारियों को दे दी है। कुएं की प्रकृति और ऐतिहासिक महत्व की जांच के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को सूचना दिए जाने की संभावना है। एएसआई की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कुआं कितना पुराना है और इसका ऐतिहासिक महत्व क्या है? मस्जिद हटाने की याचिका देने वाले बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने कुआं मिलने के बाद इसे अपने पुराने दावे से जोड़ते हुए एएसआई जांच की मांग की है। हालांकि, कुआं मिलने मात्र से किसी पुराने धार्मिक स्थल के अस्तित्व की पुष्टि नहीं होती। इसकी वास्तविक स्थिति विशेषज्ञों की ● शेष पेज 11 पर



- स्लैब हटाने के बाद सामने आया कुआं, प्रशासन एएसआई को देगा सूचना, मौके पर पुलिस फोर्स तैनात

यूपी में तीसरी बार बनेगी एनडीए सरकार : तावड़े

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े और सह प्रभारी जगदीश पटेल ने रविवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से संगठन, सरकार एवं चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद विनोद तावड़े ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा 'यूपी की रफ्तार रहेगी बरकरार, तीसरी बार बनेगी एनडीए सरकार'। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में भाजपा का हर कार्यकर्ता 2027 में पुनः एनडीए सरकार बनाकर विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से भेंट कर चुके हैं। शनिवार को प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े , राष्ट्रीय मंत्री व सह प्रभारी ● शेष पेज 11 पर

औद्योगिक क्षेत्रों में 3000 वर्गमीटर से अधिक निर्माण पर पार्क जरूरी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। औद्योगिक क्षेत्रों में 3000 वर्गमीटर से अधिक निर्माण पर पार्क या खुला क्षेत्र छोड़ना जरूरी होगा। यह व्यवस्था आवासीय तथा गैर-आवासीय क्षेत्रों के लिए लागू होगी। औद्योगिक क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित एकीकृत भवन विकास उपविधि (बिल्डिंग बॉयलॉज) में ऐसे ही कई प्रावधान किए गए है। यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि कितने हिस्से में ग्रीनबेल्ट होगी तथा कितने हिस्से में खुला स्थान छोड़ना होगा।

एकीकृत भवन विकास उपविधि का अंतिम प्रारूप तैयार कर लिया गया है। नए प्रारूप में 3000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले लेआउट के लिए खुले स्थान की गणना टेलीस्कोपिक आधार पर होगी। 3000 वर्गमीटर से कम के आवासीय तथा औ?द्योगिक प्लॉट में पार्क या खुला क्षेत्र छोड़ना जरूरी नहीं होगा लेकिन इससे अधिक के प्लॉट के लिए सीमा तय कर दी गई है। आवासीय क्षेत्रों में 15 प्रतिशत तथा औद्योगिक क्षेत्रों में कुल क्षेत्रफल का 10 प्रतिशत हिस्सा पार्क या खुले स्थान के रूप में छोड़ना होगा। यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि 6000 वर्गमीटर का कोई आवासीय प्लॉट है तो खुले एरिया की गणना 3000 वर्गमीटर को छोड़कर की जाएगी यानी 3000 वर्गमीटर क्षेत्रफल का 15 प्रतिशत (450) वर्ग मीटर) पार्क के लिए सुरक्षित करना होगा। ऐसे ही औद्योगिक क्षेत्र के लिए इतने ही क्षेत्रफल पर 300 वर्गमीटर ● शेष पेज 11 पर

- औद्योगिक क्षेत्रों को कुल भूमि का 10 प्रतिशत पार्क के लिए छोड़ना होगा
- औद्योगिक क्षेत्र के आवासीय परिसर का 15 प्रतिशत क्षेत्रफल पार्क के लिए रिजर्व होगा
- इससे कम के औद्योगिक क्षेत्र में पार्क के लिए जमीन छोड़ने की जरूरत नहीं होगी

नक्शा मंजूरी के लिए लैंडस्पेक का प्लान जरूरी

सड़कों के किनारे और औद्योगिक क्षेत्रों में पौधरोपण के मानक भी तय किए गए हैं। मानचित्र स्वीकृति तथा कंप्लीशन सर्टिफिकेट तभी जारी किया जाएगा जब लैंडस्केप का पालन होगा। 9 से 12 मीटर चौड़ी सड़कों के एक तरफ तथा 12 मीटर से अधिक चौड़ी सड़क के दोनों ओर अधिकतम 10-10 मीटर दूरी पर पौधे लगाने होंगे। औद्योगिक योजनाओं में कुल खुले क्षेत्र में प्रति हेक्टेयर कम से कम 125 पौधे लगाने अनिवार्य होंगे। प्रदूषण फैलाने वाले उ?द्योगों को आवासीय क्षेत्रों से अलग रखने के लिए बीच में हरित पट्टी (ग्रीन बेल्ट) बनाई जाएगी। यह कुल औद्योगिक क्षेत्रफल का 15 प्रतिशत होगी। वाणिज्यक योजनाओं में कुल खुले क्षेत्रफल के न्यूनतम 20 प्रतिशत हिस्से में प्रति हेक्टेयर 50 पेड़ लगाने अनिवार्य होंगे।

भवन ढहा, दो की मौत पांच की हालत गंभीर



एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार दोपहर लड़कों के लिए पीजी के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा पांच मंजिला भवन ढहने से कम से कम दो व्यक्ति की मौत हो गयी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। मलबे में लोगों के दबे होने की आशंका के बीच बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

घायलों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। अस्पताल के अनुसार, घटनास्थल से आठ लोगों को ट्रॉमा सेंटर लाया गया, जिनमें पांच की हालत गंभीर है। इनमें एक बचावकर्मी भी था, जिसे बाद में अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी, जबकि दो व्यक्ति को मृत अवस्था में लाया गया। अधिकारियों के अनुसार, मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। प्रत्यक्षदर्शियों और ● शेष पेज 11 पर

नक्सलवाद के बाद अब अब नशे के नेटवर्क को भी करेंगे खत्म : शाह

रेड कॉरिडोर की सोच रखने वालों ने हथियार डाले, अब तीन साल चलेगा नशामुक्त भारत अभियान

एजेंसी

पणजी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सरकार ने देश से नक्सलवाद के खतरे को खत्म करने में सफलता हासिल की है और अब उसी दृढ़ता के साथ नशीले पदार्थों की समस्या के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। गोवा दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में शाह ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान को जनआंदोलन बनाया जाएगा और देश को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समाज के हर वर्ग को साथ आना होगा।

शाह ने कहा, नक्सलवाद के बाद नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेंगे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने कभी तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कॉरिडोर बनाने की कल्पना की थी, उन्होंने अब हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरे देश को नशामुक्त भारत के तीन साल के अभियान से जोड़ने का लक्ष्य है। उन्होंने गोवा के मीडिया से भी अपील की कि भारत को नशामुक्त बनाने के इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं और नशे के खिलाफ जागरूकता को घर-घर तक पहुंचाने में मदद करें। अमित शाह ने नशीले पदार्थों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का आंकड़ा बताते हुए कहा कि 2004 से 2014 के बीच कांग्रेस शासन के दौरान 26 लाख किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए थे। वहीं 2014 से 2026 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 1.19 करोड़ किलोग्राम से अधिक हो गया। उन्होंने इसे नशे के नेटवर्क के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई का प्रमाण बताया। शाह ने कहा कि नशामुक्त भारत अभियान को व्यापक जनभागीदारी से आगे बढ़ाया जाएगा। अभियान को करीब 50 करोड़ नागरिकों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए एक लाख 'नशामुक्ति मित्रों' को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो अपने-अपने क्षेत्रों में युवाओं और आम लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे।



भगोड़ों के खिलाफ कार्रवाई का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, ''2019 से हमने विभिन्न तरह के अपराध करने के बाद देश से भागे भगोड़ों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। 2019 से जुलाई 2026 के बीच हमने 36 देशों से 274 भगोड़ों को सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किया। इनमें आर्थिक अपराध, आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी या गैंगवार में शामिल लोग थे और उन्हें भारतीय अदालतों के सामने लाया गया। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन वर्षों में 401 रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई की गई है। खास तौर पर इस साल जुलाई 2026 तक अकेले 182 रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। इसके लिए 'भारत-पोल' नाम की नई व्यवस्था बनाई गई है। शाह ने कहा कि 14 से अधिक केंद्रीय एजेंसियां और सभी राज्यों की पुलिस 'भारत-पोल' से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इसके जरिए हर राज्य से भगोड़ों के प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार की गई है। उन्होंने कहा, ''2019 से 2026 के बीच भगोड़ों की करीब 17,874 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गईं और नए आपराधिक कानूनों ने इन भगोड़ों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता तैयार किया है। साइबर अपराध के खिलाफ उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, ''हमने साइबर अपराध से निपटने के लिए एक व्यवस्थित व्यवस्था भी बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी खुद भी इसकी निगरानी कर रहे हैं। आज '1930' नंबर साइबर अपराध से सुरक्षा के लिए एक पक्के समाधान के रूप में सामने आया है।'' उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने राज्यों के साथ मिलकर तीन नए कानूनों को थाने के स्तर तक लागू करने में सफलता हासिल की है। शाह ने कहा, ''मैं गोवा के मुख्यमंत्री और गोवा पुलिस की सराहना करना चाहता हूं। तीन नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद बहुत कम समय में उन्होंने गोवा की दोषसिद्धि दर 22 प्रतिशत से बढ़ाकर 53.2 प्रतिशत कर दी।'' उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि दर्ज की गई हर प्राथमिकी में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने की दर में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की थी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा था कि दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं और इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा।

च्यवन ऋषि आश्रम में बढ़ेंगी पर्यटक सुविधाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार आयुर्वेदिक चिकित्सा की महान विभूति और 'च्यवनप्राश' के जनक च्यवन ऋषि के कन्नौज स्थित आश्रम का पर्यटन विकास करने जा रही है। च्यवनऋषि आश्रम भारतीय ऋषि परंपरा, तपस्या एवं आयुर्वेदिक ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। मान्यताओं के अनुसार, महर्षि च्यवन ने इसी तपोस्थली पर कठोर साधना की थी। पर्यटन विभाग ने च्यवन ऋषि से जुड़ी पौराणिक स्थली के पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास योजना अंतर्गत जनपद के विधानसभा क्षेत्र छिबरामऊ के विकासखंड गुगरापुर स्थित आश्रम के पर्यटन विकास हेतु 81.35 लाख रुपए की परियोजना को मंजूरी मिली है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'कन्नौज स्थित च्यवन ऋषि आश्रम, भारतीय ऋषि परंपरा, तपस्या और आयुर्वेदिक ज्ञान की अमूल्य धरोहर है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि च्यवन ने यहीं कठोर तपस्या की थी। आयुर्वेद में विशेष स्थान रखने वाले ऋषि च्यवन का नाम आज भी 'च्यवनप्राश' के माध्यम से घर-घर में जाना जाता है, जो स्वस्थ और खुशहाल जीवन का प्रतीक माना जाता है। ऐसे ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व वाले स्थल के पर्यटन विकास से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को विशिष्ट पहचान मिलेगी और श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए आकर्षण बढ़ेगा। कन्नौज जनपद स्थित च्यवन ऋषि आश्रम के पर्यटन विकास के लिए पहली किस्त के रूप में 61 लाख रुपए जारी किए गए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) द्वारा कराए जाने वाले कार्यों की वृहद श्रृंखला अंतर्गत श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। आश्रम के निकट बहुउद्देश्यीय हॉल (मल्टीपर्पज हॉल) का निर्माण कराया जाएगा। पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सोलर पैनल लगाए जाएंगे। परिसर में



रोशनी के लिए स्ट्रीट लाइट, आगंतुकों के बैठने के लिए आरसीसी बेंच और मार्गदर्शन के लिए साइनेज की व्यवस्था होगी। पर्यटन विभाग का फोकस स्थल पर आगंतुकों के लिए जरूरी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर रहेगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कन्नौज स्थित च्यवन ऋषि आश्रम वही तपोभूमि है, जहां महर्षि च्यवन ने वर्षों तक कठोर तपस्या की थी। कहा जाता है कि उनकी तपस्या के दौरान उनके चारों ओर दीमक का विशाल टीला बन गया था और इसी स्थान पर राजकुमारी सुकन्या से जुड़ी प्रसिद्ध कथा घटित हुई। बाद में सुकन्या की सेवा, समर्पण और अश्विनी कुमारों के दिव्य आशीर्वाद से महर्षि च्यवन को पुनः यौवन और दृष्टि प्राप्त हुई। इसके पश्चात उन्होंने आयुर्वेद और मानव स्वास्थ्य के कल्याण के लिए शोध कार्य किया। मान्यता है कि इसी ज्ञान परंपरा से 'च्यवनप्राश' जैसे अमूल्य आयुर्वेदिक योग का उद्भव हुआ, जो आज भी स्वास्थ्य, दीर्घायु और जीवन शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि च्यवन ऋषि आश्रम भारतीय ऋषि परंपरा, आयुर्वेदिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'कन्नौज आने वाले पर्यटकों के लिए च्यवन ऋषि आश्रम के साथ-साथ जिले के अन्य प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थल भी विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। इनमें पक्षी प्रेमियों के लिए लाख बहोसी पक्षी अभ्यारण्य, इतिहास और संस्कृति की झलक प्रस्तुत करने वाला कन्नौज पुरातात्विक संग्रहालय, तिर्वा स्थित माता अन्नपूर्णा मंदिर, गंगा तट पर स्थित रमणीय मेहंदी घाट, श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र स्वयंभू बाबा गौरी शंकर मंदिर तथा ऐतिहासिक महत्व वाले 52 खंभों वाली मकदूम जहानिया प्रमुख हैं। जिले के विभिन्न पर्यटन, धार्मिक और विरासत स्थलों का भ्रमण करने के लिए वर्ष 2025 में 21.73 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे, जो कन्नौज की बढ़ती पर्यटन संभावनाओं और आकर्षण को दर्शाता है।'

वित्तविहीन विद्यालय संगठन रायबरेली द्वारा किया गया शिक्षकों का सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। वित्तविहीन विद्यालय संगठन रायबरेली एवं आधारशिला कॉलेज ऑफ प्रोफ़ेशनल कोर्सेज के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सारस होटल, रायबरेली में वित्तविहीन शिक्षकों के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों से अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानित कर उनके समर्पण एवं सेवाओं को नमन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी डॉ. तहसीलदार सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व राज्य महिला आयोग सदस्य शीला सिंह, एफडीडीआई फुरसतगंज के कार्यकारी निदेशक श्री सुनील कुमार द्विवेदी, कोचिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री विक्रम सिंह, आधारशिला के श्री आशुतोष सिंह, एफडीडीआई फुरसतगंज के सीनियर फैकल्टी वरुण गुप्ता तथा



एमजीएस टाटा मोटर्स के नियाज़ अहमद, दीप प्रकाश शुक्ला प्रबंधक चंद्रशेखर मेमोरियल पब्लिक स्कूल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वित्तविहीन विद्यालय संगठन रायबरेली के अध्यक्ष एवं स्नातक एमएलसी प्रत्याशी, खंड लखनऊ, श्री धर्मेंद्र सिंह चौहान ने अतिथियों के साथ वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वित्तविहीन विद्यालय और उनमें कार्यरत शिक्षक प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण रीढ़ हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद वित्तविहीन शिक्षक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ उनके संस्कार, व्यक्तित्व और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उनके योगदान को सम्मान और उचित अधिकार मिलना समय की आवश्यकता है। धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि वह राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। वित्तविहीन शिक्षकों ने कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा की लौ को जलाए रखा है। उनका सम्मान वास्तव में शिक्षा और शिक्षक दोनों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि वित्तविहीन शिक्षकों की समस्याओं, सम्मान, अधिकार और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों को मजबूती से उठाने का निरंतर प्रयास किया जाएगा।

कूटरचित दस्तावेज से जमीन का फर्जी बैनामा कराने वाला आरोपी गिरफ्तार

मोहनलालगंज, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहनलालगंज पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर भूमि का फर्जी बैनामा कराने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। यह कार्रवाई एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा मुखबिर तंत्र की मदद से की।पुलिस के मुताबिक, करोरा निवासी अरुण कुमार शुक्ला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि विपक्षीगण ने उनकी भूमि के संबंध में कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी व्यक्ति के माध्यम से धोखाधड़ी करते हुए बैनामा करा लिया। शिकायत के आधार पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।मामले की विवेचना के दौरान वांछित आरोपी राम बहादुर पुत्र गौरी शंकर, निवासी देवती, थाना नगराम, लखनऊ, का नाम प्रकाश में आया। इसके बाद एसीपी राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में मोहनलालगंज पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि आर्थिक लाभ लेने के उद्देश्य से वादी की भूमि का फर्जी बैनामा कराया गया था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।पुलिस के अनुसार, इसी मुकदमे में पूर्व में सुधीर और सतेन्द्र कुमार नामक दो आरोपियों को भी न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का असर, यूपी में नशे के कारोबार पर प्रहार

लखनऊ/वाराणसी। योगी सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2.10 करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन बरामद की है। एएनटीएफ यूनिट वाराणसी की टीम ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले सक्रिय तस्कर अभिषेक सोनकर को गिरफ्तार किया है। डीजीपी कार्यालय के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी वाराणसी के फूलपुर थाना क्षेत्र के झोरिया जगदीशपुर बाबतपुर का निवासी है। एएनटीएफ टीम ने उसके कब्जे से 1 किलो 20 ग्राम अवैध मादक पदार्थ हेरोइन समेत अन्य सामान भी बरामद किया है। आरोपी की गिरफ्तारी चंदौली जिले के अलीनगर थाना क्षेत्र में गोदना मोड़ सर्विस रोड से की गई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने पार्टनर के साथ मिलकर अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। बरामद हेरोइन भी वह अपने पार्टनर के कहने पर किसी व्यक्ति को सप्लाई करने के लिए चंदौली की ओर ले जा रहा था।

एलडीए की सख्ती के बावजूद कैसे जारी हैं मानकों के विपरीत निर्माण?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण अवैध और मानकों के विपरीत निर्माण के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने का दावा कर रहा है। इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में निर्माण कार्य जारी हैं, जिससे एलडीए की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ठाकुरगंज क्षेत्र के पीर बुखारा मोहल्ले में चल रहे एक निर्माण कार्य में मौके पर भवन में आवश्यक सेटबैक नहीं छोड़ा गया है। मौके का निरीक्षण करने पर यह स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहना एलडीए की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। सूत्रों की माने तो यहां पतली गली में अवैध रूप से वाणिज्यिक निर्माण हो रहा है जहाँ फ्लैट्स बना कर बेचने की तैयारी चल रहीं हैं। सवाल यह है कि जब एलडीए अवैध निर्माणों के खिलाफ इतनी सख्ती से कार्रवाई कर रहा है और लगातार



अधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं, तो फिर उसकी नजर के सामने मानकों के विपरीत निर्माण कैसे जारी हैं? क्या संबंधित क्षेत्र के अधिकारी नियमित रूप से निर्माण कार्यों की निगरानी नहीं कर रहे हैं? यदि निगरानी हो रही है तो नियमों की अनदेखी सामने आने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? अलीगंज की घटना के बाद एलडीए के उच्च अधिकारियों ने अवैध और मानकों के विपरीत निर्माणों को लेकर सख्त रुख अपनाने के निर्देश दिए थे। ऐसे में पीर बुखारा सहित शहर के अन्य इलाकों में जारी निर्माण कार्य यह सवाल खड़ा कर रहे हैं कि अधिकारियों के आदेशों का जमीनी स्तर पर कितना पालन हो रहा है। ऐसा ही एक अन्य निर्माण सआदतगंज थाना क्षेत्र के करीमगंज में सुंदरी लॉन के निकट भी जारी है। आखिर क्या वजह है जो सम्बंधित अवर अभियंता, सहायक अभियंता इन निर्माण को छूट दिए हुए हैं। संबंधित ज़ोनल अधिकारियों को या तो अवर अभियंता, सहायक अभियंता गुमराह कर रहे हैं या वह भी जान कर अनजान हैं। ऐसे में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के अवैध निर्माणों पर कार्यवाही के दावे फ़ेल होते नज़र आ रहे हैं। अब देखना यह है कि एलडीए इन निर्माणों की जांच कराकर कार्रवाई करता है या फिर सख्त आदेश केवल कागजों तक ही सीमित रह जाते हैं।

मिशन शक्ति बहू-बेटी सम्मेलन में गूंजा महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। मुख्यालय महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत रविवार को थाना महराजगंज की मिशन शक्ति टीम ने ग्राम जमुरावां में 'मिशन शक्ति बहू-बेटी सम्मेलन एवं चौपाल' का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने सहभागिता की तथा महिला सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

चौपाल के दौरान मिशन शक्ति केंद्र की भूमिका और उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महिलाओं और बालिकाओं को साइबर बुलिंग, फर्जी प्रोफाइल, ऑनलाइन ठगी सहित विभिन्न साइबर अपराधों से सतर्क रहने, अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने और संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल शिकायत करने के लिए जागरूक किया गया। टीम ने विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों 1090, 181, 112, 1076, 102, 108, 1098, 1930 एवं 101 की उपयोगिता समझाते हुए जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं को विशेष रूप से 1090 महिला हेल्पलाइन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। इस जानकारी से महिलाओं में अपनी समस्याओं को बिना किसी संकोच के सामने रखने और कानून की मदद लेने का भरोसा मजबूत हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन एवं मातृशक्ति वंदन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा आवश्यक सहायता और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में थाना महराजगंज की मिशन शक्ति टीम से उ0नि0 लालजी यादव, मु0आ0 शत्रु जीत राय, आ0 अरुण कुमार, म0हे0आ0 गीता सिंह, म0आ0 प्रीती राणा एवं म0रि0आ0 राधा कुमारी ने सहभागिता करते हुए महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति सजग किया।

पिशाचमोचन कुंड में लगेंगे सीसीटीवी, लाइट और ओपन जिम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। शहर के पौराणिक जलस्रोतों, तालाबों, कुंडों और कुओं के संरक्षण को लेकर नगर निगम ने कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में रविवार को नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने पिशाचमोचन कुंड, पितरकुंडा तालाब और रामकुंड तालाब का स्थलीय निरीक्षण कर चल रहे जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण कार्यों की समीक्षा की।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को सभी अधूरे कार्य जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। पिशाचमोचन कुंड की सुरक्षा और आमजन की सुविधा के लिए सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था और ओपन जिम स्थापित करने को कहा गया। ओपन जिम से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी मिलेंगी।

रामकुंड परिसर में क्षतिग्रस्त दीवार के स्थान पर मजबूत आरसीसी दीवार बनाने, रेलिंग की मरम्मत और पेंटिंग कराने के



निर्देश दिए गए। वहीं पितरकुंडा तालाब पर भव्य प्रवेश द्वार बनाने, रेलिंग लगाने, पेंटिंग कराने तथा पूरे परिसर में नियमित साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। नगर आयुक्त ने कहा कि पौराणिक जलस्रोत शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके संरक्षण के साथ स्वच्छता और जनसुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद सिंधु सोनकर सहित नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जनसभा को लेकर करवरिया परिवार की बैठक शुरू

कोराँव प्रयागराज। आगामी 3 अक्टूबर को पूर्व भाजपा विधायक उदय भान करवरिया के यमुना पार में विशाल जन सभा को लेकर कोराव विधानसभा में संकल्प करवरिया के नेतृत्व में रविवार दोपहर मिश्रपुर स्थित देवकली गेस्ट हाउस पर भाजपा कार्यकर्ताओं व वरिष्ठ जनों के साथ महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई । कार्यक्रम की अध्यक्षता इन्दमणी मिश्रा व संचालन शशि द्विवेदी ने किया।बैठक में आगामी जनसभा पर विस्तार से चर्चा हुई और सभी कार्यकर्ताओं को पूरी ऊर्जा के साथ इस आयोजन को सफल बनाने की रणनीति बताई गई।दोष मुक्त होकर जेल से रिहा होने के बाद पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया का यह पहला बड़ा सम्मेलन माना जा रहा है। वहीं आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टिगत करवरिया परिवार का यह कार्यक्रम जनता सम्मेलन लोक प्रियता बहाल करने व शक्ति परीक्षण के रूप में देखा जा सकता है। बैठक में पूर्व महामंत्री रामेश्वर द्विवेदी मनीराम शुक्ल, चेयरमैन कोरांव ओम प्रकाश केशरी पूर्व ब्लाक प्रमुख अव्यक्त कार्तिकेय पाण्डेय सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शिक्षिका ने विद्यालय को भेंट किए छह वाटर कूलर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। शिक्षक दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, चिनहट की शिक्षिका श्रीमती प्रिया सरोज ने छात्राओं की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय को छह वाटर कूलर स्टैंड सहित भेंट किए। उनकी इस पहल से विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।

छात्राओं के हित में शिक्षिका की इस पहल को विद्यालय परिवार ने सराहनीय और प्रेरणादायी बताया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रश्मि गुप्ता ने श्रीमती प्रिया सरोज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर किया गया यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि शिक्षिका द्वारा की गई यह



पहल छात्राओं के प्रति उनके स्नेह, संवेदनशीलता और विद्यालय के प्रति समर्पण को दर्शाती है। ऐसे प्रयास न केवल विद्यार्थियों की मूलभूत जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि विद्यालय में सहयोग और सेवा की भावना को भी मजबूत करते हैं। प्रधानाचार्या ने श्रीमती प्रिया सरोज को इस पुनीत एवं उपयोगी पहल के लिए साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता मिले, फसल और मकान क्षति का तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा दें : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अतिवृष्टि से प्रभावित जनपद चित्रकूट का भ्रमण कर लौटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए और फसल तथा मकान की क्षति का तत्काल सर्वे कराकर पात्र लोगों को नियमानुसार सहायता दी जाए। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी के कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण का चिन्हांकन कर उसे हटाने की कार्रवाई कराने, नदी पर बने फुट ओवर ब्रिज का सेफ्टी ऑडिट कराने तथा मंदाकिनी में सीवर और नालों का पानी किसी भी दशा में न जाने देने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने चित्रकूट धाम के व्यापारियों और मठ-मंदिरों को हुए नुकसान का आकलन कर सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसल क्षति का सर्वे शीघ्र पूरा कराया जाए और पात्र किसानों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए भी प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट धाम के व्यापारियों को हुए नुकसान का आकलन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित व्यापारियों को सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। मठ-मंदिरों को हुई क्षति का भी सर्वे कराया जाए और उनकी मरम्मत का कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए। इन धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण में शासन आवश्यक सहयोग करेगा।

राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि शेष राहत किट का वितरण 48 घंटे के भीतर प्रभावित लोगों के बीच सुनिश्चित किया जाए।



उन्होंने कहा कि राहत सामग्री पहुंचाने में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रशासन प्रभावित परिवारों के बीच लगातार मौजूद रहकर उनकी जरूरत के अनुसार सहायता उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार उपलब्ध रहें और प्रभावित लोगों को आवश्यक चिकित्सा सहायता समय पर मिले। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है। इसे देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और किसी भी बीमारी के लक्षण सामने आने पर तत्काल उपचार और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण के संबंध में शासन के अधिकारियों को जनपदीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण का चिन्हांकन कर नियमानुसार उसे हटाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही, घाट के विस्तारीकरण के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पवित्र मंदाकिनी नदी में किसी भी दशा में सीवर या नालों का पानी नहीं जाना चाहिए। इसके लिए पर्यटन, सिंचाई और नगर विकास विभाग आपसी समन्वय से ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू करें। उन्होंने कहा कि मंदाकिनी चित्रकूट की आस्था से जुड़ी है। इसकी स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। मंदाकिनी नदी पर बने फुट ओवर ब्रिज की सुरक्षा को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी को उसका सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा से जुड़े निर्माण कार्यों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और आवश्यकतानुसार तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट धाम से एयरपोर्ट जाने वाले मार्ग के निर्माण कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि इस मार्ग का कार्य विजयादशमी से पहले हर हाल में पूरा कराया जाए। कार्य में हुए विलंब के कारणों की समीक्षा कर संबंधित की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने पशुधन की सुरक्षा के लिए गोशालाओं की जांच कराने और वहां पर्याप्त चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंपी डिजीज से बचाव के लिए भी सभी आवश्यक प्रबंध करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत और पुनर्वास के साथ चित्रकूट के लिए ऐसी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे भविष्य में अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। इसमें मंदाकिनी के प्राकृतिक प्रवाह, कैचमेंट एरिया, अतिक्रमण, जल निकासी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

जिसे मृत मानकर किया अंतिम संस्कार, वह 27 महीने बाद घर लौटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- नाले में मिले अज्ञात महिला के शव को परिजनों ने शिवानी समझकर किया था अंतिम संस्कार
- ससुराल वालों पर दर्ज हुआ था दहेज हत्या का मुकदमा

बख्शी का तालाब, लखनऊ। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में 27 महीने पुराना एक मामला अचानक फिर सुर्खियों में आ गया। जिस महिला को परिजनों ने मृत मानकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया था, वह शनिवार को अचानक अपने मायके पहुंच गई। महिला को सामने देखकर परिवार के लोग अवाक रह गए। अब पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि जुलाई 2024 में आईआईएम रोड के पीछे नाले में मिला महिला का शव आखिर किसका था।

बीकेटी के नवीकोट नंदना निवासी शिवानी (28) की शादी 22 अप्रैल 2020 को सीतापुर के सकतापुर निवासी आनंद सिंह से हुई थी। शादी के बाद वह बीकेटी के भीखापुर में ससुराल में रहने लगी।मायकेवालों का आरोप है कि कुछ समय बाद ससुराल पक्ष की ओर से प्लॉट की मांग की जाने लगी थी।

परिजनों के मुताबिक, 2 मई 2024 को शिवानी सुबह करीब नौ बजे भीखापुर स्थित ससुराल के नए मकान से आधार कार्ड लेने की बात कहकर निकली थी। उसने इंदौराबाग सीएचसी में पेट दर्द का उपचार कराने की बात भी कही थी। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की।शिवानी के पिता सर्वेश सिंह उर्फ हींगू ने ससुरालवालों से जानकारी की तो उसकी सास शीला देवी ने बताया कि वह आनंद के मामा सुशील सिंह के मड़ियांव स्थित भारत नगर के किराये के कमरे पर गई हो सकती है। वहां भी तलाश की गई, लेकिन शिवानी का पता नहीं चला। 4 मई को बीकेटी थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि परिजनों ने नाले में मिले शव की पहचान शिवानी के रूप में की थी और इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया था। अब शिवानी के सामने आने के बाद पूरे मामले की नए सिरे से जांच की जा रही है।


विवाह के समय पति आनन्द सिंह के साथ शिवानी फोटो

16 जुलाई 2024 को आईआईएम के पीछे नाले में एक अज्ञात महिला का शव मिला। पहचान नहीं होने पर पुलिस ने शिवानी के परिजनों को सूचना दी। परिवार के लोगों ने हाथ में बंधे कलावे और उंगली में पहनी अंगूठी के आधार पर शव की पहचान शिवानी के रूप में की। इसके बाद भैंसाकुंड में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।शव की पहचान के बाद मायकेवालों ने शिवानी के ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने परिवार के सदस्यों से पूछताछ भी की थी।

शनिवार को शिवानी अचानक नवीकोट नंदना स्थित अपने मायके पहुंच गई। उसे जिंदा देखकर परिजन हैरान रह गए। पूछताछ में उसने बताया कि वह इतने समय से पारा इलाके में रह रही थी। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस शिवानी को थाने ले गई और उससे पूछताछ शुरू की।पुलिस के मुताबिक, शिवानी पारा में जावेद नाम के युवक के साथ रह रही थी। जावेद नगर निगम के शौचालय की देखरेख करता है। शिवानी ने बताया कि पारा में ही उसकी मुलाकात जावेद से हुई थी। पुलिस अब जावेद से संपर्क करने के साथ शिवानी के 27 महीने तक गायब रहने की वजह भी पता कर रही है।

शिवानी के जिंदा मिलने के बाद पहले दर्ज दहेज हत्या के मामले की जांच भी नए सिरे से किए जाने की स्थिति बन गई है। पुलिस अब नाले में मिले शव की पहचान कराने, उसके डीएनए संबंधी रिकॉर्ड की जांच करने और यह पता लगाने में जुटी है कि वह महिला कौन थी।वहीं शिवानी की सास शीला देवी ने पुलिस पर परिवार को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने परिवार के सदस्यों को परेशान किया और जेल भेजने की धमकी दी। उन्होंने शिवानी के पिता पर प्लॉट और 10 लाख रुपये मांगने का भी आरोप लगाया है।

16 वर्षीय किशोरी लापता, परिजनों ने लगाई बरामदगी की गुहार

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट के बीबीडी थाना क्षेत्र में स्कूल जाने के लिए घर से निकली 16 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर पुलिस से शिकायत कर किशोरी की सकुशल बरामदगी की मांग की है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, किशोरी आकांक्षा सिंह उर्फ गगन स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन स्कूल नहीं पहुंची। दोपहर करीब दो बजे किशोरी ने परिजनों को फोन कर बीबीडी क्षेत्र से घर ले जाने के लिए बुलाया। परिजन बताए गए स्थान पर पहुंचे, लेकिन किशोरी वहां नहीं मिली। परिजनों के मुताबिक, किशोरी की उम्र करीब 16 वर्ष है और वह रंग-गोरा, कद करीब पांच फीट की है। घटना के समय उसने सफ़ेद टी-शर्ट और पैंट पहन रखी थी। परिजनों ने बताया कि किशोरी एक युवक से मोबाइल फोन पर बातचीत करती थी। शिकायत में संबंधित मोबाइल नंबर भी पुलिस को उपलब्ध कराया गया है। काफी तलाश के बावजूद किशोरी का पता नहीं चलने पर परिजनों ने बीबीडी थाना पुलिस से शिकायत दर्ज कर उचित कार्रवाई और किशोरी की सकुशल बरामदगी की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दहेज में 30 लाख रुपये और चार पहिया वाहन की मांग का आरोप

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र की रहने वाली एक विवाहिता ने अपने पति, सास और ननद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित करते रहे और मायके से रुपये व चार पहिया वाहन लाने का दबाव बनाते रहे। शिकायत के मुताबिक, पीड़िता आयुषी गुप्ता की शादी 26 नवंबर 2022 को स्पर्श गुप्ता के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी में मायके पक्ष ने करीब 10 लाख रुपये मूल्य के जेवर, कपड़े, घरेलू सामान व अन्य उपहार दिए थे। इसके बावजूद ससुराल पक्ष की ओर से कथित तौर पर 30 लाख रुपये नकद और चार पहिया वाहन की मांग की जाने लगी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि मांग पूरी नहीं होने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया गया। उसके चरित्र पर भी सवाल उठाए गए और नौकरी छोड़ने के लिए दबाव बनाया गया। शिकायत में आरोप है कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई तथा कई बार घर से निकालने का प्रयास किया गया। विवाहिता के मुताबिक, 18 मार्च 2025 को भी उसके साथ मारपीट की गई और गंभीर चोटें पहुंचीं। आरोप है कि उसे घर से निकालते हुए कहा गया कि जब तक 30 लाख रुपये और वाहन लेकर नहीं आएगी, तब तक उसे वापस नहीं रखा जाएगा। पीड़िता का कहना है कि वह मजबूर होकर मायके चली गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पति पक्ष की ओर से उसे लगातार धमकियां दी गईं। पीड़िता ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई और अपनी सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है

दुकान के सामने खड़ी ट्राली चोरी, अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर

बंथरा, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के रहीमनगर पडियाना गांव में जेपी ट्रेडर्स दुकान के सामने खड़ी ट्राली चोरी हो गई। पीड़ित दुकानदार ने हरौनी पुलिस चौकी में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ट्राली बरामद करने की मांग की है। रहीमनगर पडियाना निवासी जीतेन्द्र प्रताप शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि ग्राम पिपहरी मजरा रहीमनगर पडियाना में उनकी जेपी ट्रेडर्स के नाम से दुकान है। शनिवार रात करीब दुकान बंद करने के बाद उन्होंने अपनी चार पहिया ट्राली दुकान के पास खड़ी कर दी थी। रविवार सुबह उठकर देखा तो ट्राली मौके से गायब थी। पीड़ित के मुताबिक आसपास काफी तलाश करने के साथ ही स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन ट्राली का कोई सुराग नहीं लगा। आशंका है कि अज्ञात चोर रात में मौका पाकर ट्राली चोरी कर ले गए।चोरी हुई ट्राली गाढ़े नीले रंग की है, जिस पर 'जेपी ट्रेडर्स' और 'एसीसी सीमेंट' लिखा हुआ है। पीड़ित ने पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर ट्राली की शीघ्र बरामदगी की मांग की है।

जेवर व नकदी लेकर चोर फरार

माल लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र में चोरियौ का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अज्ञात चोरों ने घर के पीछे से जीने सेआकर घर में प्रवेश किया। कमरे का ताला तोड़ कर लाखों के जेवर व नकदी समेट कर फ़रार हो गये। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। शनिवार रात थाना क्षेत्र के केड़ौरा गांव निवासी हरीओम रावत के घर अज्ञात चोर घर के पीछे से जीने के रास्ते घर में प्रवेश किया। कमरे का ताला तोड़ कर अलमारी में रखा सोने का हार, झुमकी डबल डोल, मंगलसूत्र, नाक के दो बूंदे, बेहसर , नाक की कील, चांदी की तीन जोड़ी पायल, हाथ का फूल, पायल, छह जोड़ी बिछिया और लगभग दो लाख नकदी बटोर कर फरार हो गये। घर मालीक को सवेरे रविवार को जागने पर जानकारी हुई।पीडित(हीरीओम) नेअपने पड़ोसी विनोद पुत्र मुन्ना व अजय धानुक और उसकी माता रामबेटी पर संदेह जताया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि चोरी का सामान विनोद के घर के आस पास बिखरा मिला है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर विनोद को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही है। बाताया जा रहा है कि पीड़ित हरीओम ट्रैक्टर बिक्री कराने के एजेंट का कार्य करता है।

दिनेश प्रताप सिंह ने विधायक को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा फूलों को मंडी शुल्क से पूरी तरह मुक्त किए जाने के उपलक्ष्य में पुष्प उत्पादक किसान कल्याण समिति की ओर से आज दौलतगंज (निकट गुलालाघाट) में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पुष्प उत्पादक किसानों एवं फूल विक्रेताओं ने मुख्य अतिथि कृषि विपरण एवं उद्यान मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार दिनेश प्रताप सिंह तथा लखनऊ उत्तर के विधायक डॉ. नीरज बोरा को सम्मानित किया।

समारोह में उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने पुष्प व्यापारियों एवं किसानों को संबोधित करते हुए कहा, कि यह दिन किसान भाइयों के श्रम, निष्ठा,भरोसे एवं सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा फूलों को मंडी शुल्क से पूरी तरह मुक्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इससे पुष्प उत्पादक किसानों और फूल व्यापारियों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी तथा पुष्प व्यवसाय को और बढ़ावा मिलेगा।

वहीं, विधायक डॉ. नीरज बोरा ने फूलों को मंडी शुल्क से पूर्णतः मुक्त किए जाने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मंडी शुल्क समाप्त होने से फूल उत्पादकों को अपनी उपज के बेहतर मूल्य मिलेंगे। उन्होंने कहा कि जब किसान समृद्ध होगा, तभी प्रदेश समृद्ध होगा।

डीपी बोरा पार्क की बाउंड्री वॉल और हनुमान शाखा पार्क में नाली-पाथवे निर्माण का शिलान्यास



लखनऊ। हुसैनाबाद स्थित डीपी बोरा पार्क में बाउंड्री वॉल निर्माण तथा मल्लाही टोला प्रथम वार्ड के अंतर्गत नगरिया स्थित हनुमान शाखा पार्क में नाली एवं पाथवे निर्माण कार्य का शिलान्यास आज लखनऊ उत्तर के विधायक डॉ. नीरज बोरा ने किया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि डीपी बोरा पार्क में बाउंड्री वॉल के निर्माण होने से पार्क की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने के साथ ही अन्य व्यवस्थाओं को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा। वहीं, हनुमान शाखा पार्क में नाली एवं पाथवे का निर्माण होने से जल निकासी की समस्या का समाधान होगा तथा पार्क में आने-जाने वाले लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सकेगी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान पार्षद प्रतिनिधि सी.पी. सिंह, रामऔतार कनौजिया, अनूप सिंह, दया पांडे, विशाल गुप्ता, सुशील तिवारी, अरविंद कश्यप सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

उमड़ा आस्था का सैलाब, गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य रामडोल

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के बाद बलसिंह खेड़ा गांव में आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। गांव से गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के साथ भव्य रामडोल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा नगराम क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। बलसिंह खेड़ा निवासी लाल बाबू वर्मा के आवास पर बीते 4 सितम्बर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया था। इसी क्रम में रामडोल शोभायात्रा निकाली गई। सजे-धजे रामडोल के साथ निकली शोभायात्रा में बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते हुए और धार्मिक जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। शोभायात्रा गांव से निकलकर विभिन्न मार्गों से होते हुए शारदा सहायक नहर तक पहुंची। रास्ते में ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया और जगह-जगह पानी व प्रसाद का वितरण किया। शोभायात्रा के दौरान गांव और आसपास के क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाकर अपनी आस्था व्यक्त की। पूरे आयोजन के दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। रामडोल के साथ उमड़ी भीड़ ने गांव की धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकजुटता की झलक दिखाई।



संदिग्ध हालात में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

बख्शी का तालाब, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इटौंजा थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार दोपहर गांव से करीब 200 मीटर दूर जंगल में एक युवक का शव जैती के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिला। खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने शव देखा तो इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विक्रमपुर निवासी अजय कुमार (25) ड्राइवरी का काम करता था। उसके पिता सीताराम ने बताया कि अजय शनिवार शाम ससुराल से घर लौटा था। उसकी पत्नी नीलम मायके में ही थी। घर पहुंचने के बाद अजय चुपचाप कमरे में सो गया। रविवार सुबह वह घर से निकल गया था। दोपहर में ग्रामीणों ने गांव से करीब 200 मीटर दूर जंगल में उसका शव पेड़ से लटका देखा।पिता के मुताबिक अजय शराब का भी सेवन करता था। हालांकि युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक सोबरन सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टेंट-कैटरिंग व्यापारियों ने उठाई जीएसटी घटाने और नो-एंट्री में छूट की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श टेंट, कैटरिंग एवं डेकोरेशन व्यापार मंडल के प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को सर्वोदय नगर, इंदिरा नगर स्थित एक होटल में 'व्यापारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में राजधानी के टेंट, कैटरिंग एवं डेकोरेशन कारोबार से जुड़े बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। इस दौरान व्यापारियों ने सरकार से टेंट एवं कैटरिंग सेवा क्षेत्र पर लागू 18 प्रतिशत जीएसटी को घटाकर पांच प्रतिशत किए जाने तथा इस व्यवसाय से जुड़े वाहनों को नो-एंट्री में छूट देने की मांग उठाई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता रहे। उन्होंने संगठन के प्रथम स्थापना दिवस पर सभी टेंट एवं कैटरिंग व्यापारियों को बधाई देते हुए कहा कि व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन हर स्तर पर उनके साथ खड़ा रहेगा और जरूरत पड़ने पर संघर्ष भी करेगा। संजय गुप्ता ने कहा कि टेंट और कैटरिंग व्यापारियों की उपयोगिता जन्म से लेकर मृत्यु तक हर अवसर पर रहती है। विवाह, धार्मिक आयोजन, सामाजिक समारोह से लेकर अंतिम संस्कार तक इस क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों की सेवाएं आवश्यक होती हैं। उन्होंने कहा कि यह व्यवसाय केवल व्यापार नहीं, बल्कि समाज की सेवा से भी जुड़ा हुआ है। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश आदर्श टेंट, कैटरिंग एवं डेकोरेशन व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ने टेंट एवं कैटरिंग सेवा क्षेत्र पर लागू 18 प्रतिशत जीएसटी स्लैब को घटाकर पांच प्रतिशत किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। उन्होंने कहा कि टैक्स का बोझ कम होने से कारोबार को राहत मिलेगी और छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को अपना व्यवसाय संचालित करने में सुविधा होगी। व्यापारियों ने टेंट-कैटरिंग कारोबार में इस्तेमाल होने वाले वाहनों को नो-एंट्री में छूट दिए जाने की भी मांग की। व्यापारियों का कहना था कि शादी-विवाह और अन्य आयोजनों के लिए सामान पहुंचाने वाले वाहनों को नो-एंट्री के कारण कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता है। इससे समय और लागत दोनों बढ़ती हैं। सम्मेलन में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए 'व्यापारी आयोग' के गठन की मांग भी उठाई गई। व्यापारियों ने कहा कि कारोबार से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए एक प्रभावी संस्थागत व्यवस्था जरूरी है, जिससे व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण हो सके। स्थापना दिवस के अवसर पर वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने और संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान टेंट, कैटरिंग एवं डेकोरेशन क्षेत्र के व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष का फूल-मालाओं से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

183 सप्ताह से जारी 'आपका विधायक, आपके द्वार' अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में लगातार 183 सप्ताह से संचालित 'आपका विधायक, आपके द्वार' अभियान जनसंवाद और जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन गया है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में अभियान की 183वीं कड़ी ग्राम नानमऊ में आयोजित हुई, जहां ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए।

नानमऊ में वृद्धावस्था व विधवा पेंशन, सड़क-नाली, साइकिल, लैपटॉप, स्मार्टफोन, शिक्षकों की कमी और आयुष्मान कार्ड से जुड़ी 11 समस्याओं के आवेदन प्राप्त हुए। हनुमान सिंह का आयुष्मान कार्ड तत्काल बनवाया गया। श्री साईं ऑप्टिकल के सहयोग से आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 100 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की गई। जांच के आधार पर 80 जरूरतमंद बुजुर्गों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे।

अभियान के तहत चार मेधावी विद्यार्थियों-पलक, कृष्णा सविता, प्रियंका सिंह और अविरल प्रताप सिंह-को साइकिल प्रदान की गई। साथ ही नानमऊ में 192वां बॉयज और 130वां गर्ल्स यूथ क्लब गठित कर खेल किट वितरित की गईं। 183 सप्ताह की निरंतरता ने अभियान को जनसमस्याओं की पहचान, अनुश्रवण और समाधान का प्रभावी मंच बना दिया है।

नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चला

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुरुष छात्रावास में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कुलपति प्रो अजय तनेजा के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रावास के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने भाषण एवं विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नशे के कारण होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्रों ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसके गंभीर दुष्परिणाम पड़ते हैं। विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने साथियों और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं को नशे के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है और स्वस्थ युवा ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला रख सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूरी बनाए रखने, सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने की अपील की। इस अवसर पर छात्रावास की विभिन्न समितियों के सदस्य, अंतःवासी छात्रगण, प्रोवोस्ट डॉ. उधम सिंह, वार्डन डॉ. रामजीत सिंह यादव एवं वार्डन डॉ. धर्मेंद्र सिंह सहित छात्रावास के अन्य संबंधित सदस्य उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर ब्रह्माकुमारीज गोमती नगर केंद्र में आध्यात्मिक झांकी एवं नाटिका का आयोजन



लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज गोमती नगर केंद्र में आकर्षक एवं आध्यात्मिक झांकी का प्रदर्शन किया गया। इसमें विभिन्न नृत्यों एवं सुंदर झांकी के माध्यम से श्रीकृष्ण के दिव्य स्वरूप एवं सतयुगी जीवन का संदेश प्रस्तुत किया गया। बच्चों द्वारा मनमोहक नाटिका भी प्रस्तुत की गई, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर राजयोगिनी राधा दीदी ने कृष्ण जन्माष्टमी के आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि कंस केवल कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर मौजूद काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार जैसे विकारों का प्रतीक है। ज्ञान और राजयोग के अभ्यास से जब हम इन आंतरिक विकारों पर विजय प्राप्त करते हैं, तब हमारे भीतर छिपा दिव्य एवं श्रेष्ठ मानवीय स्वरूप जागृत होता है। इसी पवित्र, निर्मल और दिव्य मनुष्य के सतयुगी स्वरूप को कृष्ण के रूप में दर्शाया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कृष्ण जन्माष्टमी के आध्यात्मिक संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

हेड कांस्टेबल के घर महिला की संदिग्ध मौत, पति पर हत्या का मुकदमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- सिर पर चोट के निशान और खून से सनसनी, फर्श पर पड़ा मिला 40 वर्षीय महिला का शव

लखनऊ। महानगर थाना क्षेत्र में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मकान में 40 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। मृतका की पहचान रश्मि श्रीवास्तव पत्नी हिमांशु श्रीवास्तव के रूप में हुई है। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने उसके पति हिमांशु श्रीवास्तव के खिलाफ हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, रविवार को डायल-112 पर मकान मालिक ने सूचना दी कि उनके किरायेदार हिमांशु श्रीवास्तव ने अपनी पत्नी की मृत्यु होने की जानकारी दी है। सूचना मिलते ही महानगर पुलिस मौके पर पहुंची। घर के अंदर रश्मि का शव फर्श पर पड़ा था और उसके सिर के आसपास खून के निशान मिले। घटना की गंभीरता को देखते हुए फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा साक्ष्य जुटाए।



मृतक का पति हिमांशु श्रीवास्तव यूपी पुलिस में मुख्य आरक्षी है और वर्तमान में सूचना अधिकार प्रकोष्ठ, डालीगंज में तैनात बताया गया है। पुलिस के अनुसार मौके पर पूछताछ के दौरान हिमांशु तत्काल घटना के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। मृतका के भाई सौरभ श्रीवास्तव, निवासी तहापुर मालिकपुर, जनपद अम्बेडकरनगर की तहरीर पर थाना महानगर में धारा 103(1) बीएनएस के तहत हिमांशु श्रीवास्तव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपायुक्त मध्य विक्रांत वीर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद महिला की मौत की वास्तविक वजह और घटनाक्रम की तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

सकरन में मुख्यमंत्री आवास योजना पर गंभीर सवाल, अपात्रों को लाभ देने के आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन में भ्रष्टाचार के मकड़जाल में फंसी मुख्यमंत्री आवास योजना!

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद भी नसीरपुर-खानपुर में जांच की रफ्तार सुस्त, फर्जी सत्यापन से अपात्रों को लाभ और पात्र गरीबों को दरकिनार करने के आरोप

दो मंजिला मकानों पर आवास लाभ का दावा—शिकायतकर्ता ने रिकवरी के साथ दोषियों पर कठोर कार्रवाई की उठाई मांग

सकरन/सीतापुर। गरीबों को पक्की छत देने के लिए संचालित मुख्यमंत्री आवास योजना पर विकास खंड सकरन में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम पंचायत नसीरपुर, खानपुर और सेमराकला में योजना के लाभार्थियों के चयन एवं सत्यापन को लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद जांच की कार्रवाई को लेकर शिकायतकर्ता ने सवाल उठाए हैं। आरोप है कि जिम्मेदारों की कथित मिलीभगत से अपात्रों को सरकारी आवास का लाभ पहुंचाया गया, जबकि वास्तविक जरूरतमंद गरीब परिवार योजना के लाभ से बाहर कर दिए गए।

शिकायतकर्ता सुधीर कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत में रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान तथा आवास सत्यापन से जुड़े जिम्मेदारों की भूमिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के मुताबिक, पात्रता के सत्यापन में नियमों की अनदेखी कर ऐसे लोगों को योजना का लाभ दिया गया, जिनके पास पहले से पक्के मकान मौजूद थे।

दो मंजिला मकान, फिर भी सरकारी आवास?

सबसे गंभीर आरोप यह है कि कुछ कथित लाभार्थियों के पास पहले से पक्के मकान होने के बावजूद उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दे दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि कुछ मामलों में तो दो मंजिला मकान तक मौजूद हैं, इसके बावजूद सरकारी धन से आवास निर्माण कराया गया।

यदि ये आरोप जांच में सही साबित होते हैं तो सवाल केवल एक आवास के गलत आवंटन का नहीं, बल्कि सरकारी योजना की पात्रता जांच और सत्यापन व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी खड़ा होगा।

खानपुर में दो मंजिला मकान की मालकिन को आवास देने का आरोप शिकायत में ग्राम पंचायत खानपुर का मामला भी उठाया गया है। आरोप है कि यहां दो मंजिला मकान की मालकिन को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया। शिकायतकर्ता ने इस मामले की मौके पर जांच कराकर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक किए जाने की मांग की है।

नसीरपुर में आधार संशोधन को लेकर भी सवाल

ग्राम पंचायत नसीरपुर में बुजुर्ग महिला तारावती पत्नी स्व. शत्रुहन के मामले को लेकर भी शिकायत में गंभीर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि पक्का मकान मौजूद होने के बावजूद आधार संबंधी विवरण में संशोधन कर उन्हें योजना का लाभ दिलाया गया।

यह आरोप कितना सच है, यह तो निष्पक्ष जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, लेकिन यदि दस्तावेजों और मौके की स्थिति में अंतर मिलता है तो यह सत्यापन प्रक्रिया की गंभीर अनियमितता का मामला बन सकता है।

सेमराकला में भी अपात्रों को लाभ पहुंचाने का आरोप

शिकायत का दायरा ग्राम पंचायत सेमराकला तक पहुंचता है, जहां भी कथित तौर पर अपात्र परिवारों को आवास योजना का लाभ दिए जाने और दो मंजिला मकानों पर सरकारी आवास निर्माण कराए जाने के आरोप लगाए गए हैं। दूसरी ओर शिकायतकर्ता का आरोप है कि क्षेत्र के कई दलित, गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार आज भी कच्चे अथवा जर्जर मकानों में रहने को मजबूर हैं। ऐसे परिवारों को योजना का लाभ न मिलना सरकारी व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

गरीब की छत या प्रभावशाली लोगों का खेल?

मुख्यमंत्री आवास योजना का मूल उद्देश्य ऐसे परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराना है, जो वास्तव में आवासविहीन अथवा अत्यंत जर्जर आवास में जीवन गुजार रहे हैं। ऐसे में यदि पहले से पक्के अथवा दो मंजिला मकान रखने वाले लोगों को योजना का लाभ मिला और वास्तविक गरीब सूची से बाहर कर दिए गए, तो यह व्यवस्था की संवेदनहीनता के साथ-साथ गरीबों के हक पर कुठाराघात माना जाएगा।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि लाभार्थियों का स्थलीय सत्यापन हुआ था, तो पक्के और दो मंजिला मकान जिम्मेदारों की नजर से कैसे बच गए? क्या सत्यापन केवल कागजों पर किया गया या मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की पड़ताल हुई?

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद भी जांच क्यों नहीं? शिकायतकर्ता का कहना है कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत किए जाने के बाद भी नसीरपुर और खानपुर में अपेक्षित जांच नहीं हुई। इससे शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं।

अब सवाल जिला प्रशासन से है—

क्या शिकायत की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी? क्या लाभार्थियों के मकानों का मौके पर भौतिक सत्यापन होगा? क्या दस्तावेजों और जियो-टैग फोटो की जांच होगी? और यदि सरकारी धन गलत तरीके से जारी हुआ है तो उसकी रिकवरी कब होगी? जांच हुई तो खुल सकता है आवास योजना का पूरा खेल शिकायतकर्ता ने पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच, अपात्र लाभार्थियों से सरकारी धन की रिकवरी तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि अथवा अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कठोर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। लेकिन शिकायत में उठाए गए सवाल इतने गंभीर हैं कि उन्हें महज कागजी शिकायत मानकर दबा देना उचित नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि जांच अधिकारी मौके पर जाकर मकानों की वास्तविक स्थिति, लाभार्थियों की पात्रता, दस्तावेज, भुगतान विवरण और सत्यापन रिकॉर्ड की गहन जांच करें।

अब असली परीक्षा जिला प्रशासन की है। यदि आरोप बेबुनियाद हैं तो जांच से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा, लेकिन यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही निकले तो मुख्यमंत्री आवास योजना में गरीबों के नाम पर चल रहे कथित खेल के जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय करना प्रशासन की जवाबदेही होगी। गरीब के सिर पर छत के लिए बनी योजना में यदि अपात्रों की छत मजबूत और पात्रों की झोपड़ी कमजोर मिलती है, तो यह सिर्फ भ्रष्टाचार का आरोप नहीं—पूरी व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद भी नसीरपुर-खानपुर में जांच की रफ्तार सुस्त, फर्जी सत्यापन से अपात्रों को लाभ और पात्र गरीबों को दरकिनार करने के आरोप दो मंजिला मकानों पर आवास लाभ का दावा शिकायतकर्ता ने रिकवरी के साथ दोषियों पर कठोर कार्रवाई की उठाई मांग

सकरन/सीतापुर। गरीबों को पक्की छत देने के लिए संचालित मुख्यमंत्री आवास योजना पर विकास खंड सकरन में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम पंचायत नसीरपुर, खानपुर और सेमराकला में योजना के लाभार्थियों के चयन एवं सत्यापन को लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद जांच की कार्रवाई को लेकर शिकायतकर्ता ने सवाल उठाए हैं। आरोप है कि जिम्मेदारों की कथित मिलीभगत से अपात्रों को सरकारी आवास का लाभ पहुंचाया गया, जबकि वास्तविक जरूरतमंद गरीब परिवार योजना के लाभ से बाहर कर दिए गए।

महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरी जी महाराज का खैराबाद में भव्य स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अभिषेक गुप्ता ने पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर लिया आशीर्वाद

सीतापुर। खैराबाद के शांतिनगर स्थित बेबी अभिषेक गुप्ता अध्यक्ष नगरपालिका परिषद खैराबाद के आवास पर रविवार को पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरी जी महाराज के पधारने पर श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच महाराज जी का माल्यार्पण एवं पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया। महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरी जी महाराज सनातन धर्म के प्रतिष्ठित एवं प्रखर संत हैं तथा श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर हैं। उनके खैराबाद आगमन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर अभिषेक गुप्ता ने कहा कि पूज्य महाराज जी के चरणों की रज शांतिनगर स्थित उनके आवास पर पड़ी, यह उनके और उनके पूरे परिवार के लिए अत्यंत सौभाग्य और गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि संतों का सानिध्य एवं आशीर्वाद जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान करता है। महाराज जी के स्वागत के दौरान महंत बजरंग मुनि महाराज, आरएसएस विभाग प्रचारक अभिषेक, आलोक बाजपेयी, अप्पू गुप्ता, दिलीप जोशी, सुनील मौर्य,बलराम पांडेय,राजेश मिश्रा,कुलदीप जायसवाल, मुस्कान बाल्मीकि, गौरव गुप्ता, गौरव अग्रवाल,राजू रस्तोगी,रामजी गुप्ता, संदीप गुप्ता, दीपू गुप्ता सहित क्षेत्र की सैकड़ों महिलाएं एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

महाराज जी के आगमन पर शांतिनगर का माहौल भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओं ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

बाढ़ के पानी में उतर पड़े डीएम, पैंट चढ़ाई और ग्रामीणों के बीच पहुंचकर सुनी पीड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



ट्रैक्टर से रण्डौहा पहुंचे डीएम अंजनी कुमार सिंह, पैंट चढ़ाकर पानी में चले, प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता का भरोसा

लखीमपुर खीरी। रविवार को प्रशासनिक संवेदनशीलता और तत्परता का नजारा तहसील निघासन के ग्राम ग्रंट नंबर-12 के मजरा रण्डौहा में देखने को मिला। बाढ़ प्रभावितों का हाल जानने पहुंचे डीएम अंजनी कुमार सिंह ट्रैक्टर से गांव तक पहुंचे। इसके बाद ग्रामीणों तक पहुंचने के लिए रास्ते में भरे पानी की परवाह किए बिना पैंट ऊपर चढ़ाई और खुद पानी में उतरकर ग्रामीणों के बीच पहुंच गए। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी परेशानियां सुनीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। पानी में उतरकर जाना ग्रामीणों का हाल- डीएम ने ग्रामीणों से उनके कुशलक्षेम के साथ आवागमन, घरों और बाढ़ से उत्पन्न अन्य समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बच्चों से भी बातचीत की और उनकी स्थिति जानी। डीएम को अपने बीच पाकर ग्रामीणों ने भी खुलकर अपनी समस्याएं साझा कीं। डीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

तत्काल राहत के साथ स्थायी समाधान पर जोर- ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद डीएम ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान पर भूमि की तलाश की जाए। उन्होंने भूमि चिह्नित कर वहां आवास निर्माण के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के साथ उनकी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाए जाएं। 'कोई पात्र प्रभावित परिवार सहायता से वंचित न रहे' डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रभावित पात्र परिवारों को नियमानुसार अनुमन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र प्रभावित व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित नहीं रहना चाहिए। राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए जरूरत के अनुसार तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। 'सरकार और प्रशासन आपके साथ खड़ा है ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए डीएम ने कहा कि मा.मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में शासन और प्रशासन बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन भी पूरी संवेदनशीलता के साथ आपके साथ खड़ा है। उन्होंने ग्रामीणों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, राहत और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करना है। वापसी के दौरान डीएम ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए बच्चों की शिक्षा पर विशेष फोकस करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

बारकोट में फांसी के फंदे पर झूलता मिला शव

तिलोई अमेठी। थाना मोहनगंज क्षेत्र के गांव राजापुर मजरे बारकोट में एक युवक का शव फांसी के फंदे पर झूलता मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव राजापुर मजरे बारकोट निवासी राकेश कुमार वर्मा पुत्र जगदीश वर्मा उम्र छत्तीस वर्ष का शव रविवार की सुबह उसके घर के कमरे में लगी बल्ली से दुपट्टे के सहारे लटकता मिला। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों समेत गांव के लोगों में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवा कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही तस्वीर साफ होगी।

राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल बाबू जी को ग्राम रामा भारी के वंदेमातर कवयित्री सम्मेलन में अर्पित की गई श्रद्धांजलि

कैनविज टाइम्स संवाददाता



काव्य सरोवर में अनेकानेक कवि कमल खिलाने वाला सूर्य असमय अस्त - राष्ट्रीय मंत्री कमलेश मौर्य मृदु

बिसवां -सीतापुर । राष्ट्रीय कवि संगम के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल परमार्थी बाबूजी को ग्राम रामा भारी में आयोजित वंदेमातरम् कवयित्री सम्मेलन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रीय मंत्री साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा काव्य सरोवर में अनेकानेक कवि कमल खिलाने वाला सूर्य असमय अस्त हो गया। बाबू जी कुशल संगठक उदारमना व्यक्ति कवियों के अभिभावक संरक्षक व मार्गदर्शक थे। जिलाध्यक्ष आनंद खत्री ने उनके इस आकस्मिक निधन को साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति बताया। जिला उपाध्यक्ष अरुण वर्मा गंवार ने कहा उनका आकस्मिक निधन हम सब कविगणों के लिए वज्राघात की तरह है। इस अवसर पर उपस्थित सभी कवि , कवयित्रियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि से पूर्व वंदेमातरम् कवयित्री सम्मेलन संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता लखनऊ से पधारीं वरिष्ठ कवयित्री छाया त्यागी ने की। संचालन बाराबंकी से पधारीं लता श्रीवास्तव ने किया। कवयित्री सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा व भाजपा मंडल अध्यक्ष मधुकांत मौर्य द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। लखनऊ से आईं डा. सुमन सुरभि ने मां वीणा पाणि की वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर कासगंज की कवयित्री डा. दीप्ति दीप का नागरिक अभिनंदन किया गया। उन्हे मुख्य अतिथि द्वारा अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त नीतू गुप्ता गयावी-विहार, सरोज सरगम - पीलीभीत, डा. ममता परिहार - बलरामपुर , डा. रेनू सिंह - आजमगढ,पं. विजयलक्ष्मी - लखनऊ कु. दिव्या वर्मा विद्यार्थी, विंदु प्रभा व पिंकी अरविन्द प्रजापति ने काव्य पाठ कर उपस्थित जनों को भाव विभोर कर दिया। इसके पूर्व संपन्न श्रीकृष्ण रुप सज्जा प्रतियोगिता में 58 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इनमें से टाप टेन में चयनित हार्दिक, दर्शन, दिव्यांश, अभिनव, आरुष, सृष्टि, अभय, अविषी व कृतिका को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता पुरस्कार प्रदान किया गया। यह समस्त कार्यक्रम राष्ट्रीय कवि संगम सीतापुर, बाबा छोटेलाल लक्ष्मी देवी सेवा समिति रामाभारी, श्रीराम-जानकी मंदिर ट्रस्ट रामा भारी व मृदु अवधी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुए। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता बाबू बृजेश नारायण गुप्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड संघचालक बलराम सिंह वर्मा, प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डा. राकेश, प्रगतिशील कृषक रामगोपाल वर्मा, ग्राम प्रधान अरबाब अहमद, मृदु अवधी संस्थान के संयोजक भानु प्रताप मौर्य अंश, गीतकार संजय सांवरा, अधिवक्ता कमलेंद्र बाजपेई, ओमप्रकाश वर्मा, डा. लतीफ अहमद , राघवेन्द्र प्रताप वर्मा, खुशीराम मौर्य सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। समारोह की सफलता में बाबा छोटेलाल बाल विद्यालय के प्रधानाध्यापक अश्विनी कुमार श्रीवास्तव, ट्रस्ट के अध्यक्ष रामनरेश पुजारी, उपाध्यक्ष अनिल मौर्य, सचिव रमेश चन्द्र मौर्य मुन्ना, कोषाध्यक्ष अजय जायसवाल, दीपू चौहान व रितिक मौर्य की सक्रियता उल्लेखनीय है। संयोजक कमलेश मौर्य मृदु ने सभी का स्वागत किया तथा आनंद खत्री ने आभार प्रकट किया।



स्टडी प्वाइंट इंटर कॉलेज की 94 छात्राओं ने किया सीतापुर जेल का शैक्षणिक भ्रमण

खैराबाद कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्टडी प्वाइंट इंटर कॉलेज की 94 छात्राओं ने सीतापुर जेल का शैक्षणिक यात्रा की ।यात्रा का संचालन कॉलेज के प्रबंधक आमिर रिजवी के निर्देशानुसार कॉलेज के प्रशासक अशोक प्रजापति ने किया।प्रधानाचार्य अमिय किरन अवस्थी,उप प्रधानाचार्य के बी श्रीवास्तव,अरविंद श्रीवास्तव,रेहान खान ,जीनत मेम एवं निलय मिश्रा जी का विशेष मार्गदर्शन एवं योगदान प्राप्त हुआ।

कृष्ण जन्मोत्सव से भक्ति मय हुआ महोली कोतवाली परिसर



सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। महोली कोतवाली परिसर शनिवार रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर भक्ति और उल्लास से सराबोर नजर आया।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जंग बहादुर पांडेय के आयोजन में जन्माष्टमी का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि महोली विधायक शशांक त्रिवेदी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जन्मोत्सव को लेकर पूरे कोतवाली परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।आगंतुकों के लिए सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए। दूर-दराज के जिलों से आए कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी मनोहारी झांकियां प्रस्तुत कीं। भजनों और धार्मिक प्रस्तुतियों ने देर रात तक श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किए रखा। कोतवाली प्रभारी जंग बहादुर पाण्डेय ने भी भजन प्रस्तुत कर समां बांध दिया।

कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी नागेंद्र कुमार चौबे, मैगलगंज प्रभारी निरीक्षक संजीव सिंह पिसावां प्रभारी निरीक्षक प्रभात कुमार,जिला पंचायत सदस्य मनोज मिश्र,राघवेंद्र रस्तोगी रामू, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू,समेत नगर पंचायत महोली के सभासद, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, कोटेदार, यूट्यूबर और बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

आयोजको की ओर से

श्रृद्धालुओं के लिए प्रसाद के साथ भोजन की भी व्यवस्था की गई। रविवार सुबह करीब पांच बजे फूलों की होली के साथ जन्मोत्सव कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने आयोजन की भव्यता और व्यवस्थाओं की सराहना की।

दबंगई या पुलिसगिरी? महिला को 'गोली मारने' की धमकी और हिरासत में गाली-गलौज के आरोपों से घिरे गौरीफंटा कोतवाल पर क्यों नहीं हुई कार्रवाई?

लखीमपुर खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। गौरीफंटा कोतवाली के प्रभारी को लेकर सामने आए कथित विवादों ने एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि कोतवाली प्रभारी के खिलाफ पूर्व में गंभीर शिकायतें सामने आने के बावजूद अब तक कोई ऐसी ठोस विभागीय कार्रवाई सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई, जिससे शिकायतकर्ताओं को संतोष हो सके। मामला इसलिए भी गंभीर बताया जा रहा है क्योंकि आरोप सीधे तौर पर हिरासत में लिए गए व्यक्ति से कथित अभद्रता और गाली-गलौज तथा एक महिला को कथित रूप से 'गोली मारने' की धमकी से जुड़े हैं।

हिरासत में व्यक्ति से कथित गाली-गलौज का मामला

पूर्व में सामने आए एक प्रकरण को लेकर आरोप लगाया गया था कि किसी मामले में हिरासत में लिए गए व्यक्ति के साथ कोतवाली प्रभारी के कार्यालय में कथित तौर पर अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई।

आरोपों के मुताबिक, कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई किए जाने के बजाय व्यक्ति के साथ कथित रूप से अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह पुलिस हिरासत में व्यवहार और पुलिस आचरण से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है। हालांकि, इस पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है।

चारा लेने गए ग्रामीण पर मगरमच्छ का हमला, मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता



निघासन के करदहिया गांव में घटना, घायल ग्रामीण का सीएचसी में कराया गया उपचार

निघासन खीरी। रविवार को निघासन क्षेत्र के ग्राम करदहिया में उस समय हड़कंप मच गया, जब चारा लेने गए एक ग्रामीण पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में ग्रामीण घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सूरज प्रसाद पुत्र मंगू चारा लेने के लिए गए थे। इसी दौरान वहां मौजूद मगरमच्छ ने उन पर हमला कर दिया। हमले से ग्रामीण के घायल होने के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना पाकर वन विभाग की टीम और 112 पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घायल सूरज प्रसाद को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी निघासन ले जाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका इलाज किया गया। मगरमच्छ की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों को आशंका है कि क्षेत्र में मगरमच्छ की मौजूदगी के कारण खेतों और आसपास के इलाकों में जाने वाले लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। वन विभाग की टीम द्वारा मौके पर निगरानी की जा रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में लगातार गश्त बढ़ाने और मगरमच्छ की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। फिलहाल घायल ग्रामीण का उपचार जारी है और वन विभाग की टीम पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

सोहरिया में झोलाछाप डॉक्टरों के आरोपों से मचा हड़कंप, स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बार-बार शिकायतों और खबरों के बावजूद कथित अवैध क्लीनिकों पर कार्रवाई क्यों नहीं ग्रामीणों ने जांच और सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

लखीमपुर खीरी। रमियाबेहड़ विकासखंड के ढखेरवा चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोहरिया में कथित रूप से संचालित हो रहे अवैध क्लीनिकों और मेडिकल स्टोरों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि गांव में बिना वैध चिकित्सकीय योग्यता, पंजीकरण और आवश्यक मानकों के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। आरोप है कि कुछ कथित झोलाछाप संचालकों द्वारा सामान्य बीमारी से लेकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं तक का इलाज किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे लोगों के पास इलाज करने की वैध योग्यता और आवश्यक दस्तावेज हैं या नहीं, इसकी निष्पक्ष जांच स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराया जाना बेहद जरूरी है। स्थानीय लोगों की ओर से यह भी आरोप लगाए गए हैं कि कुछ मेडिकल प्रतिष्ठानों पर दवाओं की बिक्री में नियमों की अनदेखी की जा रही है। एक्सपायरी या संदिग्ध दवाओं की बिक्री के आरोप भी सामने आए हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं तो मामला बेहद गंभीर हो सकता है, क्योंकि गलत अथवा एक्सपायरी दवाओं का सेवन मरीजों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। ऐसे में दवा दुकानों के लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर, बिलिंग रिकॉर्ड और दवाओं की एक्सपायरी डेट की जांच आवश्यक है। सबसे बड़ा सवाल अब स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था को लेकर खड़ा हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि गांव में बिना मानकों के चिकित्सा गतिविधियां संचालित हो रही हैं तो संबंधित विभाग को निरीक्षण कर दस्तावेजों की जांच करनी चाहिए। लोगों का सवाल है कि क्या स्वास्थ्य विभाग के पास सोहरिया क्षेत्र में संचालित क्लीनिकों और मेडिकल स्टोरों की पूरी जानकारी है? क्या इन प्रतिष्ठानों का पंजीकरण और लाइसेंस वैध है? और यदि कोई अनियमितता मिलती है तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? हालांकि स्वास्थ्य विभाग या पुलिस की ओर से इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना अभी बाकी है। इसलिए प्रशासनिक जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि सोहरिया में संचालित सभी संदिग्ध क्लीनिकों और मेडिकल स्टोरों का अचानक निरीक्षण कराया जाए। चिकित्सकीय योग्यता, क्लीनिक का पंजीकरण, दवा बिक्री का लाइसेंस, दवाओं का स्टॉक, एक्सपायरी डेट और मरीजों के उपचार से संबंधित अभिलेखों की जांच की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में नियमों का उल्लंघन मिलता है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

श्रीराम कथा के कार्ड अक्षत के साथ डोर टू डोर वितरित किये जायेंगे : मयंकेश्वर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । आरबीएस इण्टर कालेज तिलोई के प्रांगण में आगामी एक अक्टूबर से होने वाली श्रीराम कथा को सफल बनाने के लिये रविवार को ब्लाक सभागार तिलोई में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें राज्यमंत्री द्वारा आयोजन समिति के पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया। श्रीराम कथा का आमंत्रण पत्र तिलोई विधानसभा क्षेत्र के घर घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई और श्रीराम कथा में प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों विधायकों के साथ ही नेतागण भी शामिल होंगे।बताते चलें कि कस्बा तिलोई स्थित आरबीएस इण्टर कालेज के प्रांगण में श्रीराम कथा आगामी एक अक्टूबर से नौ अक्टूबर तक आयोजित की गई जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शान्तनु जी महाराज द्वारा नियमित सायं पाली में छह बजे से नौ बजे तक श्रीराम कथा का रसपान कराया जायेगा और दस अक्टूबर को शौर्य गाथा के उपरांत दो



बजे से विशाल भण्डारा होगा।श्रीराम कथा का यजमान रमई की ग्राम प्रधान अंकिता सिंह पत्नी बबलू सिंह को नामित किया गया है।श्रीराम कथा के आयोजक प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य राज्यमंत्री व क्षेत्रीय विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने बताया कि संरक्षक, स्वागतकर्ता, मंच संचालक, मंच व्यवस्था, धन संग्रह, प्रचार प्रसार, प्रसाद व्यवस्था, भंडारा, मीडिया, क्रय के साथ ही पार्किंग प्रमुख के पद पर कार्यकर्ताओं को नामित किया गया है।उन्होंने बताया कि तिलोई विधान सभा क्षेत्र के करीब इक्यावन हजार परिवारों तक आमंत्रण पत्र भेजवाने के लिये आयोजन समिति के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।उन्होंने बताया कि श्रीराम कथा में प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों, विधायकों के साथ प्रदेश स्तर के नेता भी शामिल होंगे। श्रीराम कथा आयोजन समिति की बैठक के उपरांत समरसता भोज आयोजित किया गया।कार्यक्रम का संचालन धर्मेश मिश्रा ने किया।इस मौके पर कुंवर मृगांकेश्वर शरण सिंह,ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, सिंहपुर के ब्लाक प्रमुख अंकित पासी, राजेन्द्र बहादुर सिंह, मनीष सिंह,रमेश सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह,सिद्धार्थ सिंह राठौर,अखण्ड प्रताप सिंह, शिवाकांत अवस्थी, प्रमोद त्रिपाठी, वीरेन्द्र तिवारी, दिनेश सिंह राठौर,भास्कर सिंह, सियाराम दत्त मिश्रा, आशीष मिश्रा, राजेश पाण्डेय, सत्य नारायण सिंह, गौरव श्रीवास्तव, कौशलेंद्र सिंह, अनोखे लाल सोनकर, पंकज अवस्थी, प्रदीप सिंह, हेमंत प्रताप सिंह,नवीन श्रीवास्तव, मिंटू सिंह,धनंजय तिवारी, सुरेश सिंह, शिरीष गुप्ता, दिग्विजय सिंह,सुरेन्द्र पासी, ध्रुवराज पासी, गुडडू सिंह सहित अन्य तमाम ग्राम प्रधान व सम्भ्रांत नागरिकों के साथ आयोजन समिति के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

करंट का कहर: डाल उठाने पहुंचे बेटे को लगा करंट, बचाने दौड़े पिता भी झुलसे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पिता-पुत्र की एक साथ दर्दनाक मौत से बेलवा बसहिया में मचा कोहराम

सकरन/सीतापुर। थाना सकरन क्षेत्र के बेलवा बसहिया गांव में रविवार दोपहर उस समय चीख-पुकार मच गई, जब बिजली की एलटी लाइन की चपेट में आने से पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। देखते ही देखते खुशियों से भरा परिवार मातम में बदल गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के मुताबिक गांव निवासी पीयूष मिश्रा (17) के घर के सामने पाकड़ के पेड़ के पास से एलटी विद्युत लाइन गुजर रही है। रविवार दोपहर करीब 12 बजे पेड़ पर चढ़े बंदर के कारण एक डाल टूटकर नीचे गिर गई और बिजली की लाइन पर जा गिरी। बताया गया कि गिरी हुई डाल को हटाने के लिए पीयूष वहां पहुंचा था। इसी दौरान वह विद्युत लाइन की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। बेटे को करंट से तड़पता देख पिता जितेश मिश्रा (56) उसे बचाने दौड़े, लेकिन दुर्भाग्य से वह भी विद्युत प्रवाह की चपेट में आ गए।

बचाने की कोशिश में पिता भी मौत के मुंह में समाए परिजनों और ग्रामीणों ने आनन-फानन में दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सकरन पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों की इस घोषणा के साथ ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। एक ही हादसे में पिता और पुत्र की मौत की खबर फैलते ही बेलवा बसहिया में मातम छा गया। परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो उठा।

दो भाइयों में छोटा था पीयूष, पिता के साथ करता था पूजा-पाठ में मदद बताया जा रहा है कि पीयूष दो भाइयों में छोटा था। वह धार्मिक आयोजनों में पूजा-पाठ के दौरान अपने पिता की मदद करता था। वहीं जितेश मिश्रा खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। पिता-पुत्र की एक साथ मौत ने परिवार की कमर तोड़ दी है। मां और बड़े भाई का रो-रोकर बुरा हाल है।

आबादी के बीच गुजर रही बिजली लाइन पर उठे सवाल

हादसे के बाद ग्रामीणों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी भी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि आबादी के बीच से गुजर रही जर्जर एलटी लाइनों की हालत को लेकर समय-समय पर चिंता जताई जाती रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आबादी के ऊपर से गुजर रही जर्जर एवं जोखिमपूर्ण विद्युत लाइनों का तत्काल निरीक्षण कर उन्हें सुरक्षित कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ग्रामीणों ने मृतक परिवार को सरकारी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

घटना की सूचना मिलते ही सकरन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय सीतापुर भेज दिया। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अब सवाल यह है कि आबादी के बीच गुजर रही विद्युत लाइनों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार विभाग कब जागेगा? रविवार का हादसा एक परिवार के दो सदस्यों को हमेशा के लिए छीन गया। ग्रामीणों की मांग है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए विद्युत लाइन की स्थिति की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए और प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए

बल्दीराय में सरकारी भवनों का संकट, किराए के जर्जर भवनों के सहारे चल रहे कई विभाग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। तहसील मुख्यालय बल्दीराय के अस्तित्व में आने के वर्षों बाद भी कई महत्वपूर्ण सरकारी विभागों को अपना स्थायी भवन नसीब नहीं हो सका है। कई कार्यालय आज भी किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं, जबकि कुछ विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को भी किराए के भवनों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर कुछ सरकारी भवन बनकर तैयार हैं, लेकिन उनका संचालन अब तक शुरू नहीं हो सका है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि बार-बार मांग के बावजूद संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों की ओर से इस दिशा में ठोस पहल नहीं की गई। विद्युत विभाग का भवन जर्जर, किराए के भवन में का कार्यालय बल्दीराय क्षेत्र में विद्युत विभाग का कार्यालय लंबे समय से किराए के भवन में संचालित हो रहा है। भवन की स्थिति जर्जर है। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी स्थायी आवास की व्यवस्था नहीं है और उन्हें किराए के भवनों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि विभागीय भवन और आवास निर्माण की मांग कई बार उठाई गई, लेकिन अभी तक निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। लोगों ने शासन और विभागीय अधिकारियों से स्थायी कार्यालय एवं आवास निर्माण के लिए बजट स्वीकृत कर जल्द कार्य शुरू कराने की मांग की है। भवन तैयार, फिर भी 10 किमी दूर चल रहा सीओ कार्यालय बिंदेश्वरीगंज बाजार में पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय एवं आवास का भवन बनकर तैयार हो चुका है। इसके बावजूद पुलिस क्षेत्राधिकारी का कार्यालय तहसील मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर वलीपुर बाजार में संचालित हो रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब तहसील मुख्यालय के समीप कार्यालय एवं आवास का निर्माण पूरा हो चुका है तो उसका संचालन भी जल्द शुरू कराया जाना चाहिए। नए भवन में कार्यालय शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को पुलिस संबंधी कार्यों के लिए सुविधा मिलेगी और तहसील मुख्यालय पर प्रशासनिक गतिविधियों में भी समन्वय बेहतर होगा।

इंदिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय की प्रधाना प्राचार्य की अध्यक्षता में विज्ञान विभाग द्वारा 1 से 7 सितंबर तक आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। इंदिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय की प्रधाना प्राचार्य डॉ प्रीति तिवारी की अध्यक्षता में विज्ञान विभाग द्वारा 1 से 7 सितंबर तक आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर क्विज एवं पोस्टर प्रतियोगिता का उत्साह पूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में संतुलित आहार पोषण स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा उनकी रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना क्विज प्रतियोगिता में छात्राओं ने पोषण स्वास्थ्य भोजन एवं पोषक तत्वों से संबंधित प्रश्नों में उत्साह पूर्वक प्रतिभा प्रतिभा किया। वही पोस्ट प्रतियोगिता में छात्राओं ने संतुलित आहार स्वस्थ भोजन एवं पोषण जागरूकता जैसे विषय पर आकर्षक एवं संदेश पराग पोस्टर तैयार किए हुए प्रतियोगिता में ईशा कश्यप ने



राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर क्विज एवं पोस्टर प्रतियोगिता

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में संतुलित आहार पोषण स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना

प्रथम स्थान श्रेया पटेल ने तृतीय स्थान तथा राम शुक्ला ने तृतीय स्थान तथा श्रेया पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रीति तिवारी ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए पोषण संबंधी जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को पोषण एवं स्वास्थ्य के संदेश को समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ प्रीति ने महत्वपूर्ण की भूमिका की। डॉ ज्योति ने कहा कि पोषण केवल स्वस्थ शरीर के लिए नहीं बल्कि स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण की आधारित आधारशिला है। उन्होंने छात्राओं को अपने दैनिक जीवन में संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपने तथा परिवार एवं समाज में भी पोषण जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार शिखा मौर्य डॉ राम दर्शन, डॉ रिचा सिंह, प्रियंका,गौसिया नायाब, डॉ सारिका सिंह, डॉ स्नेहा सिंह,डॉ सलोनी भसीन, डॉ सोनी, मां जायसवाल, गायत्री मिश्रा, सविता सिंह सहित मौजूद रहे।

दबंगई या पुलिसगिरी महिला को 'गोली मारने' की धमकी और हिरासत में गाली-गलौज के आरोपों से घिरे गौरीफंटा कोतवाल पर क्यों नहीं हुई कार्रवाई

लखीमपुर खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। गौरीफंटा कोतवाली के प्रभारी को लेकर सामने आए कथित विवादों ने एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि कोतवाली प्रभारी के खिलाफ पूर्व में गंभीर शिकायतें सामने आने के बावजूद अब तक कोई ऐसी ठोस विभागीय कार्रवाई सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई, जिससे शिकायतकर्ताओं को संतोष हो सके। मामला इसलिए भी गंभीर बताया जा रहा है क्योंकि आरोप सीधे तौर पर हिरासत में लिए गए व्यक्ति से कथित अभद्रता और गाली-गलौज तथा एक महिला को कथित रूप से 'गोली मारने' की धमकी से जुड़े हैं। पूर्व में सामने आए एक प्रकरण को लेकर आरोप लगाया गया था कि किसी मामले में हिरासत में लिए गए व्यक्ति के साथ कोतवाली प्रभारी के कार्यालय में कथित तौर पर अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई। आरोपों के मुताबिक, कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई किए जाने के बजाय व्यक्ति के साथ कथित रूप से अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह पुलिस हिरासत में व्यवहार और पुलिस आचरण से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है। हालांकि, इस पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है महिला को 'गोली मारने' की धमकी का सनसनीखेज आरोप गौरीफंटा कोतवाली प्रभारी पर इससे पहले एक महिला द्वारा कथित तौर पर गोली मारने की धमकी देने का आरोप लगाए जाने की बात भी सामने आई थी। महिला की शिकायत के बाद मामले को लेकर क्या विभागीय जांच हुई, क्या बयान दर्ज किए गए और जांच का निष्कर्ष क्या रहा—इन सवालों का स्पष्ट जवाब सार्वजनिक होना अभी बाकी है। महिला द्वारा लगाए गए इस तरह के गंभीर आरोपों को देखते हुए निष्पक्ष जांच की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। एक के बाद एक आरोप, फिर भी कार्रवाई क्यों नहीं? अब सबसे बड़ा सवाल पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की भूमिका को लेकर उठ रहा है। यदि लगाए गए आरोप निराधार हैं तो निष्पक्ष जांच कर शिकायतों को खारिज किए जाने की स्थिति सार्वजनिक क्यों नहीं की जाती? और यदि जांच में आरोप सही पाए गए हैं तो अब तक विभागीय कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यही सवाल स्थानीय लोगों और शिकायतकर्ताओं के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस विभाग के आला अधिकारियों से मांग उठ रही है कि पूरे मामले की किसी वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराई जाए। संबंधित शिकायतों, पुलिस रिकॉर्ड, उपलब्ध साक्ष्यों और यदि कोई वीडियो/ऑडियो या अन्य प्रमाण मौजूद हों तो उनकी भी जांच की जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि पूर्व में लगाए गए आरोपों पर विभागीय स्तर पर क्या कार्रवाई की गई थी। पुलिस पर जनता की सुरक्षा और कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी होती है। ऐसे में यदि किसी पुलिस अधिकारी पर ही धमकी, अभद्रता या हिरासत में दुर्व्यवहार जैसे आरोप लगते हैं तो मामला महज एक व्यक्ति की शिकायत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पुलिस की जवाबदेही और जनता के विश्वास से जुड़ जाता है। गौरीफंटा प्रकरण में अब निगाहें लखीमपुर खीरी पुलिस के आला अधिकारियों पर हैं कि इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है या मामला एक बार फिर फाइलों में दबकर रह जाता है।

जन्मदिन पर वृद्धाश्रम पहुंचे अमरेंद्र सिंह 'पिंटू', बुजुर्गों का लिया आशीर्वाद



कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। अपने जन्मदिन के अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता अमरेंद्र सिंह 'पिंटू' ने गौरीगंज स्थित वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम) पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वृद्धजनों के साथ समय बिताया तथा उनका कुशलक्षेम जाना।

कार्यक्रम के दौरान अमरेंद्र सिंह ने सभी बुजुर्गों को भोजन कराया और अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया। उन्होंने बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए कहा कि समाज के वरिष्ठ नागरिकों का स्नेह और मार्गदर्शन जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। अमरेंद्र सिंह ने कहा कि जन्मदिन पर वृद्धजनों के बीच पहुंचकर उन्हें जो आत्मिक संतोष और खुशी मिली, वह उनके लिए सबसे बड़ा उपहार है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों की सेवा और सहयोग के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प भी दोहराया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के कर्मचारी व अन्य लोग भी मौजूद रहे।

रामलीला मैदान की इंटरलॉकिंग पर उठे सवाल, चंदे के उपयोग की जांच की मांग



कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। शहर के रामलीला मैदान में कराए गए इंटरलॉकिंग कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष महेश सोनी ने निर्माण कार्य की लागत, भुगतान प्रक्रिया और रामलीला के लिए जुटाए गए चंदे के उपयोग की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

महेश सोनी का आरोप है कि रामलीला आयोजन के लिए एकत्र चंदे से करीब 14 लाख रुपये की इंटरलॉकिंग कराई गई, जबकि इसकी वास्तविक लागत काफी कम है। उन्होंने सवाल उठाया कि चंदे की राशि का उपयोग सड़क निर्माण में क्यों किया गया और निर्माण कार्य की पूरी वित्तीय जानकारी सार्वजनिक की जाए। साथ ही रामलीला मैदान की बदहाल स्थिति और साफ-सफाई व्यवस्था पर भी नाराजगी जताई। वहीं, रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मैदान के विकास के लिए इंटरलॉकिंग कार्य कमेटी के सभी सदस्यों की सहमति से कराया गया है। उनका कहना है कि यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया गया था और इसका उद्देश्य मैदान की सुविधाओं को बेहतर बनाना था।

16 साल बाद भी गौरीगंज को नहीं मिला बस अड्डा, सड़क किनारे इंतजार को मजबूर यात्री

गौरीगंज/अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला मुख्यालय बने 16 वर्ष बीत जाने के बाद भी गौरीगंज में बस अड्डे का निर्माण नहीं हो सका है। बांदा-टांडा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क किनारे लगे बस स्टॉप बोर्ड के सहारे ही रोडवेज बसों का संचालन हो रहा है। यात्रियों को बसों का इंतजार खुले में करना पड़ता है। बस स्टॉप पर प्रतीक्षालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। गर्मी और बारिश के दौरान यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिला मुख्यालय होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने वर्षों बाद भी बस अड्डा न बनना चिंता का विषय है। उन्होंने जिला प्रशासन और परिवहन विभाग से आधुनिक सुविधाओं से युक्त बस अड्डे अथवा व्यवस्थित बस स्टॉप के निर्माण की मांग की है।

हर घर नल योजना के कार्य से सड़क बदहाल, ग्रामीणों ने समाधान दिवस में उठाई शिकायत

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। संग्रामपुर क्षेत्र के मिश्रौली बड़गांव गांव में हर घर नल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क की मरम्मत न होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को तहसील अमेठी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर सड़क की मरम्मत और जलभराव की समस्या के समाधान की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई थी, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद उसे मानक के अनुरूप दुरुस्त नहीं किया गया। बरसात के चलते सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, जिनमें पानी भरा रहता है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जर्जर सड़क और जलभराव के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कई स्थानों पर सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग की जिम्मेदारी तय कर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। समाधान दिवस में मौजूद अधिकारियों ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बंद घर में चोरी की वारदात, अलमारी-बक्से तोड़कर ले गए जेवर

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के श्री का पुरवा, टिकरी निवासी राज कुमार मिश्रा परिवार सहित 26 अगस्त को राखी बंधवाने दिल्ली गए थे। शनिवार दोपहर घर लौटने पर उन्होंने देखा कि बाहर का ताला सुरक्षित था, लेकिन अंदर कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी-बक्सों के ताले टूटे हुए थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चोर संभवतः छत के रास्ते घर में घुसा। घर से करीब चार-पांच तोला सोने के आभूषण, आधा किलो चांदी के सामान, एक कीमती घड़ी, इम्पोर्टेड व्हिस्की और 15 से 20 हजार रुपये नकद चोरी हुए हैं। उनका कहना है कि सामान का पूरा मिलान होने पर चोरी गई वस्तुओं की संख्या बढ़ सकती है। प्रभारी निरीक्षक अमेठी ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

एनएच-730 पर 'खतरे का खेल', प्रशासन की नजर के सामने बेखौफ अतिक्रमण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरसा चौराहा बना अवैध पार्किंग और कथित वसूली का अड्डा! दोनों पटरियों पर कब्जा, सड़क पर दौड़ती जिंदगी, नोटिस के बाद भी कार्रवाई नहीं

पूरनपुर। एक तरफ शासन सड़क सुरक्षा और सुगम यातायात को लेकर सख्ती के निर्देश दे रहा है, दूसरी तरफ पूरनपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-730 की पटरियां अतिक्रमणकारियों के कब्जे में हैं सिरसा चौराहा से घुंघचिहाई चौराहा और पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस तक हाईवे के दोनों किनारों पर फल के ठेले, अस्थायी दुकानें, अनधिकृत पार्किंग और बस-टैक्सियों का जमावड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है हालात ऐसे हैं कि पैदल निकलने के लिए जगह नहीं बची है और राहगीरों को मजबूरी में तेज रफ्तार वाहनों के बीच हाईवे पर चलना पड़ रहा है यह स्थिति किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है सवाल यह नहीं है कि दुर्घटना होगी या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि प्रशासन कार्रवाई से पहले हादसे का इंतजार क्यों कर रहा है? हाईवे की पटरी बनी 'पार्किंग', सड़क बनी राहगीरों का रास्ता- सिरसा चौराहा पर शाम होते ही हालात और बिगड़ जाते हैं हाईवे किनारे खड़ी बसें, टैक्सियां और अन्य वाहन सड़क की चौड़ाई को प्रभावित करते हैं दुकानों और फल के ठेलों के सामने ग्राहकों की भीड़ अलग से यातायात का दबाव बढ़ाती है पैदल चलने वालों के लिए निर्धारित जगह अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से उन्हें मुख्य सड़क पर उतरना पड़ता है इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक, बस और अन्य भारी वाहन गुजरते हैं ऐसे में जरा सी चूक किसी परिवार के लिए जिंदगी भर का दुख बन सकती है जाम में फंस सकती है जिंदगी की आखिरी उम्मीद- सिरसा चौराहा से घुंघचिहाई और खुटार रोड की ओर टेलीफोन एक्सचेंज की ओर तक शाम और रात में जाम जैसी स्थिति बनना आम बात बताई जा रही है स्थानीय लोगों के मुताबिक कई बार वाहनों की कतारें लंबी हो जाती हैं सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यदि इसी दौरान कोई एंबुलेंस, दमकल वाहन या अन्य आपातकालीन वाहन जाम में फंस जाए तो स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है ऐसे में सवाल है क्या किसी आपातकालीन वाहन के घंटों जाम में फंसने के बाद प्रशासन जागेगा? *दो नोटिस के बाद भी कब्जा कायम राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की जेई सुमनलता के अनुसार अतिक्रमणकारियों को दो नोटिस जारी किए जा चुके हैं अब अंतिम नोटिस के बाद नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही गई है विभाग के अनुसार हाईवे की पटरियों को पूरी तरह खाली कराया जाएगा और दोबारा कब्जा करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है जब अतिक्रमण दिखाई दे रहा है, शिकायतें हो चुकी हैं और दो नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं, तो कार्रवाई के लिए तीसरे नोटिस का इंतजार क्यों?क्या नोटिस जारी करना ही प्रशासन की जिम्मेदारी है या उसके बाद सड़क को कब्जामुक्त कराना भी उसी जिम्मेदारी का हिस्सा है? हाईवे पर कथित वसूली का वीडियो, फिर उठे सवाल- सिरसा चौराहा पर हाईवे किनारे काउंटर लगाकर वाहनों से कथित वसूली किए जाने का आरोप लगाता एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है वीडियो में कई प्राइवेट बसें हाईवे किनारे खड़ी दिखाई दे रही हैं वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि लखीमपुर,पलिया से दिल्ली, पंजाब, राजस्थान समेत विभिन्न शहरों से आने जाने वाली प्राइवेट बसों के एजेंट सिरसा चौराहा पर बैठते हैं और बसों में सवारी बैठाने के नाम पर कथित तौर पर वसूली की जाती है वीडियो में पुलिस प्रशासन की कथित मिलीभगत के सवाल भी उठाए गए हैं हालांकि वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है फिर भी वीडियो ने एक पुराना सवाल दोबारा जिंदा कर दिया है यदि हाईवे किनारे अवैध काउंटर और अनधिकृत पार्किंग है तो जिम्मेदार विभाग अब तक कार्रवाई क्यों नहीं कर सका? पहले हटे थे काउंटर, फिर कैसे लौट आया 'कब्जा' बताया जाता है कि पिछले वर्ष तत्कालीन पूरनपुर क्षेत्राधिकारी आलोक सिंह के कार्यकाल में हाईवे पर लगाए गए अवैध काउंटरों को हटवाया गया था और मामले में एफआईआर भी दर्ज हुई थी यदि उस समय कार्रवाई हुई थी तो फिर वही स्थिति दोबारा कैसे पैदा हो गई? क्या कार्रवाई के बाद निगरानी बंद हो गई या सरक्षण मिल गया क्या जिम्मेदार विभागों के बीच समन्वय की कमी है या फिर कार्रवाई के बाद दोबारा कब्जा करने वालों को रोकने के लिए कोई स्थायी व्यवस्था ही नहीं बनाई गई ? क्या किसी 'बड़े हाथ' का संरक्षण है? स्थानीय लोगों में यह चर्चा भी है कि हाईवे किनारे चल रही गतिविधियों को किसी प्रभावशाली व्यक्ति का संरक्षण प्राप्त हो सकता है कुछ लोगों ने सत्ताधारी दल के स्थानीय जनप्रतिनिधि के संरक्षण की आशंका भी जताई है लेकिन इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और जनप्रतिनिधि या उनके प्रतिनिधि की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है यही वजह है कि अब आरोपों से ज्यादा जरूरी निष्पक्ष जांच है यदि आरोप गलत हैं तो जांच से स्थिति स्पष्ट हो सकती है और यदि कोई अवैध संरक्षण सामने आता है तो जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है प्रशासन के सामने अब सिर्फ एक रास्ता- जवाबदेही एनएच-730 पर अतिक्रमण और अनधिकृत पार्किंग की समस्या किसी एक विभाग की नहीं है राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग, पुलिस, यातायात और स्थानीय प्रशासन सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है यदि हाईवे की पटरियां खाली नहीं कराई जातीं, अनधिकृत पार्किंग पर रोक नहीं लगती और बसों के खड़े होने की व्यवस्था नियंत्रित नहीं की जाती तो भविष्य में किसी गंभीर दुर्घटना की स्थिति से इनकार नहीं किया जा सकता अब सवाल कार्रवाई का नहीं, कार्रवाई की समय-सीमा का है क्या प्रशासन बताएगा कि अंतिम नोटिस कब जारी होगा?अतिक्रमण हटाने का अभियान कब चलेगा?

दो जोड़े जिंदगी भर साथ रहने को हुए राजी



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । परिवार परामर्श केंद्र की बैठक रविवार को पुलिस लाइन स्थित महिला थाना में हुई।पारिवा रिक विवादों को मुकदमेबाजी की ओर बढ़ने से पहले संवाद और समझौते के जरिए सुलझाने की दिशा में परिवार परामर्श केन्द्र (महिला सहायता प्रकोष्ठ) लगातार सक्रिय है। रविवार को केन्द्र में कुल 38 पत्रावलियों पर कार्रवाई की गई।इस दौ रान छह मामलों में दोनों पक्ष उपस्थित हुए,जिनमें से दो प्रकरणों में आपसी सहमति से सुलह-समझौ ता कराया गया।परामर्श के दौरान केन्द्र के सदस्यों ने दोनों पक्षों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और विवाद की मूल वजह को समझने के बाद आ पसी बातचीत के जरिए समाधान की राह निकाली दोनों पक्षों को भविष्य में आपसी सम्मान, सहयोग और सौहार्द बनाए रखने की सलाह दी गई,परिवार परामर्श केन्द्र की यह पहल ऐसे परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है,जहां छोटी-छोटी बातों से विवाद बढ़ कर रिश्तों में दरार पैदा कर देता है।केन्द्र का प्रया स है कि बातचीत के जरिए विवादों का समाधान कर परिवारों को टूटने से बचाया जाए।परिवार परा मर्श केन्द्र में सदस्य शशि कुमार भारती, राजमंगल मौर्या और यशोदा नंदन त्रिपाठी मौजूद रहे।वहीं प्र भारी निरीक्षक महिला थाना अनीता यादव,प्रतिभा सिंह (प्रभारी महिला सहायता प्रकोष्ठ)और महिला आरक्षी नितांशी शुक्ला ने भी मामलों की सुनवाई एवं परामर्श प्रक्रिया में सहयोग किया।

12 साल देश की सरहद पर डटे रहे लौटे तो गोंडा ने पलकों पर बिठाया



एनएसजी कमांडो रहे मेजर प्रभाकर देव सिंह के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

फूल-मालाओं और देशभक्ति गीतों के बीच स्टेशन से धानेपुर तक निकला दस किमी रोड शो

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । बारह साल तक भारतीय सेना में सेवा भारत चीन सीमा पर तैनाती,आतंकियों के खिलाफ कई अहम ऑपरेशन और ऑपरेशनसिंदूर में भागीदारी के बाद सेवानिवृत्त हुए मेजर प्रभाकर देव सिंह र विवार को अपने वतन गोंडा पहुंचे तो शहर ने उन का अभूतपूर्व स्वागत किया।सुबह करीब 11 बजे ट्रेन से गोंडा रेलवे स्टेशन पहुंचे मेजर के स्वागत के लिए हजारों लोग उमड़ पड़े।स्टेशन परिसर देश भ क्ति के नारों और गीतों से गूंज उठा।हाथों में फूल-मालाएं लिए लोगों ने देश की रक्षा करने वाले इस जांबाज को सम्मान दिया।मेजर प्रभाकर देव सिंह ने भारतीय सेना में 12 साल की सेवा के दौरान भारत-चीन सीमा पर जिम्मेदारी संभाली और आतं कियों के खिलाफ कई महत्वपूर्ण अभियानों में हि स्सा लिया। उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए उन्हें सेना मेडल से भी सम्मानित किया जा चुका है वह ऑपरेशन सिंदूर' में भी शामिल रहे।

ट्रेन से उतरते ही विधायक ने गोद में उठाया

मेजर प्रभाकर देव सिंह के ट्रेन से उतरते ही गोंडा सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने उन्हें गोद में उठा लिया।इस भावुक पल को देखकर स्टेशन पर मौजूद लोगों ने जोरदार तालियों और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया।विधायक ने मेजर की 12 साल की देश सेवा की सराहना करते हुए उन्हें ब धाई दी।स्वागत कार्यक्रम '' द वॉरियर सैनिक परि वार गोंडा' की ओर से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी भी मौजूद रहे।

खुली जीप में निकला दस किलोमीटर का रोड शो

स्टेशन पर स्वागत के बाद मेजर प्रभाकर देव सिंह खुली जीप में सवार हुए। इसके बाद गोंडा शहर से उनके पैतृक गांव धानेपुर तक करीब दस किलो मीटर लंबा रोड शो निकाला गया।रास्ते भर लोगों ने फूल बरसाकर और देशभक्ति के नारों के साथ उनका स्वागत किया। धानेपुर पहुंचने पर गांव में भी ग्रामीणों ने मेजर के सम्मान में भव्य स्वागत किया।

'जितेंद्र मिश्रा जिम्मेदारी पूरी क्षमता से निभाएंगे'

कार्यक्रम के दौरान मेजर प्रभाकर देव सिंह ने सीई ओ जितेंद्र मिश्रा की तैनाती को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी उन्होंने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है,उसे व ह पूरी क्षमता के साथ निभाएंगे।मेजर ने कहा कि जितेंद्र मिश्रा 'श्री-स्टार जनरल' हैं और उन्हें भरोसा है कि वह अपनी कमान बेहतर तरीके से संभालेंगे उन्होंने कहा कि सेना के जवानों के साथ आम जन ता को भी उनके नेतृत्व और कार्यक्षमता पर भरो सा है।

नेताओं से ज्यादा जवानों के आने पर खुश होते लोग'

सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने कहा कि देश सेवा करके लौटे मेजर प्रभाकर देव का स्वागत क रना उनके लिए गर्व की बात है।उनके अनुभव से गोंडा के युवाओं को देशसेवा की प्रेरणा मिलेगी।
उन्होंने कहा, ल्लआजकल लोग नेताओं से ज्यादा सेना के जवानों के आने पर खुश होते हैं और ऐसा होना भी चाहिए।जवान सीमाओं पर रहकर लगा तार देश की सेवा करते हैं।उन्हीं की वजह से देश वासी सुरक्षित हैं।विधायक ने कहा कि मेजर प्रभा कर देव के गोंडा आने की सूचना मिलते ही वह रे लवे स्टेशन पहुंच गए और उनकी देश सेवा के लि ए उन्हें बधाई दी।

सरयू नदी में डूबने से दो सगी बहनों की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में रविवार को सरयू नदी में डूबने से दो सगी बहनों की मौत हो गई।पुलिस ने यह जानका री दी।पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों और गो ताखोरों की मदद से दोनों के शव नदी से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गये। कर्नलगंज के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आनंद कुमार राय ने बताया कि परसपुर थाना क्षेत्र के राजापुर निवासी अरुण कुमार तिवारी की बेटियां सुप्रिया तिवारी 15 वर्ष और सुहानी तिवारी 09 वर्ष रविवार पूर्वाह्न करीब साढ़े दस बजे भौरीगंज स्थित रामजानकी मंदिर के पास सरयू नदी में मछ लियों को दाना डालने गई थीं।उन्होंने बताया कि नदी घाट की सीढ़ियों के पास बनी दीवार से पैर फिसलने के कारण दोनों बहनें नदी में गिर गईं औ र डूब गईं।अधिकारी ने बताया कि आसपास मौजू द लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।राय ने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों और गोताखो रों की मदद से दोनों बहनों को नदी से बाहर निक लवाया और इसके बाद एंबुलेंस से उन्हें परसपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां सीएचसी अधीक्षक डॉ.लवकेश शुक्ल ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।परसपुर के थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमा र्टम के लिए भेज दिया गया है।...राजस्व निरीक्षक अमरजीत सिंह और लेखपाल वासुदेव यादव ने ब ताया कि घटना की रिपोर्ट तैयार कर दैवीय आपदा के तहत सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला आपदा विभाग को भेज दी गई है।



सकरौरा ग्रामीण में दस क़ी जगह 67 की हजारी फ़ेस रेटिंना में चल रहा फर्जीवाड़ा

धरातल पर सिर्फ 8 से 10 श्रमिक और वह भी 5 सौ रूपये प्रतिदिन के ठेके पर...

अगस्तमुनि तालाब (कुंड) खुदाई के नाम पर चल रहा खेल,अधिकारियों ने बंद की आंखें!

वीबी- जी राम जी योजना में फर्जीवाड़ा कराने के मास्टर माइंड बताये जाते एपीओ और टीईए: सूत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । केंद्र सरकार ने भले ही महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारं टी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर भले ही अब विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार व आजीविका(वीबी-जीराम जी)कर दिया गया हो,लेकिन धरातल पर पुरानी जैसी बदइंतजा मी दिख रही है,गांव के गरीब मजदूरों को रोजगार देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने वीबी-जीराम जी योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजना शुरू की थी।सरकार इसे जन हित में ईमानदारी से चलाने के लिए लगातार प्रया सरत है,लेकिन ज़मीनी हकीक त कुछ और कहानी बयां कर रही है।ब्लॉक करनै लगंज क्री ग्राम पंचायत सकरौरा ग्रामीण में वीबी जी राम जी योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है,इन दिनों मोबाइल के ज़रिए श्रमिकों की फ़ेस हाजिरी दर्ज करने का चलन आम हो गया है।ग्राम पंचायतों में आय दिन ऐसे हथ कंडे अपनाए जा रहे हैं,जिनमें कागज़ पर काम होता है, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं ताजा मामला करनैलगंज सकरौरा ग्रामीण ग्रामसभा से जुडा हुआहै सकरौरा ग्रामीण में तैनात रोजगार सेवक और एपीओ इस योजना में फर्जीवाड़ा कराने में महारत हासिल कर रखी है, केंद्र सरकार ने नियम बदल कानून बदला लेकिन फर्जीवाड़ा करने वालों ने इसकी भी काठ निकाल ली है।यही नहीं एक समाजसेवी ने धरात ल पर मजदूरों की संख्या कम होने पर इसकी शि कायत की तो सकोरा ग्रामीण के कुछ जिम्मेदार लोगों ने कहां की मंदिर के कार्य में कुछ लोग विरो ध कर रहे हैं गांव के लोगों के बीच या बातें फैलाई जा रही हैं लेकिन सच्चाई तो कुछ और है प्रधान व रोजगार सेवक के ने वीबी जी रामजी योजना के साइड पर सिर्फ आठ से दस ही लोग कार्य करते हैं और कागज में 67 श्रमिकों की हाजिरी दर्ज हो र ही है।यह कोई नया मामला नहीं है इससे पहले भी अनेकों फर्जीवाडे की शिकायत डीसी मनरेगा से हो चुकी है,लेकिन कार्रवाई अभी तक शून्य ही रही है, इससे सकरौरा ग्रामीण गाँव के रोजगार सेवक का मनोबल भ्रष्टाचार में बढ़ता जा रहा और योगी सरकार में लूट हथकंडा अपनाता जारहा है,लेकिन ब्लॉक से लेकर जिले के अधिकारी कुम्भकर्णी के नींद में सोए हुए हैं। वही स्थानीय लोगो ने बताया कि यह कोई नई बात नहीं है।यहां तो रोज़ ही काग ज़ों पर काम होता है, असल में कुछ नहीं। जब भी शिकायत की जाती है,तो ब्लॉक स्तर से जांच होगी कह कर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।ऐसा प्रतीत होता है कि ऊपर से नीचे तक सब से टिंग गेटिंग का खेल चल रहा है,जिसमें जिम्मेदारों की मिलीभगत से गरीबों के नाम पर पैसा उड़ा या जा रहा है।अगर मामले की निष्पक्ष जांच हो जाए तो वीबी-जी राम-जी योजना के जिम्मेदार एपीओ और कई जिम्मेदार प्रतिनिधि और कर्मचारी कटघ रे में होंगे,..खैर देखना यह होगा की दूसरे मामलों की तरह जांच ठंडी रहेगी या भ्रष्टाचारियों के खि लाफ कोई कार्रवाई होगी।



क्या कहते हैं सीडीओ दयानंद प्रसाद

मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद का स्पष्ट कहना है कि वीबी-जी राम-जी जैसी जनहितकारी योजना में लापरवाही अथवा वित्तीय अनियमितता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता,पारदर्शिता एवं ग्रामीण जन विश्वास बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमि कताओं में शामिल है।ऐसे में लापरवाही एवं वित्ती य अनियमितता अस्वीकार है।दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांवड़ियों की राह में गड्ढों का रोड़ा, कजरीतीज से पहले सड़क दुरुस्त करने की चुनौती

पृथ्वीनाथ-आर्यनगर मार्ग बदहाल,बारिश में गड्ढों में भरा पानी, इसी रास्ते से गुजरेंगे लाखों श्रद्धालु



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । कजरीतीज पर्व पर लाखों श्रद्धालु सरयू नदी से जल लेकर पृथ्वीनाथ मंदिर में जलाभिषेक कर ने पहुंचेंगे,लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था के इस ब ड़े सफर की राह में जर्जर सड़क और गड्ढे बड़ी बा धा बनकर खड़े हैं।पृथ्वीनाथ-आर्यनगर मार्ग पर क ई स्थानों पर सड़क टूटकर गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है।बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और भी खतरनाक हो गई है।..इस मार्ग पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ पैदल रा हगीरों को भी आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है।सड़क पर जगह-जगह भरा पानी यह पता लगाना मुश्किल कर देता है कि कहां गड्ढा कितना गहरा है।ऐसे में कजरीतीज के दौरान जब इस मार्ग से बड़ीसंख्या में कांवड़िए गुजरेंगे,तो जलभराव,औ र टूटे रास्ते उनकी मुश्किल और बढ़ा सकते हैं।ग्रा मीणों का कहना है कि पर्व के दौरान मार्ग पर श्र द्धालुओं का दबाव कई गुना बढ़ जाता है।ऐसे में सड़क की मौजूदा हालत को देखते हुए समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो जाम के साथ हादसे का खत रा भी बना रहेगा।ग्रामीणों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से कजरीतीज से पहले सड़क को दुरुस्त कराने और जलभराव की समस्या का स्था यी समाधान कराने की मांग की है।लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता उपेंद्र सिंह ने बताया कि कजरीतीज त्योहार को देखते हुए शीघ्र ही सड़क को दुरुस्त कराया जाएगा।

जुगराजपुरवा में वन विभाग की कार्रवाई रंग लाई, पिंजरे में कैद हुई मादा तेंदुआ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

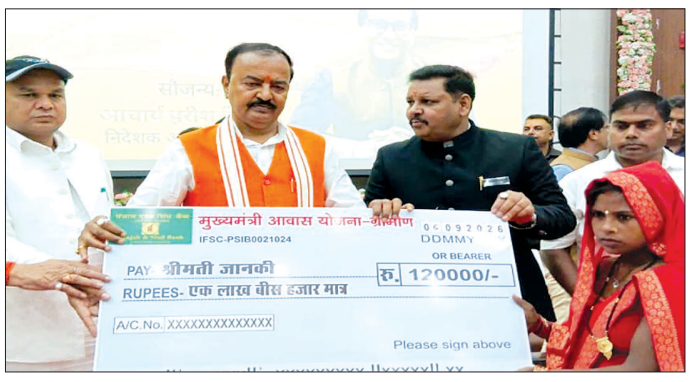
नानपारा, बहराइच। नानपारा वन रेंज के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवादा पूरेकस्बाती के मजरा जुगराजपुरवा में पिछले कई दिनों से ग्रामीणों के लिए दहशत का कारण बनी मादा तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गई। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। डीएफओ बहराइच के निर्देश पर वन विभाग की टीम ने गांव के पास पिंजरा लगाया था। रविवार सुबह करीब 5 बजे शिकार के लालच में मादा तेंदुआ पिंजरे में दाखिल हो गई, जिसके बाद वह उसमें कैद हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कई दिनों से तेंदुआ लगातार मवेशियों पर हमला कर रही थी, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। वन विभाग के अनुसार, पकड़ी गई मादा तेंदुआ की उम्र लगभग 3 से 4 वर्ष है। वन विभाग द्वारा तेंदुआ का पशु चिकित्सकों से स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। परीक्षण के बाद विभागीय प्रक्रिया के अनुसार उसे घने वन क्षेत्र में छोड़े जाने की बात कही गई है। तेंदुए को पकड़ने वाली वन विभाग की टीम में उप क्षेत्रीय वन अधिकारी अमित वर्मा, वन दरोगा बृजेश वर्मा, वनरक्षक ऋषि पाल प्रजापति, अमनजीत सिंह और रामानंद मिश्रा शामिल रहे। डीएफओ बहराइच सुन्दरेश ने ग्रामीणों से सतर्कता बनाए रखने तथा वन विभाग की टीम के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।



उपमुख्यमंत्री ने आरजीआईपीटी में तीन नये छात्रावासों का किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को अमेठी जनपद के जायस स्थित राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान में नवनिर्मित एस.सी. बोस, होमी भाभा एवं विद्यासागर छात्रावासों का फीता काट कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री आवास योजना के सत्रह लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं एक लाख बीस हजार रुपये के डेमो चेक वितरित किये। इसके बाद में उन्होंने ओदारी गांव पहुंचकर योजना की लाभार्थी कृष्णा मौर्य को स्वयं उनके घर जाकर स्वीकृति पत्र एवं डेमो चेक प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं छात्रावासों के लोकार्पण के साथ हुआ। इस दौरान आरजीआईपीटी के निदेशक आचार्य हरीश हिरानी ने संस्थान की उपलब्धियों, शैक्षणिक गतिविधियों तथा नव निर्मित छात्रावासों की विशेषताओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान देश में पेट्रोलियम संबंधित



आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा उनकी शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार उसके युवा, वैज्ञानिक और शोधकर्ता होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने आरजीआईपीटी के छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे पेट्रोलियम, ऊर्जा संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, ग्रीन फ्यूल, जैव ईंधन और ऊर्जा दक्षता जैसे क्षेत्रों में नई-नई खोजों एवं अनुसंधानों के माध्यम से देश को नई दिशा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकताओं में से एक है और भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से शोध आधारित शिक्षा को अपनाने, नवाचारों को बढ़ावा देने तथा देशहित में तकनीकी समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आरजीआईपीटी जैसे संस्थान केवल शिक्षा के केंद्र नहीं बल्कि भविष्य के वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों को तैयार करने वाली प्रयोगशालाएं हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा, तकनीकी विकास और आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जिस परियोजना का शिलान्यास किया जाता है, उसका समयबद्ध ढंग से लोकार्पण भी सुनिश्चित किया जाता है। प्रदेश में विकास और जनकल्याण दोनों को समान प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुये कहा कि सरकार का उददेश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं। आवास, बिजली, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों परिवारों के अपने घर का सपना साकार हुआ है।

नामांकन में वृद्धि करने व विद्यालय में स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान पर शिक्षिका रजनी जौहरी को डीएम ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय गणेशपुर गोटिया की प्रधानाध्यापिका रजनी जौहरी को शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह और मुख्य विकास अधिकारी सतीश मिश्रा द्वारा उनको प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।रजनी जौहरी को विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने, छात्रों के नामांकन में वृद्धि करने तथा विद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने में विशेष योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है। उनके प्रयासों से विद्यालय की कायापलट हो गई है और



बच्चों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है।प्रधानाध्यापिका रजनी जौहरी ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण कराकर, स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ पेयजल और सुंदर बागवानी की व्यवस्था की है। उनके द्वारा किए गए नवाचारों से बच्चे विद्यालय आने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।डीएम ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिक्षक ही शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं। इस सम्मान से अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा मिलेगी।

घुंघचाई में तेज धमाके के साथ घर पर गिरी आकाशीय बिजली, लेंटर फटा पड़ोसी के घर तक पहुंचा करंट, दो बच्चे बाल-बाल बचे

पूरनपुर।तहसील क्षेत्र के गांव घुंघचाई में रविवार को तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिरने से लोगों में दहशत फैल गई बिजली गिरने से एक मकान का लेंटर फट गया, जबकि करंट पड़ोसी के घर तक पहुंच गया इससे वहां लगे बिजली के उपकरण भी फुंक गए गनीमत रही कि कमरे में मौजूद दो बच्चे हादसे की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए बताया गया कि रविवार को मौसम खराब होने के दौरान अचानक तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली एक घर पर गिर गई बिजली गिरने की तेज आवाज से आसपास के लोग सहम गए हादसे में मकान का लेंटर क्षतिग्रस्त हो गया बिजली का प्रभाव इतना तेज था कि पड़ोसी के घर तक करंट पहुंच गया और वहां लगे कई बिजली के उपकरण फुंक गए घटना के समय कमरे में मौजूद दो बच्चों के सुरक्षित बच जाने से परिजनों ने राहत की सांस ली तेज धमाके और बिजली गिरने के बाद गांव में काफी देर तक दहशत का माहौल बना रहा घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और नुकसान का जायजा लिया

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक में समाजवादी अधिवक्ता सभा के नवमनोनीत पदाधिकारीयों का हुआ समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजू ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर 129 विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर में समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक के उपरांत समाजवादी अधिवक्ता सभा के नवमनोनीत पदाधिकारियों के सम्मान में अधिवक्ता सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार ह्लराजूङ्क रहे। अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने की मुख्य अतिथि सपा नेता राजकुमार ह्लराजूङ्क ने कहा कि अधिवक्ता समाज और लोकतंत्र की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समाजवादी अधिवक्ता सभा के नवमनोनीत पदाधिकारियों से उम्मीद है कि वे पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करेंगे और जनता के अधिकारों की आवाज बनेंगे। उन्होंने शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों को नमन करते हुए कहा कि शिक्षकों का योगदान समाज निर्माण में सदैव महत्वपूर्ण



रहेगा।पूर्व विधायक अरशद खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय की लड़ाई मजबूती से लड़ती रही है।अधिवक्ता साथी इस संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नवमनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव ने कहा कि अधिवक्ता समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं और उन्हें समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की ताकत है।विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रियता से काम करना होगा। उन्होंने सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।संचालन करते हुए समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट नोमान अली वारसी ने किया कहा कि अधिवक्ता समाज हमेशा संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में अग्रणी रहा है।

नवमनोनीत पदाधिकारियों का सम्मान संगठन के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा के साथ युवाओं और अधिवक्ताओं को जोड़कर संगठन को और मजबूत किया जाएगा।इस अवसर पर नव मनोनीत प्रदेश सचिव एडवोकेट शिव शर्मा, पूर्व महामंत्री एडवोकेट शिवराम सांध्य, पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट अमिताभ मिश्रा,मुकेश गुप्ता,भगवान शरण यादव,ओम शर्मा,देव शर्मा विचित्र एडवोकेट, हाशिम अली, एडवोकेट फिरोज,शिवराम सनाड सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम में नवमनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

महिला शिक्षक संघ की ब्लॉक अध्यक्ष सुगंध अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ बीईओ से की शिष्टाचार मुलाकात



पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ ब्लाक पूरनपुर की कार्यकारिणी ने खंड शिक्षा अधिकारी पूरनपुर विजय वीरेन्द्र सिंह से शिष्टाचार भेंट की।इस दौरान संघ की पदाधिकारियों ने खंड शिक्षा अधिकारी को तुलसी जी का पौधा तथा एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। बैठक में विशेष रूप से महिला शिक्षिकाओं की समस्याओं, उनके हितों एवं कार्यस्थल पर बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।संघ की ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. सुगंध अग्रवाल ने महिला शिक्षिकाओं से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रमुखता से रखते हुए उनके समाधान के लिए सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि महिला शिक्षिकाओं को कई बार कार्यस्थल पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिनका निस्तारण आवश्यक है। खंड शिक्षा अधिकारी विजय वीरेन्द्र सिंह ने संघ की बातों को गंभीरता से सुनते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि महिला शिक्षिकाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है।इस अवसर पर उपाध्यक्ष अनामिका प्रजापति, महामंत्री राजन मलिक, कोषाध्यक्ष प्रिया गुप्ता एवं सदस्य सविता जायसवाल उपस्थित रहीं। पदाधिकारियों ने महिला शिक्षिकाओं के हित में निरंतर कार्य करने एवं शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हरसंभव सहयोग का संकल्प व्यक्त किया है।

दरोगा रविंद्र बालियान अपनी ड्यूटी पर रहते हैं मुस्तैद हो रही चारों तरफ प्रशंसा

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शेरपुर कला में स्थित चौकी पर तैनात उप निरीक्षक रविंद्र बालियान अक्सर अपनी टीम के साथ ड्यूटी पर मुस्तैद नजर आते हैं।बताया जाता है कि शेरपुर कला चौकी क्षेत्र काफी संवेदनशील मानी जाती है, लेकिन दरोगा रविंद्र बालियान ने कार्यभार संभालने के बाद से क्षेत्र में अपराध पर काफी हद तक अंकुश लगाया है। वह दिन हो या रात, लगातार गश्त पर रहते हैं और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखते हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि दरोगा रविन्द्र बालियान का व्यवहार आम जनता के प्रति काफी मधुर और सहयोगपूर्ण है। कोई भी फरियादी चौकी पर आता है तो उसकी समस्या को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण कराते हैं। अपराधियों के खिलाफ उनके द्वारा चलाए जा रहे अभियान की क्षेत्र में काफी सराहना हो रही है। हाल ही में उन्होंने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए कई मामलों का खुलासा भी किया है।ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की वजह से क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है और लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है।

दरोगा ने चार्जशीट में छोड़ दी एक धारा, जांच का आदेश

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। शहर के चिकित्सक डॉ संजय मिश्रा के घर करीब चार माह पूर्व हुई जेवरात व नगदी चोरी के मामले में विवेचक ने आरोपियो के खिलाफ जांच पूरी करने के बाद एक धारा कम लगाकर चार्जशीट पेश कर दिया। मामला जब फंसा तो विवेचक गलती से धारा नहीं अंकित करने का तथ्य दर्शाने लगे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह की अदालत ने विवेचक की लापरवाही पर संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ जांच के लिए सीओ नगर को आदेश दिया है। कोतवाली नगर के शाहगंज इलाके के रहने वाले डॉक्टर संजय मिश्रा ने गत 25 अप्रैल की रात की घटना बताते हुए स्थानीय कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। उनके आरोप के मुताबिक उनके घर में अज्ञात चोरों ने सेंध काटकर अलमारी में रखें सोने के जेवरात और नगदी चुरा लिए थे। मामले की जांच उप निरीक्षक अविनाश चंद्र को मिली। विवेचक ने मामले में कोतवाली नगर के रहने वाले आरोपी जावेद अहमद व मनीष जायसवाल का नाम प्रकाश में लाते हुए अपनी जांच पूरी किया और चार्जशीट भी तैयार कर लिया। फिलहाल उन्होंने चार्जशीट पेश करते समय एक धारा छोड़ दिया। मामले में संज्ञान के बिंदु पर सुनवाई के दौरान विवेचक की गलती पकड़ी गई तो उन्होंने गलती से धारा छूट जाने की बात कही। फिलहाल सीजेएम नवनीत सिंह ने उनकी इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए क्षेत्राधिकारी नगर को जांच का आदेश दिया है।

वरिष्ठ पत्रकार व चिकित्सक को नमन कर गोमती मित्रों ने किया श्रमदान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर, सीताकुंड धाम परिसर में फैले कीचड़ व गंदगी तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गोमती मित्र मंडल द्वारा रविवार को पूरे परिसर व सीता उपवन में विशेष स्वच्छता श्रमदान किया गया। प्रातः 6 बजे शुरू हुआ श्रमदान साढ़े नौ बजे तक चला। नदी के पानी का सीता उपवन में प्रवेश करने की संभावनाओं को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं। प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन ने गोमती मित्रों से अपील की कि जलस्तर बढ़ा रहने तक यथासंभव एक-दो सदस्य धाम पर मौजूद रहें और श्रद्धालुओं को संभावित खतरे के प्रति जागरूक करते रहें। श्रमदान के उपरांत गोमती मित्र मंडल परिवार के प्रति विशेष स्नेह रखने वाले नगर के वरिष्ठ पत्रकार स्व. सतीश पांडेय एवं वरिष्ठ चिकित्सक स्व. डॉ. के.सी. त्रिपाठी के असामयिक



निधन पर शोक व्यक्त किया गया। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर दो मिनट का मौन रखा गया। प्रदेश प्रवक्ता रमेश माहेश्वरी ने उनसे जुड़े संस्मरण साझा करते हुए कहा कि वे दोनों ही माँ गोमती स्वच्छता मिशन की सफलता को लेकर सदैव आश्वस्त और उत्साहित रहते थे। श्रमदान एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन, प्रबंधक राजेंद्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता रमेश माहेश्वरी, संत कुमार प्रधान, राकेश सिंह दद्दू, मुन्ना सोनी, राजेश पाठक, अजय प्रताप सिंह, रामू सोनी, डॉ. कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, आलोक कुमार तिवारी, अभय, आभास, अरुण अग्रहरि सहित अन्य गोमती मित्र मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का एसडीएम ने किया दौरा, पंचायत भवन में की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। कलीनगर उप जिलाधिकारी प्रमेश कुमार द्वारा बाढ़ प्रभावित घाट क्षेत्र का दौरा कर निरीक्षण किया गया।जानकारी के अनुसार हाल ही में नदी में नाव डूबने से 19 कट्ठा परोरा, नाव और मोबाइल आदि सामान नदी में बह गया था। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम कलीनगर ने ग्राम पंचायत नगरिया खुर्द कला के पंचायत भवन में ग्रामीणों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने ग्रामीणों को बाढ़ के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया और कहा कि नदी में आवश्यकता से अधिक सामान लादकर नाव न चलाई जाए। उन्होंने कहा कि आगे इस प्रकार की घटनाएं न हों, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।एसडीएम ने लेखपालों को निर्देश



दिया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की सूची तैयार कर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने नाव संचालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए।इस मौके पर ग्राम प्रधान विवेकानंद सरकार सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने एसडीएम के सामने अपनी समस्याएं रखीं, जिनके त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया गया।

गन्ने के खेत में मिलीं दो संदिग्ध कब्रें, मचा हड़कंप, पुलिस ने शुरू कराई खोदाई, शुरुआती जांच में अंदर कुछ मिलने की पुष्टि नहीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। गोसाईगंज थाना क्षेत्र में रविवार सुबह गन्ने के खेत में दो संदिग्ध कब्रनुमा मिट्टी के ढेर मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। दोनों स्थान गणेशपुर-कैथौली और अजीतपुर बॉर्डर के समीप महादेवपुर निवासी बबलू वर्मा के खेत में पाए गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों संदिग्ध स्थानों की खोदाई शुरू कराई। बताया जाता है कि शनिवार शाम कुछ ग्रामीण खेत में बकरियां चरा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर गन्ने के बीच बने दो मिट्टी के ढेरों पर पड़ी। रविवार सुबह खेत की सफाई कर रहे मजदूरों ने भी इन ढेरों को देखा और इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही गोसाईगंज थानाध्यक्ष अखंड देव मिश्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।



उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों स्थानों की खोदाई शुरू कराई। मामले को लेकर आसपास के ग्रामीणों में भी तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। थानाध्यक्ष ने बताया कि खेत में दो स्थानों पर संदिग्ध मिट्टी के ढेर मिले हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। खोदाई और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। प्रारंभिक जांच में दोनों स्थानों के अंदर किसी वस्तु या शव के होने की पुष्टि नहीं हुई है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सहजन की पीकेएम-1 किस्म से किसानों की बढ़ेगी आय, बच्चों को मिलेगा बेहतर पोषण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। मलवा स्थित कृष्णा सीड बैंक की ओर से रविवार को सहजन (मुनगा/मोरिंगा) की खेती को बढ़ावा देने और इसके पोषण संबंधी महत्व को लेकर जिला पंचायत सभागार में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। दोपहर दो बजे हुई प्रेसवार्ता में सहजन की पीकेएम-1 वैरायटी, इसकी खेती और स्वास्थ्य संबंधी लाभों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि सहजन को पश्चिमी देशों में 'न्यूट्रिशन डायनामाइट' के नाम से भी जाना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। डा.ओ.पी सिंह ने बताया कि सहजन की पत्तियों में विटामिन ए, बी और सी के साथ खनिज तत्व तथा प्रोटीन भी मौजूद होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के आहार में सहजन की पत्तियों के चूर्ण को शामिल करने से पोषण



संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सकती है। जीतेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सेव अर्थ, बाय प्लांट अभियान पिछले 17 वर्षों से चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सुल्तानपुर सहित आसपास के जिलों में हजारों पौधे लगाए जाने का दावा किया गया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों और समाजसेवियों के साथ हुई बैठकों के बाद छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य और हितों को लेकर भी जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रेसवार्ता के दौरान अस्पतालों में छात्र-छात्राओं के लिए प्राथमिकता की व्यवस्था किए जाने की मांग भी उठाई गई। डा.ओ.पी सिंह ने कहा कि अस्पतालों में वरिष्ठ नागरिकों, स्वतंत्रता सेनानियों और महिलाओं के लिए अलग काउंटर अथवा प्राथमिकता की व्यवस्था होती है। इसी तरह छात्रों के लिए भी ओपीडी, पर्ची और दवा काउंटर पर प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सुल्तानपुर के कई निजी चिकित्सक भी छात्रों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इस दौरान डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव का उदाहरण देते हुए बताया गया कि वह छात्रों से परामर्श शुल्क नहीं लेते हैं।

नौ माह में फूल-फल, बीज की कीमत 2500 रुपये किलो

कार्यक्रम में सहजन की पीकेएम-1 किस्म की खेती के बारे में बताया गया कि पौधा लगाने के करीब नौ माह बाद फूल और फल देना शुरू कर देता है। कृष्णा सीड बैंक के अनुसार, इस किस्म के बीज की कीमत करीब 2,500 रुपये प्रति किलो है।

इस हिसाब से एक क्विंटल बीज की कीमत करीब 2.50 लाख रुपये तक बैठती है। सीड बैंक की ओर से पीकेएम-1 बीज की पैकिंग को लेकर भी विशेष जानकारी दी गई। बताया गया कि बीजों की पैकिंग 5 पांडव-5 बीज के रूप में की जाती है। प्रेसवार्ता में सहजन की खेती को किसानों के बीच बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया।

सम्पादकीय

पंगुता से गतिशीलता तक

देश की राजनीति में सरकारों का मूल्यांकन केवल नारों और दावों से नहीं, बल्कि उनके कार्यकाल में हुए बदलावों और जनता के अनुभवों से होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में अपने 2013 के भाषण को याद करते हुए अपने वर्तमान कार्यकाल को एक तरह से रिपोर्ट कार्ड के रूप में प्रस्तुत किया। उनका दावा है कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने 'नीतिगत पंगुता' की छवि से बाहर निकलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत की है। प्रधानमंत्री का यह संबोधन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने अपने पुराने भाषण और वर्तमान सरकार के कामकाज के बीच सीधा संबंध स्थापित करने का प्रयास किया। 2013 में उन्होंने जिस भारत को अवसरों, संभावनाओं और सकारात्मक सोच के नजरिये से देखने की बात कही थी, आज उसी दृष्टिकोण को वह अपनी सरकार की नीतियों का आधार बता रहे हैं। उनका 'आधा भरा, आधा खाली और पूरा भरा गिलास' वाला उदाहरण दरअसल शासन और राजनीति में दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करता है। यह स्वीकार करना होगा कि बीते वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ा है, बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और डिजिटल तथा औपचारिक अर्थव्यवस्था को गति मिली है। भारत की वैश्विक आर्थिक भूमिका भी पहले की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हुई है। ऐसे में सरकार के लिए इन उपलब्धियों को जनता के सामने रखना स्वाभाविक है। लेकिन किसी भी सरकार का रिपोर्ट कार्ड केवल आर्थिक विकास दर से पूरा नहीं होता। रोजगार, महंगाई, किसानों की आय, छोटे कारोबारियों की स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में 2013 की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए महंगाई, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और 'नीतिगत पंगुता' को तत्कालीन दौर की प्रमुख समस्याओं के रूप में सामने रखा। निश्चित रूप से वह दौर राजनीतिक अस्थिरता और कई बड़े विवादों से घिरा हुआ था। लेकिन लोकतंत्र में अतीत की कमियों को गिनाना तभी सार्थक होता है, जब वर्तमान की उपलब्धियों के साथ वर्तमान की चुनौतियों पर भी उतनी ही गंभीरता से बात की जाए। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई को भी उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर कठोर कार्रवाई का संदेश राजनीतिक रूप से प्रभावी हो सकता है, लेकिन स्थायी शांति केवल सुरक्षा अभियानों से नहीं आती। इसके लिए विकास, रोजगार, शिक्षा और स्थानीय स्तर पर भरोसे का वातावरण भी जरूरी है। जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति की प्रक्रिया को इसी व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर 'नाराज फूफा' की भूमिका निभाने का कटाक्ष भी किया। राजनीतिक व्यंग्य चुनावी और राजनीतिक संवाद का हिस्सा हो सकता है, लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार से सवाल पूछना और उसकी नीतियों की कमियों को सामने लाना भी है। वहीं विपक्ष की आलोचना भी तथ्यों और ठोस विकल्पों पर आधारित होनी चाहिए। सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि राजनीतिक बहस व्यक्तिगत कटाक्ष से ऊपर उठकर जनहित के मुद्दों पर केंद्रित रहे। प्रधानमंत्री का 'सच की हुंकार के आगे झूठ की गूंज नहीं टिक सकेगी' वाला संदेश राजनीतिक रूप से स्पष्ट था। लेकिन लोकतंत्र में सच की अंतिम कसौटी राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि जनता का अनुभव और निष्पक्ष आंकड़े होते हैं। सरकार यदि अपने विकास मॉडल को सफल मानती है तो उसे पारदर्शी आंकड़ों, रोजगार के अवसरों और आम नागरिक की आर्थिक स्थिति में आए बदलाव के माध्यम से इसे लगातार प्रमाणित करना होगा।

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है।

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है। विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा। विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं। पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है। शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर सामाजिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियान्वयन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को यह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है-'ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो।' -ललित गर्ग

हिमालय पिघला तो प्रभावित होगा आधा एशिया

महेन्द्र तिवारी

बढ़ता तापमान अब हिमालयी ग्लेशियरों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। तापमान में वृद्धि के कारण ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और उनके आसपास पानी जमा होकर नई झीलें बन रही हैं। कई पुरानी ग्लेशियर झीलों का आकार भी लगातार बढ़ रहा है।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखला नहीं है, बल्कि एशिया के करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। इसकी चोटियों पर जमी बर्फ और ग्लेशियर अनेक नदियों को जल प्रदान करते हैं। गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों का प्रवाह हिमालयी जलस्रोतों से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसलिए हिमालय में होने वाला कोई भी बड़ा परिवर्तन भारत, नेपाल, भूटान और आसपास के देशों के लिए चिंता का विषय बन जाता है। बढ़ता तापमान अब हिमालयी ग्लेशियरों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। तापमान में वृद्धि के कारण ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और उनके आसपास पानी जमा होकर नई झीलें बन रही हैं। कई पुरानी ग्लेशियर झीलों का आकार भी लगातार बढ़ रहा है। इन झीलों की प्राकृतिक सीमाएं सामान्यतः बर्फ, पत्थर और मिट्टी से बनी होती हैं। यदि किसी कारण से यह प्राकृतिक बांध टूट जाए तो अचानक बहुत बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर बह सकता है। ऐसी घटना को ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ कहा जाता है। इस प्रकार की बाढ़ पर्वतीय क्षेत्रों में भारी तबाही ला सकती है। तेज बहाव अपने रास्ते में आने वाली सड़कें, पुल, मकान, खेत और जलविद्युत परियोजनाएं बहा सकता है। पर्वतीय घाटियों में रहने वाले लोगों के पास अचानक आने वाली ऐसी बाढ़ से बचने के लिए बहुत कम समय होता है। यही कारण है कि ग्लेशियर झीलों की निगरानी और समय रहते चेतावनी देना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इस संकट का दूसरा पहलू जल सुरक्षा से जुड़ा है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से कुछ समय के लिए नदियों में पानी की मात्रा बढ़ सकती है, लेकिन लंबे समय में जब ग्लेशियर छोटे होते जाएंगे तो सूखे मौसम में नदियों के प्रवाह पर असर पड़ सकता है। इससे कृषि, पेयजल और जलविद्युत उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। हिमालय पर निर्भर समाजों के लिए यह बदलाव आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयां पैदा कर सकता है। नेपाल में हाल की प्राकृतिक आपदाओं ने इस खतरे की गंभीरता को सामने रखा है। भारत में भी हिमालयी राज्यों में कई संवेदनशील ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई है। सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और लद्दाख जैसे क्षेत्रों में निगरानी तथा प्रारंभिक चेतावनी व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। इस चुनौती का समाधान केवल किसी एक देश के प्रयास से संभव नहीं है। भारत, नेपाल और भूटान सहित हिमालयी देशों को आपस में जल, मौसम और ग्लेशियरों से संबंधित आंकड़े साझा करने होंगे। उपग्रहों और आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों की सहायता से संवेदनशील झीलों की लगातार निगरानी करनी होगी। साथ ही स्थानीय लोगों को संभावित खतरे और सुरक्षित स्थानों की जानकारी देनी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालयी संकट को केवल प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह जलवायु परिवर्तन, जल सुरक्षा, कृषि, ऊर्जा और मानव जीवन से जुड़ा व्यापक प्रश्न है। यदि विश्व ने तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए तो आने वाले वर्षों में हिमालय का संकट और गहरा सकता है। हिमालय की बर्फ को बचाना वास्तव में एशिया की जलधाराओं, पर्यावरण और करोड़ों लोगों के भविष्य को बचाना है।

सेहत मंत्र

बारिश में होता है अमीबियासिस संक्रमण का खतरा

बारिश बीमारियों का मौसम है। मॉनसून में कई तरह के संक्रामक रोग तेजी से फैलते हैं। दरअसल बरसात होने के बाद वातावरण में नमी हो जाती है और नमी में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। इस मौसम में त्वचा की बीमारियों के अलावा वायरल बुखार, डेंगू, डायरिया और मलेरिया, अमीबीयासिस का खतरा बढ़ जाता है। आमतौर पर लोग अमीबियासिस के बारे में कम जानते हैं और जानकारी का अभाव बीमारी से होने वाले खतरों को बढ़ाता है। अमीबियासिस एक जलजनित रोग है यानि ये रोग पानी के द्वारा फैलता है। इसके साथ ही ये रोग संक्रामक होता है यानि कुछ विशेष परिस्थितियों में ये रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंच जाता है। कैसे होता है अमीबियासिसः अमीबियासिस मुख्य रूप से पानी से फैलने वाला रोग है। इस मौसम में बाहर के खुले पानी में कई तरह के हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस मौजूद होते हैं। ऐसे में बाजार में खुले में बिकने वाले खानों (विशेष रूप से होटल, ठेले आदि के खानों) को अशुद्ध पानी से बनाया जाता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में खुले में रखा हुआ खाना जल्दी संक्रमित होकर खराब हो जाता है जबकि बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थ आमतौर पर काफी देर पहले बने होते हैं। इसके अलावा खाना बनाने और परोसने वाले लोगों द्वार नाखून, सिर एवं शरीर के अन्य खुले भाग का ध्यान नहीं रखे जाने के कारण अमीबियासिस का जीवाणु एक से दूसरे तक पहुंचता है। अमीबा एक-कोशकीय जीवाणु है, जो अमीबियासिस का प्रमुख कारण है। अमीबियासिस शरीर के कई अंगों को प्रभावित करता है। आमतौर पर इससे सबसे पहले बड़ी आंत प्रभावित होती है। इसके अलावा ये रोग लीवर, फ़ेफड़ों, हृदय, मस्तिष्क, वृक्क, अंडकोष, अंडाशय, त्वचा आदि को भी प्रभावित कर सकता है। अमीबियासिस के लक्षणः पतले दस्त, भोजन के बाद पेट में दर्द, रुक-रुक कर दस्त शुरू हो जाना, कब्ज की समस्या हो, अपच हो जाए और उल्टी हो, पेट में गैस बनना यानि वायु-विकार होना, त्वचा संबंधी रोग होना जैसे रैशेज, दाद, खुजली आदि।

धर्म मंत्र

पंचमुंडीय आसन पर विराजित हैं मां काली, दर्शन से होती है मन्नत पूरी

घसियारी मंडी के कालीबाड़ी में मां काली का प्राचीन मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि यह मंदिर 147 साल प्राचीन है। यहां पर मां काली पंचमुंडीय आसन पर विराजमान हैं। कहा जाता है कि ये आसन नर, बंदर, सांप, उल्लू, चमगादड़ के सिर से बना है, जो मां काली को प्रिय है। यहां आकर जो भी भक्त मां से मन्नत मांगता है, वह अवश्य पूर्ण होती है।

कहा जाता है कि इस मंदिर की स्थापना तांत्रिक मधुसुदन मुखर्जी ने की थी। वे मां काली के भक्त थे। वे नीम के वृक्ष के नीचे बैठकर तप करते थे। मां ने मुखर्जी की तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें मंदिर की स्थापना के लिए कहा। मां ने आदेश दिया कि वह मां काली की मिट्टी से प्रतिमा का निर्माण करवाए। उसके पश्चात उसे पंचकुंडीय आसन पर विराजमान करके पूजा करें। उसके बाद मंदिर में मां की पूजा-अर्चना शुरु हो गई। उसके बाद यहां पर दूर-दूर से भक्तजन मां के दर्शनों के लिए आने लगे। कहा जाता है कि नवरात्र में यहां आने से भक्तों की मुरादें पूरी होती हैं। अष्टमी और नवमी को मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन होता है और शाम की आरती होती है।

माना जाता है कि नवरात्रों में मंदिर में जो भी भक्त 108 कमल के फूल अर्पित करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। मंदिर की विशेष बात यह है कि यहां पशु बलि की जगह पेठा फल और गन्ने की बलि दी जाती है।

पर्यटन



भारत की इस झील में मछलियां नहीं, तैरते हैं कंकाल

झील का नाम सामने आते ही एक बेहद ही खूबसूरत से पानी से भरे स्थान की तस्वीर आंखों के आगे आ जाती है। लोग झील के किनारे बैठकर कुछ वक्त सुकून के बिताना पसंद करते हैं। वहीं कुछ लोगों को वहां पर मछलियां पकड़ना भी अच्छा लगता है। लेकिन क्या आपने कभी किसी ऐसी झील की कल्पना की है, जिसमें मछलियों की जगह कंकाल तैरते हुए नजर आए। ऐसा सुनना ही कितना डरावना है। हालांकि, उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में एक ऐसी झील स्थित है, जिसे रूपकुंड झील के नाम से भी जाना जाता है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित रूपकुंड झील वास्तव में एक ग्लेशियर है, जो लगभग 5,029 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यही कारण है कि यहां पर अधिक पानी की जगह बर्फ ही नजर आती है। लेकिन जब बर्फ पिघलती है, तो झील में सैकड़ों मानव कंकाल पानी में या सतह के नीचे तैरते दिखाई देते हैं। यह मानव कंकाल किसके हैं, इसके बारे में कुछ पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है। जब इस झील के बारे में पता चला था, तब यह माना जा रहा था कि यह अवशेष जापानी सैनिकों के थे जो इस क्षेत्र में घुस गए थे। हालांकि, बाद में जांच के बाद यह पता चला कि यह लाशें जापानी सैनिकों की नहीं हो सकतीं, क्योंकि ये काफी पुरानी थीं। 1960 के दशक में एकत्र किए गए नमूनों से यह अनुमान लगाया गया कि वे लोग 12वीं सदी से 15वीं सदी तक के बीच के थे। जहां एक ओर यह झील देखने में बेहद ही भयावह है, लेकिन इसका रूपकुंड नाम होना यकीनन काफी आश्चर्यचकित करता है। हालांकि, इस झील के नाम को लेकर एक मान्यता यह भी है कि इस कुंड की स्थापना भगवान शिव ने अपनी पत्नी पार्वतीजी के लिए की। कहा जाता हैं कि जब देवी पार्वती अपने मायके से अपने ससुराल की ओर प्रस्थान कर रही थी तो तब उन्हें रास्ते में प्यास लगी और उन्होंने भगवान शिव से पानी की प्यास बुझाने के लिए कहा। तब भगवान शिव ने माता पार्वती की प्यास बुझाने के लिए उसी जगह पर अपने त्रिशूल से एक कुंड का निर्माण किया। इसके बाद, माता पार्वती ने उस कुंड से पानी पिया।

लाखों खर्च, बूंद भर पानी नहीं: सिद्धौर में शोपीस बने आरओ वाटर कूलर

29 लाख रुपये से लगाए गए 11 आरओ प्लांट, दो माह बाद भी अधिकांश बंद

कहीं बोरिंग नहीं, कहीं पाइपलाइन के भरोसे व्यवस्था

राम कुमार वर्मा

सिद्धौर बाराबंकी । नगर पंचायत सिद्धौर में स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करीब 29 लाख 37 हजार 517 रुपये की लागत से 11 वार्डों में लगाए गए आरओ वाटर कूलर फिलहाल जनता की प्यास बुझाने के बजाय केवल शोभा बढ़ाते नजर आ रहे हैं। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद अधिकांश आरओ प्लांट दो माह बाद भी चालू नहीं हो सके हैं, जिससे नगर पंचायत की कार्यप्रणाली और ठेकेदार की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरओ वाटर कूलर लगाने में भारी अनियमितताएं बरती गई हैं। कहीं बोरिंग कराई गई तो कहीं बिना बोरिंग के ही मशीनें स्थापित कर दी गईं। परिणाम यह है कि जिन कूलरों से लोगों को स्वच्छ और ठंडा पानी मिलने की उम्मीद थी, वे आज भी उद्घाटन की प्रतीक्षा में खड़े हैं।



डोमनगढ़ा वार्ड में इंद्राज यादव के घर के पास लगाया गया आरओ वाटर कूलर करीब दो माह पहले स्थापित किया गया था, लेकिन अब तक चालू नहीं हो सका है। यही स्थिति उत्तरी अंसारी, शेखन टोला, निमतियापुर, पूरे लबौवा, सिद्धेश्वर और पूरे मक्का वार्ड की भी बताई जा रही है, जहां लगाए गए कई आरओ प्लांट केवल सजावटी सामान बनकर रह गए हैं।

सबसे दिलचस्प स्थिति दक्षिणी अंसारी वार्ड में देखने को मिली, जहां सतीश के घर के पास आरओ वाटर कूलर तो लगा दिया गया, लेकिन उसके लिए बोरिंग ही नहीं कराई गई। स्थानीय लोगों के अनुसार मशीन को नगर पंचायत की पाइपलाइन से जोड़कर औपचारिकता पूरी कर दी गई। लोगों का कहना है कि जब एस्टीमेट में बोरिंग का प्रावधान था तो फिर उसका पैसा कहां खर्च हुआ, यह जांच का विषय है। नगरवासियों का दावा है कि एक आरओ वाटर कूलर पर करीब 2.60 लाख रुपये खर्च दर्शाया गया है, जबकि बाजार में इसकी वास्तविक लागत इससे काफी कम बताई जा रही है। ऐसे में लोग नगर पंचायत प्रशासन और ठेकेदार की मिलीभगत की आशंका जता रहे हैं। उनका कहना है कि जनता की सुविधा के नाम पर सरकारी धन खर्च तो हो गया, लेकिन सुविधा अब तक कागजों से बाहर नहीं निकल पाई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल की समस्या को देखते हुए उन्हें इन आरओ प्लांटों से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी अधिकांश मशीनें बंद पड़ी हैं। लोगों ने लगाए गए उपकरणों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है।नगरवासियों के अनुसार कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद न तो मशीनों को चालू कराया गया और न ही जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई। ऐसे में लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि क्या ये आरओ प्लांट जनता की प्यास बुझाने के लिए लगाए गए थे या सिर्फ सरकारी फाइलों और फोटो खिंचवाने के लिए? नगर पंचायत सिद्धौर के अधिशासी अधिकारी संतोष सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आयकर अधिकारी एमपी सिंह की तेरहवीं में उमड़ा जनसैलाब, हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि दलो के बंधन टूटे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेही घाट बाराबंकी?। लकड़िया निवासी स्वर्गीय माधवेंद्र प्रताप सिंह पुत्र बृजेंद्र प्रताप सिंह (अधिवक्ता) के तेरहवीं संस्कार कार्यक्रम में शनिवार को हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों,अधिवक्ताओं, समाजसेवियों एवं विभिन्न संगठनों के लोगों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।मृतक के छोटे भाई मानवेंद्र सिंह ने बताया कि उनके बड़े भाई माधवेंद्र प्रताप सिंह मध्य प्रदेश में आयकर अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। पंद्रह दिन पूर्व उनका शव उनके आवास के कमरे में मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी मृत्यु का कारण साइलेंट अटैक बताया गया था। उनके आकस्मिक निधन की खबर से परिवार सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी।तेरहवीं संस्कार कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय माधवेंद्र प्रताप सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित



कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके सरल व्यक्तित्व, कर्तव्यनिष्ठा और समाज के प्रति समर्पण को याद किया।कवि दुष्यंत शुक्ला सिंहनादी ने कहा कि स्वर्गीय माधवेंद्र प्रताप सिंह एक ईमानदार एवं कर्मठ अधिकारी थे, जिनकी कार्यशैली और व्यवहार सदैव क्षेत्र वासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की गई। तेरहवीं संस्कार में भाजपा एम एल सी अंगद सिंह, लल्लू सिंह पूर्व सांसद, विवेकानंद पांडेय पूर्व प्रमुख, दिनेश रावत विधायक हैदरगढ़, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह रिंकू, जिला पंचायत सदस्य नेहा सिंह आनंद, सपा नेता पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, समाजसेवी अमरेन्द्र सिंह प्रिंसू, रामगोपाल रावत, सपा जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज, पूर्व विधायक रामगन रावत, राजरानी रावत, बनीकोडर ब्लाक प्रमुख चंद्र शेखर वर्मा हैदरगढ़ प्रमुख रामदेव सिंह, युवा मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह, समाजसेवी सुधीर सिंह, राजसिंह डिंकी पवन सिंह सुरेंद्र पाल, पत्रकार विकास पाठक, सूरज सिंह, अधिवक्ता रितेश मिश्रा, कृष्ण कुमार मिश्र, विजय पांडेय, अंबर, करणी सेना जिलाध्यक्ष कौशलेंद्र प्रताप सिंह, ईडी आफिसर सुधांशु सिंह राठौड़, दीपक सिंह सरल, चेयरमैन आलोक तिवारी हिंदूवादी नेता विनय सिंह राजपूत, अवध पब्लिक स्कूल भवनियापुर प्रबंधक दुर्गेश यादव सहित हजारों लोगों की उपस्थिति ने स्वर्गीय माधवेंद्र प्रताप सिंह के प्रति लोगों के सम्मान, स्नेह और लोकप्रियता को प्रदर्शित किया।

फैक्ट्री के गंदे पानी ने ली छह बेजुबानों की जान, पांच गाय व एक भैंसे की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। कुर्सी कोतवाली क्षेत्र में फैक्ट्री से निकलने वाले कथित गंदा पानी पीने से छह बेजुबान पशुओं की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही तहसील और पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई।

मामला कुर्सी कोतवाली क्षेत्र के अंसार नगर मजरे अमरसंडा गांव का है। चरवाहों के अनुसार गांव के पास स्थित एक फैक्ट्री से निकलने वाला गंदा पानी खेत में भरा हुआ था। शनिवार शाम पशुओं ने खेत में भरा पानी पी लिया, जिसके कुछ देर बाद अंसार नगर निवासी दो सगे भाइयों राजेंद्र की तीन गाय, विनोद की दो गाय तथा जहीर की एक भैंस की मौत हो गई।

एक साथ छह पशुओं की मौत से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने फैक्ट्री से





निकलने वाले दूषित पानी को हादसे का जिम्मेदार बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी फतेहपुर और क्षेत्राधिकारी जगतराम कनौजिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कराई। पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा मृत पशुओं का पोस्टमार्टम कराया गया है तथा सैंपल जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

क्षेत्राधिकारी जगतराम कनौजिया ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद पशुओं को दफना दिया गया है। किसानों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पशुओं की मौत के वास्तविक कारणों से पर्दा उठ सकेगा। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर फैक्ट्री का गंदा पानी खेतों तक कैसे पहुंचा और इसकी जिम्मेदारी किसकी है? जांच के बाद ही इस दर्दनाक घटना के जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होगी।

14 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री के लापता होने के मामले में तीन युवकों पर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है ग्राम ढक्का चांट निवासी सत्यजीत विश्वास ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी 14 वर्षीय पुत्री पूजा उर्फ रिया चार सितंबर को घर से लापता हो गई काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चला पिता ने आरोप लगाया कि ग्राम गबियासराय महाराजपुर निवासी विक्की मंडल अपने भाई प्रशांत मंडल और उनके एक अन्य साथी चिन्मय विश्वास के साथ उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है किशोरी के लापता होने से परिवार में चिंता का माहौल है पिता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर बेटी को सकुशल बरामद कराने की गुहार लगाई प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है पुलिस किशोरी की तलाश के साथ ही नामजद आरोपियों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है

बारिश का कहर,भरभराकर ढहा पक्का मकान, मलबे में दबा गृहस्थी का सामान

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। लगातार हो रही बारिश ग्रामीण इलाकों में आफत बनती जा रही है ग्राम पंचायत अमरिया कलां के गांव खाता में बारिश के बीच एक पक्का मकान अचानक भरभराकर धराशायी हो गया मकान के मलबे में तब्दील होने से परिवार के सामने रहने और गृहस्थी का सामान सुरक्षित रखने का संकट खड़ा हो गया गांव निवासी शुभम कुमार पुत्र लालता प्रसाद का पक्का मकान लगातार बारिश के कारण कमजोर हो गया था बताया गया कि दीवारों में नमी आने से उनकी पकड़ कमजोर पड़ गई शुक्रवार को तेज बारिश के दौरान अचानक मकान की दीवारें भरभराकर गिर गईं और देखते ही देखते पूरा मकान मलबे में बदल गया मकान गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और परिवार की मदद की राहत की बात रही कि हादसे के समय परिवार के सदस्य मकान के अंदर नहीं थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई हालांकि मलबे में दबने से घर में रखा घरेलू सामान क्षतिग्रस्त होने की बात कही जा रही है मकान गिरने के बाद पीड़ित परिवार के सामने अब सुरक्षित आशियाने की समस्या खड़ी हो गई है शुभम कुमार ने प्रशासन से मौके पर नुकसान का आकलन कराकर आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नवीन मित्तल का मसौली में स्वागत

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी अवध क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नवीन मित्तल का श्रावस्ती जाते समय मसौली चौराहा स्थित भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयोजक राजकुमार सोनी के प्रतिष्ठान पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए नवीन मित्तल ने आगामी चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं की है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत बनाने की अपील की। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रकोष्ठ भाजपा बाराबंकी के संयोजक राजकुमार सोनी, युवा मोर्चा के जिला मंत्री डॉ. सुधाकर सोनी, आईटी जिला संयोजक अभय सिंह, पवन कुमार शर्मा, सुरेश वर्मा, मन्नू रावत, अरुण यादव, आकाश वर्मा, दीपू, उदय प्रताप सिंह, शेष कुमार रावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चौकाघाट रेलवे स्टेशन के पास युवक का शव मिलने से हड़कंप

रामनगर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के चौकाघाट रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक अज्ञात युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। सूचना पर स्टेशन अधीक्षक व रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

घटना के चलते गोरखपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस करीब 20 मिनट तक रुकी रही, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

18 लाख कीमती 88 गुम मोबाइल बरामद, 09 माह में 956 से अधिक मोबाइल स्वामियों को सौंप चुकी है पुलिस



कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। सर्विलांस सेल एवं थाना स्तर की संयुक्त पुलिस टीमों ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से तकनीकी विश्लेषण और ट्रैकिंग कर गुम हुए 88 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 18 लाख रुपये बताई गई है।

रविवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सहायक पुलिस अधीक्षक मोहम्मद आफताब आलम एवं क्षेत्राधिकारी सदर आलोक कुमार पाठक ने बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे। अपने खोए हुए मोबाइल और महत्वपूर्ण डाटा वापस पाकर लोगों ने खुशी जताते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

पुलिस के अनुसार, विगत नौ माह में मोबाइल रिकवरी टीम ने 956 से अधिक गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ 91 लाख रुपये है। बरामद सभी मोबाइल उनके स्वामियों को सुपुर्द किए जा चुके हैं।

'सेव इंडिया, सेव शरीया' अभियान पर वसीम राईन ने जताई आपत्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने अपने कैम्प कार्यालय पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ बैठक कर सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा 17 सितंबर से प्रस्तावित तीन माह के देशव्यापी 'सेव इंडिया, सेव शरीया' अभियान पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। वसीम राईन ने कहा कि 'देश बचाओ, शरीयत बचाओ' जैसे भावनात्मक और धार्मिक नारों के साथ अभियान चलाने से समाज में धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ने की आशंका हो सकती है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम धार्मिक नेतृत्व को संविधान, लोकतंत्र, नागरिक अधिकार, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे व्यापक मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

बैठक में राईन ने पर्सनल लॉ बोर्ड की संरचना में पसमांदा मुसलमानों की



भागीदारी को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बड़ी आबादी होने के बावजूद धार्मिक संस्थाओं के शीर्ष स्तर पर पसमांदा समाज को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। उन्होंने शाहबानो प्रकरण और बाबरी मस्जिद विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि अतीत के अनुभवों से सबक लेते हुए मुस्लिम नेतृत्व को ऐसे आंदोलनों और फैसलों से बचना चाहिए, जिनसे सामाजिक तनाव या राजनीतिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा मिले।

वसीम राईन ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुस्लिम धार्मिक संगठनों से भावनात्मक और मजहबी अभियानों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज की राजनीतिक दिशा संविधान, लोकतंत्र, मताधिकार, सामाजिक न्याय, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए।

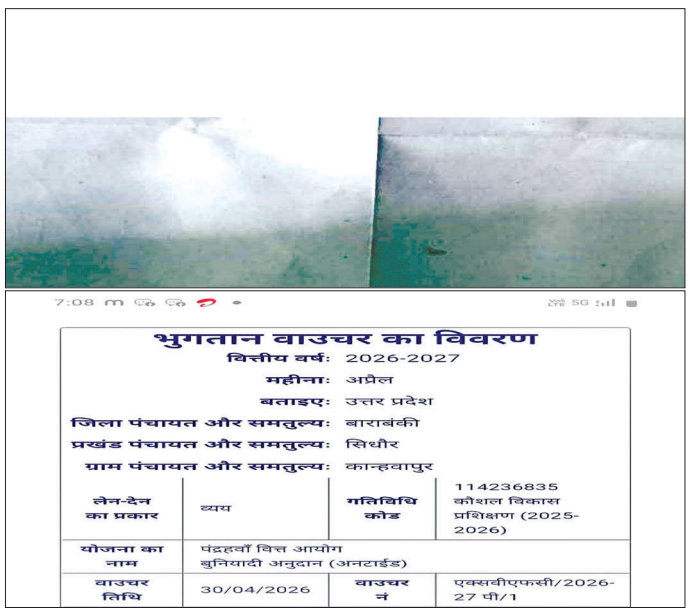
उन्होंने पसमांदा समाज से अपने अधिकारों और प्रतिनिधित्व के लिए स्वयं आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने भी सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार रखे। अंत में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और समाज के व्यापक हितों को लेकर आगे की रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया।

ई-ग्राम स्वराज पर सफ़ेद पन्ने अपलोड कर निकाले लाखों रुपये

सिद्धौर ब्लॉक की ग्राम पंचायत कन्हवापुर में वित्तीय अनियमितता का आरोप, जांच की उठी मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी। पंचम राज्य वित्त आयोग की धनराशि के उपयोग में बड़े पैमाने पर अनियमितता का मामला सामने आया है। आरोप है कि विकास खंड सिद्धौर की ग्राम पंचायत कन्हवापुर में सचिव एवं प्रशासक द्वारा ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर बिल एवं वाउचर के स्थान पर सादे कागज (ब्लैंक पेज) अपलोड कर लगभग चार लाख रुपये से अधिक का भुगतान कर दिया गया। मामला प्रकाश में आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है तथा पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है। जानकारी के अनुसार शासन की ओर से स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी प्रकार के भुगतान से पूर्व संबंधित बिल, वाउचर एवं अभिलेख ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड किए जाएं, ताकि खर्च की पारदर्शिता बनी रहे। आरोप है कि ग्राम पंचायत कन्हवापुर में इन नियमों को दरकिनार करते हुए 30 अप्रैल 2026 को कई भुगतानों के लिए बिल-वाउचर की जगह सफ़ेद पन्ने अपलोड कर दिए गए और उसके आधार पर धनराशि आहरित कर ली गई। अभिलेखों के अनुसार उक्त तिथि को लगभग 4 लाख 11 हजार 259 रुपये का भुगतान विभिन्न मदों में किया गया।



7:08 m 5G

भुगतान वाउचर का विवरण

वित्तीय वर्ष: 2026-2027
महीना: अप्रैल
बताइए: उत्तर प्रदेश
जिला पंचायत और समतुल्य: बाराबंकी
प्रखंड पंचायत और समतुल्य: सिधौर
ग्राम पंचायत और समतुल्य: कान्हवापुर

लेन-देन का प्रकार	व्यय	गतिविधि कोड	114236835 कौशल विकास प्रशिक्षण (2025-2026)
योजना का नाम	पंद्रहवाँ वित्त आयोग बुनियादी अनुदान (अनटाईड)		
वाउचर तिथि	30/04/2026	वाउचर नं	एक्सकीएफसी/2026-27 पी/1

इसमें ग्राम प्रधान एवं अन्य मानदेय के रूप में 49 हजार रुपये, ह्यूम पाइप मद में 45 हजार 200 रुपये, हैंडपंप मजदूरी मद में 5 हजार रुपये, हैंडपंप संबंधी कार्यों के लिए 18 हजार रुपये, इंटरलॉकिंग हेतु ईंट भुगतान के रूप में 1 लाख 18 हजार 59 रुपये, हैंडपंप रीबोर मद में 1 लाख 62 हजार रुपये तथा हैंडपंप मरम्मत मद में 14 हजार रुपये का भुगतान दर्शाया गया है।ग्रामीणों का आरोप है कि जिन कार्यों के नाम पर भुगतान दिखाया गया है, उनमें से कई कार्य धरातल पर दिखाई नहीं देते। विशेष रूप से ह्यूम पाइप खरीद के नाम पर किए गए भुगतान को लेकर ग्रामीणों ने सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि गांव में कहीं भी ह्यूम पाइप लगाए जाने के प्रमाण नहीं मिलते, जिससे भुगतान की वैधता संदेह के घेरे में आ जाती है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यदि केवल एक ग्राम पंचायत के अभिलेखों की जांच में इतनी गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं तो पूरे सिद्धौर ब्लॉक की ग्राम पंचायतों के वित्तीय अभिलेखों और ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड दस्तावेजों की जांच कराई जाए तो कई और चौंकाने वाले तथ्य उजागर हो सकते हैं। इस संबंध में जिला विकास अधिकारी भूषण कुमार ने बताया कि यदि बिना बिल-वाउचर के भुगतान किए जाने की शिकायत सही पाई जाती है तो मामले की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और जांच के बाद सच्चाई सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है। ग्राम पंचायतों में सरकारी धन के उपयोग को लेकर उठे इस सवाल ने स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही की व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

सिलाई प्रशिक्षण शिविर का राज्य समन्वयक ने किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी। पंचायत भवन बड़ागांव में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा लाइवलीहुड कार्यक्रम के तहत संचालित 45 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण शिविर का फाउंडेशन की राज्य समन्वयक नुजहत मलिक ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सिलाई प्रशिक्षण एक सराहनीय पहल है। यह कार्यक्रम महिलाओं को केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि पहचान, आत्मविश्वास और आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करने का भी सशक्त माध्यम है। नुजहत मलिक ने कहा कि महिलाओं को बाजार की



वर्तमान मांग के अनुरूप कौशल विकसित कर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र पर सिलाई मशीनों, कटिंग हाउस एवं अन्य उपकरणों की उपलब्धता और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस दौरान सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हुए केक काटकर शुभकामनाएं दी गईं। मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, कार्यक्रम समन्वयक सौरभ मिश्रा, लाइवलीहुड कोऑर्डिनेटर दीपक यादव, पंचायत सहायक सैय्यदा बानो, फैजान खान, अभय सिंह, सीमा देवी, मास्टर ट्रेनर आरिफा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

साप्ताहिक बाजार में जाम से बेहाल शहाबपुर, एंबुलेंस फंसने का भी खतरा

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुस्लिम बाहुल्य कस्बा शहाबपुर में रविवार और बुधवार को लगने वाली साप्ताहिक बाजार के दौरान यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है। बाजार के दिन हाईवे से जहांगीराबाद लिंक मार्ग पर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाजार के दिनों में सड़क के दोनों ओर सब्जी, फल, दाल, बिस्कुट और अन्य सामानों की दुकानें लगने से सड़क संकरी हो जाती है। ऐसे में दो वाहन आमने-सामने आने पर यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है। लोगों का कहना है कि शहाबपुर टोल प्लाजा से बचने के लिए कई वाहन चालक जहांगीराबाद मार्ग होते हुए ग्राम ज्योली की ओर निकलते हैं, जिससे बाजार के दिनों में कस्बे में वाहनों का दबाव और बढ़ जाता है। सबसे गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है जब एंबुलेंस या मरीजों के वाहन जाम में फंस जाते हैं। इससे गंभीर मरीजों को समय पर बाराबंकी अथवा लखनऊ के अस्पताल पहुंचाने में देरी होने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार के दिनों में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त कराया जाए। साथ ही सड़क किनारे लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित कर वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त जगह सुनिश्चित की जाए।



भारत ने पुरुष जूनियर एशिया कप में जापान से 3-3 से ड्रॉ खेला

एजेंसी



मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां जूनियर एशिया कप के पूल ए के अपने दूसरे मुकाबले में शानदार जुझारूपन दिखाते हुए जापान के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला। इंडोनेशिया के खिलाफ पहले पूल मैच में 14-0 की बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम ने चौथे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त हासिल की। फाउल के बाद मिले इस मौके को कप्तान अनमोल एक्का ने गोल में बदलकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। भारत ने दबाव बनाए रखा और 10वें मिनट में आशु मौर्य ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। जापान ने तुरंत जवाबी हमला करते हुए 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। रयूशिन सासाकी ने इस मौके को गोल में बदलकर अंतर 2-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल जारी रखा। भारत बढ़त बढ़ाने की कोशिश कर रहा था जबकि जापान बराबरी की तलाश में था। हाफटाइम तक भारत 2-1 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में भी यही सिलसिला जारी रहा। दोनों टीमें नियंत्रण हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं। जापान ने कुछ अच्छे मौके बनाए और पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। भारतीय डिफेंस ने अपनी मामूली बढ़त बरकरार रखी। अंतिम क्वार्टर में जापान ने बराबरी के लिए दबाव बढ़ा दिया। उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला और दोबारा दिए गए पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान काजुकी नाकानिशी ने 48वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। जापान ने मैच के आखिरी पांच मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारत ने शुरुआती प्रयास का अच्छी तरह बचाव किया, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से दूर नहीं कर सका, जिससे जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। इस बार जापान का फ्लिक निशाने से बाहर चला गया। जापान ने इसके बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। नाकानिशी ने 59वें मिनट में फिर गोल करते हुए जापान को 3-2 की बढ़त दिला दी। बराबरी की तलाश में भारत ने गोलकीपर को बाहर कर अतिरिक्त खिलाड़ी उतारा। उसकी कोशिशों का फल मिला और मैच में सिर्फ 59 सेकंड बाकी रहते भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। अनमोल एक बार फिर आगे आए और इस मौके को गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया। भारत अब पूल ए के अपने तीसरे मुकाबले में मंगलवार को कोरिया का सामना करेगा।

हम साथ मिलकर योजना बनाते हैं: पाकिस्तान को सस्ते में समेटने की रणनीति पर बोलीं श्री चरणी

एजेंसी

दुबई। पाकिस्तान के खिलाफ महिला एशिया कप टी20 में अपनी धारदार गेंदबाजी से भारत की एकतरफा जीत की नींव रखने वाली बायें हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने कहा कि टीम की स्पिनर मैच से पहले साथ बैठकर रणनीति बनाती हैं और मैदान पर उसके प्रभावी तरीके से लागू करने पर जोर देती हैं। श्री चरणी (सात रन पर तीन विकेट), प्रेमा रावत (नौ रन पर तीन विकेट), दीप्ति शर्मा (पांच रन पर दो विकेट) और शेफाली वर्मा (10 रन पर एक विकेट) ने शनिवार को यहां पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी और उसे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अपने अब तक के सबसे कम स्कोर 55 रन पर समेट दिया।

भारत ने इसके बाद 68 गेंद शेष रहते सात विकेट से आसान जीत दर्ज की। भारत पहले ही ग्रुप ए से सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुका था। टीम तीनों मैच जीतकर टीम छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रही। चरणी ने कहा, '' टीम की बैठक में हम सब साथ बैठते हैं। प्रेमा, मैं, दीप्ति दीदी और राधा (यादव) दीदी। हम चर्चा करते हैं कि मैच में क्या करना है। इसलिए दीप्ति और राधा दी जो कहती हैं, हम मैदान पर उसे लागू करने की कोशिश करते हैं। चरणी ने पाकिस्तान के शीर्ष क्रम पर कहर बरपाते हुए शवाल जुल्फिकार, गुल फिरोजा और आयशा जफर को पवेलियन भेजा। इससे पहले शेफाली ने मुनीबा अली को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई थी। पाकिस्तान ने चार ओवर में बिना किसी नुकसान के 27 रन बनाकर तेज शुरुआत की थी लेकिन छठे ओवर में चरणी के दो विकेटों ने उसका स्कोर तीन विकेट पर 29 रन कर दिया। इसके बाद टीम इन झटकों से उबर नहीं सकी। चरणी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 50 विकेट पूरे करने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। इस 22 साल की गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय चीजों को सरल रखने और बुनियादी बातों पर ध्यान देने को दिया। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ खुद पर ध्यान देने की बात है। मैं अपनी चीजों पर ध्यान देना चाहती हूं मैं चाहती हूं कि मैं अपना काम सही तरीके से करूं। चरणी ने बताया कि पिच का आकलन करने के बाद उन्हें लगा कि गेंद को टर्न मिल सकता है, इसलिए उन्होंने सिर्फ स्टंप पर गेंदबाजी करने पर ध्यान दिया और बाकी काम गेंद पर छोड़ दिया। उन्होंने कहा, मैंने सिर्फ स्टंप पर गेंदबाजी करने की कोशिश की। पिच देखकर हमें पता था कि गेंद टर्न हो सकती है, इसलिए मैंने उसी पर ध्यान दिया। चरणी ने प्रेमा रावत की भी जमकर तारीफ की। प्रेमा की लेग स्पिन ने पाकिस्तान की बल्लेबाजों को खासा परेशान किया। उन्होंने कहा, ह्लमुझे लगता है कि प्रेमा शानदार और स्वाभाविक प्रतिभा वाली खिलाड़ी हैं। उनके पास सब कुछ है। वह अच्छी क्षेत्ररक्षक है, बल्लेबाजी से भी योगदान दे सकती है और गेंदबाजी तो है ही। चरणी के मुताबिक गेंदबाजों की मददगार पिच पर करीब 120 रन का स्कोर अच्छा माना जा सकता था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस विकेट पर 120 के आस-पास का स्कोर अच्छा होता। उन्होंने दीप्ति शर्मा को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे जाने को भी रणनीतिक फैसला बताया।

पैरा तीरंदाजी सीरीज में भारत की दमदार शुरुआत, युगल में हरविंदर-भावना शीर्ष वरीय

एजेंसी

अहमदाबाद। पैरालंपिक चैंपियन हरविंदर सिंह की अगुआई में भारतीय तीरंदाजों ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में शानदार शुरुआत की जहां पुरुष और महिला रिकर्व ओपन वर्ग में भारत के चार-चार तीरंदाजों ने सीधे प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता हरविंदर ने पुरुष रिकर्व ओपन वर्ग के क्वालीफिकेशन में 720 में से 636 अंक जुटाकर तीसरी वरीयता हासिल की। ईरान के घोलामरेजा रहीमी 647 अंक के साथ शीर्ष पर रहे, जबकि इंडोनेशिया के खोल्दिन ने 641 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। भारत के परवीन 633 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। सहजवीर सिंह ने 626 अंक जुटाकर छठा स्थान हासिल किया, जबकि विजय सुंडी 618 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। शीर्ष-10 में चार भारतीयों के रहने का फायदा उन्हें मिला और चारों ने 32 खिलाड़ियों के ड्रॉ में सीधे प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त हरविंदर का सामना चीन के 14वीं वरीयता वाले गान जुन से होगा। छठी वरीयता प्राप्त सहजवीर स्लोवाकिया के 11वीं वरीयता वाले इवान डेविड से भिड़ेंगे। परवीन का मुकाबला स्लोवाकिया के इवान डेनिस से, जबकि सुंडी की टक्कर इंडोनेशिया के सेतियावान से होगी। महिला रिकर्व ओपन वर्ग में भावना ने 595 अंक के प्रभावशाली स्कोर के साथ तीसरी वरीयता हासिल की। इंडोनेशिया की नोविएरा रॉस 603 अंक के साथ शीर्ष और ईरान की सोमायेह रहीमी गदेरिजानी 602 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। भारत की पूजा कुमारी 573 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। राजश्री राठौड़ और पूजा ने क्रमशः 560 और 527 अंक हासिल कर आठवीं और नौवीं वरीयता प्राप्त की। चारों भारतीय तीरंदाजों ने सीधे प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने पुरुष और महिला युगल दोनों वर्गों में शीर्ष वरीयता हासिल की। हरविंदर और परवीन ने आठ टीमों के पुरुष डबल्स क्वालीफिकेशन में कुल 1,269 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया। भारतीय जोड़ी को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिला है और वह पदक पक्का करने से सिर्फ एक जीत दूर है। महिला युगल में भावना और पूजा कुमारी 1,168 अंकों के साथ शीर्ष वरीय बनीं। उन्हें भी सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिला है और एक जीत उन्हें पदक सुनिश्चित करा देगी। मिश्रित युगल में भावना और हरविंदर की जोड़ी 1,231 अंकों के साथ तीसरी वरीयता पर रही।

एएचएफ जूनियर एशिया कप: भारतीय महिला टीम ने मलेशिया को 11-1 से रौंदा

एजेंसी



मोकी (चीन)। भारतीय महिला टीम ने रविवार को यहां एएचएफ जूनियर एशिया कप के एलीट पूल मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त देकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर जीत के साथ अभियान शुरू करने वाली भारतीय टीम की ओर से मलेशिया के खिलाफ सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारत ने चार गोल मैदानी खेल से, पांच पेनल्टी कॉर्नर और दो पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए किए। पूजा साहू ने पहले ही मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। गत चैंपियन भारत ने अपना दबदबा कायम रखते हुए आठवें मिनट में बिनिमा धन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने एक और गोल कर दिया। पूर्णिमा ने दूसरे क्वार्टर में 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद हाफटाइम से पहले दो और गोल हुए। सुखवीर कौर ने 21वें मिनट और गीता यादव ने 28वें मिनट में गोल किया, जिससे भारत मध्यांतर तक 7-0 से आगे था। मलेशिया ने 38वें मिनट में नूर मोहम्मद के गोल से खाता खोला, लेकिन इसके बावजूद मुकाबले पर भारत का दबदबा बरकरार रहा। मैच के 42वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बाद पूजा ने अपना दूसरा गोल पूरा किया। इसके एक मिनट बाद सानिका चंद्रकांत माने ने गोल कर भारत की बढ़त 9-1 कर दी। गीता ने 53वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि सानिका ने 58वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर भारत को 11-1 की विशाल जीत दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों में दो जीत दर्ज कर छह अंक हासिल किए और एलीट पूल की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। चीन और जापान तीन-तीन अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। दोनों ने एक-एक मैच खेलकर जीत दर्ज की है और गोल अंतर के आधार पर चीन आगे है। दक्षिण कोरिया और मलेशिया दो-दो हार के बाद क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। भारत अब पूल चरण के अपने तीसरे मुकाबले में आठ सितंबर को जापान का सामना करेगा।

सरकार बागान क्षेत्र में एफडीआई नियमों को उदार बनाने पर कर रही है विचार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार बागान क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों को और उदार बनाने पर विचार कर रही है। इसके तहत केले जैसी अन्य वाणिज्यिक फसलों को भी एफडीआई के दायरे में लाया जा सकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस मुद्दे पर संबंधित हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर रहा है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, ''हम केले जैसे बागान क्षेत्र में एफडीआई को और उदार बनाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। फिलहाल चाय, कॉफी, रबड़, इलायची, पाम और जैतून के पेड़ों के बागान में स्वतः मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है। इनके अलावा अन्य बागान गतिविधियों में एफडीआई की अनुमति नहीं है। भारत ने अप्रैल, 2000 से मार्च, 2026 के बीच चाय और कॉफी क्षेत्र में 29.52 करोड़ डॉलर तथा रबड़ उत्पादों में 3.93 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हासिल किया है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक देश है और हर साल तीन करोड़ टन से अधिक केले का उत्पादन करता है। इसके बावजूद वैश्विक केला निर्यात बाजार में भारत की हिस्सेदारी करीब एक प्रतिशत ही है। देश विश्व के कुल केला उत्पादन में लगभग 26.45 प्रतिशत का योगदान देता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 37.75 करोड़ डॉलर मूल्य के केले का निर्यात किया, जो इससे पिछले वर्ष की तुलना में करीब 30 प्रतिशत अधिक है। सरकार आने वाले वर्षों में केला निर्यात बढ़ाकर एक अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखती है। भारतीय केले के प्रमुख निर्यात बाजारों में ईरान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, उज्बेकिस्तान, सऊदी अरब, नेपाल, कतर, कुवैत, बहरीन, अफगानिस्तान और मालदीव शामिल हैं। इसके अलावा अमेरिका, रूस, जापान, जर्मनी, चीन, नीदरलैंड, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों में भी भारतीय केले के लिए निर्यात की व्यापक संभावनाएं हैं।

जनधन योजना का हर चौथा खाता निष्क्रिय 5.72 करोड़ में कोई पैसा नहीं: आरटीआई

एजेंसी



जयपुर। प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत देश में करीब हर चौथा खाता निष्क्रिय है, जबकि 5.72 करोड़ से अधिक खातों में कोई राशि जमा नहीं है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मिले जवाब में यह जानकारी सामने आई है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अनुसार, 12 अगस्त, 2026 तक देश में पीएमजेडीवाई के कुल 59,03,74,907 खाते थे, जिनमें कुल 3.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा थी। आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ की ओर से दायर आवेदन के जवाब में विभाग ने बताया कि कुल खातों में 32.89 करोड़ खाते महिलाओं (ट्रांसजेंडर खाताधारकों सहित) और 26.14 करोड़ खाते पुरुषों के हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 5,72,35,490 खातों में कोई राशि नहीं थी, जबकि 15,36,77,009 खाते निष्क्रिय पाए गए।

प्रधानमंत्री जनधन योजना की शुरुआत अगस्त, 2014 में वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन के तौर पर की गई थी। इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को कम से कम एक बुनियादी बैंक खाता, बैंकिंग सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुंच, वित्तीय साक्षरता और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। कोई राशि नहीं वाले जनधन खातों की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश 95.92 लाख के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद बिहार (62.35 लाख), पश्चिम बंगाल (37.20 लाख), असम (36.30 लाख) और महाराष्ट्र (36.04 लाख) रहे। निष्क्रिय खातों की संख्या में भी उत्तर प्रदेश 3.23 करोड़ के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद बिहार (1.59 करोड़), मध्य प्रदेश (1.35 करोड़), पश्चिम बंगाल (1.02 करोड़) और महाराष्ट्र (97.94 लाख) का स्थान रहा। कुल जनधन खातों की संख्या में भी उत्तर प्रदेश 10.51 करोड़ के साथ सबसे आगे है। बिहार में 7.01 करोड़, पश्चिम बंगाल में 5.73 करोड़, राजस्थान में 3.87 करोड़ और महाराष्ट्र में 3.85 करोड़ खाते हैं। एक सितंबर को दिए गए आरटीआई जवाब में कहा गया कि केंद्र सरकार जनधन खातों में शेष राशि, कोई राशि नहीं वाले खातों और निष्क्रिय खातों का लिंग के आधार पर अलग-अलग आंकड़ा केंद्रीय स्तर पर नहीं रखती। साथ ही, 100 रुपये से कम राशि वाले खातों, पिछले पांच वर्षों में बंद खातों तथा संदिग्ध लेनदेन या साइबर धोखाधड़ी के कारण ब्लॉक/फ्रीज किए गए खातों की जानकारी भी केंद्रीय रूप से उपलब्ध नहीं है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से जुड़ा आंकड़ा 36 इकाइयों का है।

गिग श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा अंशदान के लिए कारोबार आधारित फॉर्मूला अधिक व्यावहारिक: विश्लेषक

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत में गिग और ऑनलाइन मंचों (प्लेटफॉर्म) के लिए काम करने वाले श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान को लागू करने की तैयारी के बीच नियमों से जुड़ा एक तकनीकी विकल्प मंच अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यह विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि एग्रीगेटर कंपनियों से अंशदान उनके वार्षिक कारोबार के आधार पर लिया जाए या कामगारों को किए जाने वाले भुगतान के प्रतिशत के आधार पर। विश्लेषकों और उद्योग जगत से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कंपनियों के वार्षिक कारोबार के बजाय प्रति लेनदेन या कामगारों के भुगतान से जुड़ा अंशदान मंच से जुड़ी अर्थव्यवस्था पर अत्यधिक असमान वित्तीय बोझ डाल सकता है। इसका सबसे बुरा असर उन कारोबार क्षेत्रों पर पड़ेगा जो बहुत अधिक लेनदेन संख्या लेकिन कम मूल्य पर आधारित हैं। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत एग्रीगेटर कंपनियों के लिए गिग (अस्थायी) और ऑनलाइन मंच के लिए काम करने वाले कामगारों के वास्ते स्थापित सामाजिक सुरक्षा कोष में अंशदान देना अनिवार्य है। नियमों के अनुसार, किसी एक एग्रीगेटर के साथ वित्त वर्ष में 90 दिन या कई एग्रीगेटर कंपनियों के साथ कुल 120 दिन काम करने के बाद गिग कामगार इस योजना के तहत लाभ पाने का पात्र हो जाता है। एग्रीगेटर कंपनियों को अपने वार्षिक अंशदान का आकलन कर उसे हर साल जमा करना होता है। श्रम और रोजगार मंत्रालय प्रति लेनदेन या भुगतान पर आधारित अंशदान व्यवस्था को मानक बनाने पर विचार कर रहा है। इस पद्धति का चयन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लेनदेन की संख्या, सेवाओं के मूल्य, व्यावसायिक मॉडल और कुल कारोबार के आधार पर विभिन्न मंच कंपनियों पर इसका असर बहुत अलग-अलग पड़ेगा।

पश्चिम एशिया तनाव, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा : विशेषज्ञ

शेयर समीक्षा

एजेंसी

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अमेरिका के महंगाई के आंकड़े इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और वैश्विक बाजारों का रुख भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेगा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है। निवेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फ़ेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और घरेलू बाजार में नकदी की स्थिति पर नजर रहेगी। मिश्रा ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम भी महत्वपूर्ण रहेंगे, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि पिछले सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत में आठ प्रतिशत से अधिक और डब्ल्यूटीआई में नौ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चिंताओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ा दिया है। अब बाजार की नजर अमेरिका के आगामी महंगाई आंकड़ों पर होगी। एचएसटी वेल्थ के संस्थापक एवं सीईओ हरिसेल्वन राधाकृष्णन के अनुसार, ये आंकड़े फ़ेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा और वैश्विक बाजार धारणा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और ब्याज दरों को लेकर उम्मीदें भी महंगाई के आंकड़ों से प्रभावित होंगी। इस बीच, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बाजार की धारणा पर लगातार दबाव डाल सकती हैं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 749.08 अंक यानी 0.96 प्रतिशत के नुकसान में रहा। वहीं एनएसई निफ्टी 277.95 अंक यानी 1.14 प्रतिशत नीचे आया। विशेषज्ञों के अनुसार, अगले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से अमेरिकी महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों, पश्चिम एशिया के घटनाक्रम और विदेशी निवेशकों के रुख पर निर्भर करेगी।



अगले कुछ दिन में 11 कंपनियों के आईपीओ, 7,055 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय प्राथमिक बाजार में अगले कुछ दिन में एक बार फिर जोरदार हलचल देखने को मिलेगी। रेंटोमोजो, कनोहर इलेक्ट्रिकल्स और करमतारा इंजीनियरिंग सहित 11 कंपनियां मुख्य मंच के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये कुल 7,055 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों के आईपीओ सात सितंबर से 15 सितंबर के बीच बाजार में खुले रहेंगे। इनमें से अधिकांश निर्गम मंगलवार और बुधवार को खुलेंगे। यस सिक्योरिटीज के मुख्य निवेश अधिकारी राजकुमार राठी ने कहा कि एक साथ इतने आईपीओ आना इस बात का संकेत है कि निवेशक शुरुआती चरण की वृद्धि वाली कंपनियों में हिस्सेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी कंपनियां सूचीबद्ध होने के समय एक अरब अमेरिकी डॉलर से कुछ कम बाजार पूंजीकरण वाली होंगी। आगामी आईपीओ में रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण, भुगतान एवं पहचान समाधान, विशेष रसायन और ऑनलाइन किराये के कारोबार से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं। कुल 7,055 करोड़ रुपये में से 2,722 करोड़ रुपये यानी 39 प्रतिशत नए शेयर जारी कर जुटाए जाएंगे। यह राशि कंपनियों के खाते में जाएगी। वहीं, 4,333 करोड़ रुपये यानी 61 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री (ओएफएस) के जरिये जुटाए जाएंगे। नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी और कंपनियों की सामान्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। सितंबर की शुरुआत भी आईपीओ के लिहाज से व्यस्त रही है। रेज ऑफ बिलीफ और दीपा ज्वेलर्स ने एक सितंबर को अपने आईपीओ पेश किए थे। इन नए निर्गमों के साथ 2026 में आईपीओ लाने वाली कंपनियों की संख्या बढ़कर 75 होने की उम्मीद है। इनमें अकेले अगस्त में 23 कंपनियां बाजार में उतरी थीं। प्रणव कंस्ट्रक्शंस का आईपीओ सात सितंबर खुलेगा। कंपनी का 351 करोड़ रुपये से अधिक का यह निर्गम नौ सितंबर को बंद होगा। कंपनी ने शेयर का मूल्य दायरा 118-124 रुपये तय किया है। इसमें 315.6 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 28.57 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कनोहर इलेक्ट्रिकल्स, प्रसोल केमिकल्स और ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) के आईपीओ आठ सितंबर को खुलेंगे। कनोहर इलेक्ट्रिकल्स का निर्गम 1,056 करोड़ रुपये का है और मूल्य दायरा 601-632 रुपये है। प्रसोल केमिकल्स 500 करोड़ रुपये जुटाएगी, जिसमें 80 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 420 करोड़ रुपये तक की ओएफएस शामिल है। ग्लास वॉल सिस्टम्स का निर्गम 428 करोड़ रुपये का है और इसका मूल्य दायरा 172-182 रुपये है।

एमपी के सागर में जहरीली शराब से 11 ग्रामीणों की मौत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंडा तहसील के आसपास के गांवों में जहरीली शराब पीने से 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 24 का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इधर, घटना के बाद आक्रोषित ग्रामीणों ने सागर-छतरपुर मुख्य हाइवे पर चक्काजाम कर दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को दुबई दौरे पर रवाना होने से पहले नई दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कहा कि सागर जिले के बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में शराब के सेवन से मृत्यु होने का समाचार अत्यंत दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। सागर जिले के प्रभारी मंत्री एवं अधिकारियों को घटना की तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच के पश्चात इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

इधर, जहरीली शराब के हुई मौतों के बाद प्रशासन एक्शन में है। सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी प्रभावित गांवों में पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को एहतियातन सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मामले में पुलिस की प्रारंभिक जांच में उत्तर प्रदेश के ललितपुर का कनेक्शन सामने आया है। जांच के मुताबिक, नकली शराब पर फर्जी रैपर, सील-ढक्कन और क्यूआर कोड लगाकर उसे सागर के सीमावर्ती गांवों में सप्लाई किया जाता था। जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि पुलिस ने 12 संदिग्धों को हिरासत में लेकर स्थानीय नेटवर्क की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया, आक्रोशित ग्रामीणों ने सागर-छतरपुर मुख्य हाईवे पर किया चक्काजाम

सागर कलेक्टर ने बताया कि मामला बंडा थाना क्षेत्र के नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव का है। शनिवार रात यहां आसपास के क्षेत्रों में कुछ लोगों ने शराब का सेवन किया था। इसके बाद कई लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें बंडा सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच के बाद कुछ लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कई मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद सागर रेफर किया गया। अस्पताल पहुंचे मरीजों में कुछ के शरीर नीले पड़ने और अकड़न की शिकायत सामने आई। डॉक्टरों की निगरानी में मरीजों का इलाज किया जा रहा है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में पहुंचकर शराब का सेवन करने वाले लोगों की स्क्रीनिंग कर रही हैं। कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है। वहीं, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे और उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग से बेड आरक्षित किए हैं। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है। जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई है। घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों और कंग्रेस कार्यकर्ताओं ने सागर-छतरपुर मुख्य हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक लापरवाही और अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, जिससे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद कंग्रेस नेताओं ने स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कंग्रेस का दावा है कि मौतों का आंकड़ा 14 से 15 तक पहुंच चुका है, लेकिन प्रशासन मामले को दबाने और असली आंकड़े छिपाने का प्रयास कर रहा है। नेताओं का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इस तरह का अवैध शराब का कारोबार संभव नहीं है।

कंग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि पीड़ितों को न्याय और उचित मुआवजा नहीं मिला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। मामले की सूचना मिलते ही वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास शुरू किया है। जिला प्रशासन के अनुसार, पूरे मामले की गहन जांच कराई जा रही है। मौतों की वास्तविक वजहों का पता लगाने के लिए स्वास्थ्य और आबकारी विभाग की टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। अधिकारियों ने भरोसा दिया है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोदी की 'नाराज फूफा' टिप्पणी पर खरगे

नाकामियां छिपाने के लिये विपक्ष को नया विशेषण देते हैं

एजेंसी



नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को लेकर विपक्षी नेताओं ने तीखा हमला बोला है।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने छात्रों, युवाओं और शिक्षा से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर बात करने के बजाय एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक मंच का इस्तेमाल अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए किया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के दौरान दिए गए दिमागी नक्सल शब्द का फिर से जिक्र किया और कहा कि जिन विचारों की उन्होंने आलोचना की थी, उनका समर्थन करने वाले लोग अब खुद बेनकाब हो रहे हैं। कंग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के दौरे पर निशाना साधते हुए कहा कि एसआरसीसी का मंच युवाओं के साथ शिक्षा, रोजगार और भविष्य पर सार्थक संवाद का अवसर होना चाहिए था, लेकिन यह महज एक राजनीतिक अभियान बनकर रह गया। खरगे ने कहा कि लोकतंत्र में सवालों को दबाने और अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए विपक्ष को हर साल एक नया विशेषण देना मोदी जी का तरीका बन चुका है, कभी नाराज फूफा, कभी दिमागी नक्सल, तो कभी अर्बन नक्सल, खान मार्केट गैंग, आंदोलनजीवी और परजीवी। विशेषण बदलते रहते हैं, लेकिन मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियां नहीं बदलतीं। कंग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी प्रधानमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष पर बार-बार हमले करना प्रधानमंत्री की हीनभावना को दर्शाता है। खेड़ा ने कहा कि 12 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद प्रधानमंत्री को एसआरसीसी जैसे मंच से देश के युवाओं के सामने एक प्रेरक दृष्टि (विजन) पेश करनी चाहिए थी, न कि राजनीतिक बयानबाजी में उलझना चाहिए था। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व शिक्षक रहे मनोज कुमार झा ने भी पीएम मोदी के बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों की बुनियादी समस्याओं पर चर्चा करनी चाहिए थी। मनोज झा ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री की तरह कोई गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी नहीं करूंगा और उनके पद की गरिमा बनाए रखूंगा। जिस कॉलेज में वह गए, उसका 100 साल से अधिक का इतिहास है। उस संस्थान का सम्मान होना चाहिए था। डीयू में पहले सरकार का विरोध करते हुए सवाल पूछना अपराध नहीं माना जाता था। आज अगर कोई सरकार की विकास गाथा पर सवाल उठाता है, तो उसे देशद्रोही, 'नाराज फूफा' या 'दिमागी नक्सल' कह दिया जाता है। झा ने विश्वविद्यालय में बुनियादी ढांचे और फैकल्टी से जुड़ी पुरानी समस्याओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि विदाई का समय करीब आने पर ही ऐसे शब्द याद आते हैं।

मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान 376 'गोविंदा' हुए घायल

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में दही हांडी उत्सव के दौरान मानव पिरामिड बनाते समय कुल 376 'गोविंदा' घायल हो गए। रविवार को जारी अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 286 गोविंदाओं को उचित चिकित्सा देखभाल के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है जबकि शेष 90 घायलों का विभिन्न सरकारी और नगर निगम (बीएमसी) संचालित अस्पतालों में इलाज हुआ। क्षेत्रवार आंकड़ों की बात करें तो मध्य मुंबई क्षेत्र में सबसे अधिक 183 गोविंदा घायल हुए,अस्पताल-वार आंकड़ों में केईएम अस्पताल में सर्वाधिक 76 घायल गोविंदाओं को लाया गया। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी के सबसे लोकप्रिय आयोजनों में से एक 'दही हांडी' में गोविंदाओं की टोलियां ऊंचाई पर लटकी मिट्टी की मटकी को फोड़ने के लिए एक के ऊपर एक कई घेरे बनाए जाते हैं। संगीत और दर्शकों के उत्साहवर्धन के बीच आयोजित होने वाली इस शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण गतिविधि में गिरने और चोटिल होने का जोखिम बना रहता है।

देश और समाज की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : शिवराज सिंह

एजेंसी

रायसेन। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा नहीं देते बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माण करते हैं। देश और समाज की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

केन्द्रीय मंत्री चौहान रविवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले मण्डीदीप में आयोजित शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री चौहान तथा क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र पटवा ने शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री चौहान ने सम्मानित शिक्षकों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विधायक पटवा ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को रायसेन जिले में मण्डीदीप स्थित शासकीय सिविल अस्पताल में नवनिर्मित सुसज्जित ओपीडी ब्लॉक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विधायक सुरेन्द्र पटवा, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी, वर्धमान ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजीव आंगरा भी उपस्थित रहे। वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड मण्डीदीप द्वारा सीएसआर फंड अंतर्गत इस ओपीडी ब्लॉक का निर्माण कराया गया है, जिसमें पांच कक्ष है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान तथा विधायक पटवा ने ओपीडी ब्लॉक का निरीक्षण किया। साथ ही अस्पताल परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने वर्धमान ग्रुप को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनका यह परोपकारी प्रयास आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक होगा। नागरिकों को बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी। उन्होंने सीएमएचओ से सिविल अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टर्स की उपलब्धता, सहायक उपकरण, नवनिर्मित ओपीडी ब्लॉक में मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी लेते हुए कहा कि सिविल अस्पताल में और अधिक स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। जिससे कि मरीजों को और अधिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले और उन्हें इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता ना पड़े। कार्यक्रम में विधायक सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि सिविल अस्पताल मंडीदीप में वर्धमान टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड मंडीदीप द्वारा चेयरमैन एवं पद्मविभूषण एसपी ओसवाल के सहयोग से 56 लाख रुपये की लागत से निर्मित 5 नवीन ओपीडी कक्षों का शुभारंभ हुआ है। इन नवीन ओपीडी कक्षों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। जनसेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में यह एक सराहनीय एवं अनुकरणीय पहल है। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री द्वारा मण्डीदीप सिविल अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया।

उपराष्ट्रपति ने गीतानगर कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह में दिलाई नशामुक्ति की शपथ

गुवाहाटी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित गीतानगर कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को नशे के खिलाफ शपथ दिलाई और युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में नशे के दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए युवाओं से इससे दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति ने असम को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं की भूमि बताते हुए शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया।

वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर टीम अल अलामीन इंटरनेशनल एयर शो के लिए मिस्र पहुंची

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम, अल अलामीन इंटरनेशनल एयर शो में हिस्सा लेने के लिए मिस्र पहुंच गई है। दुनिया की इकलौती पांच हेलीकॉप्टरों वाली भारत की यह सारंग टीम 08 से 10 सितंबर तक होने वाले एयर शो में कोरियोग्राफ की एक सीरीज के जरिए अपनी सटीकता, प्रोफ़ेशनलिज्म और उड़ान स्किल्स दिखाएगी। यह भारतीय वायुसेना की अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों में एक और अहम मील का पत्थर है, जो भारत और इजिप्ट के बीच बढ़ते रक्षा और डिप्लोमैटिक संबंधों को दिखाता है। देश में डिजाइन और बनाए गए एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव को उड़ाते हुए सारंग टीम अपने मुश्किल फॉर्मेशन मैनूवर, पास-पास उड़ान और सिंक्रोनाइज्ड हवाई सीक्वेंस के लिए मशहूर है। यह डिस्प्ले न केवल इसके पायलटों के असाधारण कौशल और अनुशासन को दिखाता है बल्कि भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस उद्योग की क्षमताओं को भी दिखाता है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार सारंग टीम अपना मशहूर 'डॉल्फिन लीप' मैनूवर दिखाएगी और स्पॉट स्टॉल टर्न नाम का एक नया युद्धाभ्यास भी पेश करेगी। इस इंटरनेशनल एयर शो में टीम के हिस्सा लेने से दुनिया भर के दर्शकों और एविएशन के शौकीनों को एएलएच ध्रुव की वर्सेटिलिटी और फुर्ती देखने का मौका मिलेगा। अल अलामीन इंटरनेशनल एयर शो दुनिया भर की बड़ी एयरफोर्स के साथ-साथ एयरोस्पेस, डिफेंस और स्पेस सेक्टर के प्रोफ़ेशनल्स को एक साथ लाएगा।

विदेश राज्य मंत्री ने सऊदी अरब के मंत्री सुलेमान अल-राजही से की मुलाकात

नई दिल्ली/रियाद। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने रविवार को सऊदी अरब के मानव संसाधन एवं सामाजिक विकास मंत्री इंजीनियर अहमद बिन सुलेमान अल-राजही से यहां मुलाकात की।

कीर्ति वर्धन सिंह ने एक्स पर लिखा, सऊदी अरब के मंत्री अहमद बिन सुलेमान अल-राजही से मिलकर खुशी हुई। श्रम तथा जनशक्ति क्षेत्र में भारत-सऊदी अरब के सहयोग को और मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी की गहराई और बढ़ती गति को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि कीर्ति वर्धन शनिवार को सऊदी अरब की द्विपक्षीय यात्रा के लिए रियाद पहुंचे। यहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यहां उन्होंने अपने समकक्षों के साथ सार्थक बैठकों और वहां भारतीय समुदाय के सदस्यों तथा व्यापारिक नेताओं के साथ उपयोगी बातचीत की।

विपक्ष के विरोध के बावजूद भारत के विकास की गति नहीं रुकेगी : नितिन नवीन

एजेंसी



नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नाराज फूफा' वाले बयान को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को देश के विकास, विरासत और संस्कृति से जुड़ी हर उपलब्धि पर नाराजगी होती है लेकिन उसके विरोध के बावजूद भारत के विकास की गति नहीं रुकेगी और विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

नितिन नवीन ने रविवार को जारी वीडियो में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में युवाओं को संबोधित करते हुए विपक्ष के कुछ नेताओं की तुलना 'नाराज फूफा' से की थी। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो हर बात से असंतुष्ट रहते हैं और किसी सकारात्मक दिशा में आगे नहीं बढ़ पाते।

भाजपा अध्यक्ष ने विपक्ष से सवाल किया कि अगर भारत विकास कर रहा है तो उसे नाराजगी क्यों होती है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाकर कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराया गया, तब भी विपक्ष नाराज हुआ। नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब देश में नक्सलवाद जड़ों से समाप्त होने की दिशा में बढ़ रहा है, तब भी विपक्ष को नाराजगी है।

नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं लेकिन विपक्ष इस उपलब्धि पर भी नाराज है। विपक्ष देश के विकास, विरासत और संस्कृति को आगे बढ़ते हुए नहीं देख पा रहा है और निजी स्वार्थ तथा राजनीतिक प्रतिष्ठा तक सीमित हो गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की स्थिति आज उसी 'नाराज फूफा' जैसी हो गई है, जो हर बात पर असंतुष्ट रहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को देश की जनता और भाजपा मिलकर पूरा करेगी तथा विपक्ष की नाराजगी भारत के विकास को नहीं रोक पाएगी।

पेज एक का शेष

सैलाब के बीच...

बढ़ा है। गत वर्ष क्षेत्र में लगभग 360 मिलीमीटर वर्षा हुई थी, जबकि इस बार इसका स्तर लगभग दोगुना पहुंच गया। मध्य प्रदेश की ओर जाने वाला भारी वाहनों का पक्का पुल भी बह गया है। उन्होंने कहा कि जब एक मजबूत पुल तक बह सकता है तो सामान्य घरों की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। आपदा की इसी विकरालता को देखते हुए प्रशासन के साथ विस्तृत बैठक कर कार्ययोजना तय करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी के कैचमेंट क्षेत्र में अनियोजित निर्माण ऐसी आपदाओं का बड़ा कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि नदी जब अपने स्वाभाविक स्वरूप में बहती है तो उसके दायरे में आने वाले अतिक्रमण और निर्माण बह जाते हैं। इसलिए कैचमेंट क्षेत्र में ऐसे निर्माण से बचना होगा और नदी के स्वाभाविक प्रवाह के लिए पर्याप्त मार्ग सुनिश्चित करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी भीषण बाढ़ के बावजूद प्रभु श्रीराम, कामदनाथ, हनुमान और चित्रकूट के ऋषि-मुनियों की तपस्थली की कृपा से कोई जनहानि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई है। जहां जलजमाव हो गया है या अत्यधिक पानी आने के कारण लोग घिर गए हैं, उन्हें सुरक्षित राहत शिविरों में पहुंचाया जाए। राहत शिविरों में प्रभावित लोगों के लिए भोजन, सुरक्षा, चिकित्सा सहित हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 में बाढ़ राहत कार्यों के निरीक्षण का प्रसंग साझा करते हुए कहा कि उस समय उन्होंने अधिकारियों से पूछा था कि पीड़ित परिवारों को क्या सहायता दी जा रही है। जवाब में सूखा ब्रेड बताया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा था कि यदि आपको 10 दिन तक केवल सूखा ब्रेड दिया जाए तो क्या आप रह पाएंगे। यदि आप नहीं रह सकते तो हमारी जनता क्यों रहेगी। इसके बाद उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए पूरी राहत सामग्री की किट तैयार करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि हर जरूरतमंद परिवार को राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 10 किलो आलू, 2 किलो अरहर की दाल, 1 लीटर रिफाइंड या सरसों का तेल, चना, लाई, मिर्च, मसाला, धनिया और हल्दी सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सामग्री के साथ प्रभावित परिवारों को डिग्निटी किट भी उपलब्ध कराई जाती है। बाल्टी, मग, ढक्कनयुक्त बाल्टी और बरसाती सहित आवश्यक वस्तुएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस तरह राहत सामग्री के माध्यम से 26 सामान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका वजन लगभग 50 किलो है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आपदा राहत के लिए मिलने वाली धनराशि प्रत्येक पीड़ित परिवार तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचती है। उन्होंने कहा कि इस मौसम में सांप के बिलों और अन्य स्थानों पर पानी भरने के कारण सांप, बिच्छू और जंगली जानवर बाहर निकल आते हैं। ऐसे में सभी स्वास्थ्य केंद्रों, चाहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हों या जिला चिकित्सालय में आवश्यक दवाओं और वैक्सीन की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सांप के काटने पर एंटी-स्नेक वेनम और कुत्ते या किसी जंगली जानवर के काटने पर एंटी-रेबीज वैक्सीन तत्काल और निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश किसी व्यक्ति की डूबने या आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु होने, अथवा मनुष्य और वन्यजीव के बीच संघर्ष में किसी जंगली जानवर के हमले से जनहानि होने पर संबंधित परिवार को आपदा राहत के तहत 24 घंटे के भीतर चार लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार चित्रकूट आने पर उन्होंने लगभग 1,000 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का उपहार दिया था। डबल इंजन की सरकार चित्रकूट को इस संकट से उबारने में पूरी मदद करेगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ से फसल को हुए नुकसान का भी सर्वे कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ में जो सड़कें टूट गई हैं, घाटों को नुकसान पहुंचा है तथा बिजली के तार और खंभे क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें फिर से बनाने के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों से कहा कि सरकार उनके साथ है और हर संभव सहयोग के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जिले के प्रभारी मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, मानिकपुर के विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, बीजेपी के जिला अध्यक्ष महेंद्र कोटारे, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल आदि उपस्थित रहे।

मस्जिद ध्वस्तीकरण...

जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। उधर, ध्वस्तीकरण के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। मस्जिद स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग कर पुलिस बल तैनात किया गया है और आम लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित है। प्रशासन की निगरानी में मलबा हटाने का काम जारी है। सदर एसडीएम सुबोध कुमार ने बताया कि मलबा हटाने के दौरान एक भारी स्लैब के नीचे करीब 20 फीट गहरा और लगभग डेढ़ मीटर चौड़ा कुआं मिला है। उन्होंने बताया कि मस्जिद का निर्माण इसी कुएं के ऊपर किया गया था। कुआं कितना पुराना है, इसका निर्माण कब और किसके द्वारा कराया गया था, इसकी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और संबंधित तकनीकी टीमों से कुआं की जांच कराई जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर कुएं को फिलहाल लोहे की चादर से ढक दिया गया है।

यूपी में तीसरी बार...

जगदीश पटेल तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में प्रदेश महामंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की थी। बैठक में उन्होंने संगठन की गतिविधियों, चल रहे अभियानों की प्रगति, बूथ स्तर के सुदृढ़ीकरण तथा आगामी चुनावों की कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

औद्योगिक क्षेत्रों में ...

ही खुला स्थान आरक्षित करना होगा। खुले स्थान की न्यूनतम चौड़ाई 6 मीटर और न्यूनतम क्षेत्रफल 200 वर्ग मीटर होना जरूरी है। प्लॉट की सीमा से 3 मीटर का स्थान पाथवे के लिए रखा जाएगा। इसका निर्माण इंटरलॉकिंग रोड जैसा ही किया जा सकेगा ताकि पानी जमीन सोख सके। बिल्डिंग बॉयलॉज में दोहरी व्यवस्था से राहत दी गई है। यदि किसी योजना के लेआउट में मानकों के अनुरूप पार्क व खुली जगह आरक्षित है, तो उसी योजना के ग्रुप हाउसिंग प्लॉट में अलग से पार्क के लिए प्रावधान करना अनिवार्य नहीं होगा।

भवन ढहा, दो ...

स्थानीय निवासियों ने यह संख्या 15 से अधिक बतायी है, हालांकि अधिकारियों ने कहा कि अभी फंसे लोगों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हुई है। घटनास्थल पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने प्रारंभिक आकलन के आधार पर बताया कि हादसे के समय भवन में करीब 40 से 50 लोग मौजूद हो सकते थे। दिल्ली पुलिस, दिल्ली अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) और केंद्रीयकृत दुर्घटना एवं ट्रॉमा सेवाओं (कैट्स) की टीमों ने तत्काल संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया। आठ दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया, जबकि एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन दल भी तैनात किये गये। पुलिस के अनुसार, ताजा जानकारी मिलने तक छह लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जा चुका था और बचाव एवं तलाशी अभियान जारी है। पुलिस ने बताया कि दक्षिण कैंपस थाने में दोपहर करीब 1:34 बजे सत्य निकेतन मार्केट में भवन ढहने की सूचना मिली। दिल्ली पुलिस, एनडीआरएफ, दिल्ली अग्निशमन सेवा और डीडीएमए की टीमें दमकल गाड़ियों और कैट्स एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। नयी दिल्ली रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त, दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अभियान की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस की स्थानीय जांच के अनुसार, भवन करीब 40 से 50 वर्ष पुराना था। इसमें एक तहखाना और उसके ऊपर पांच मंजिलें थीं तथा इसका इस्तेमाल पीजी के रूप में किया जा रहा था। हादसे के समय तहखाने में मरम्मत का काम चल रहा था। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भवन गिरने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। पास की एक दुकान के मालिक ने बताया कि शुरुआत में लोगों को लगा कि भवन गिरने की आवाज भूकंप की वजह से हुई है। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, घटनास्थल से धूल और धुएं का बड़ा गुबार उठा। उसने दावा किया कि बचावकर्मियों ने मलबे से कई लोगों को बाहर निकाला, जिनमें चार बच्चे भी शामिल थे। उसने यह भी बताया कि मलबे के नीचे से अब भी मदद के लिए आवाजें सुनाई दे रही थीं। उसने बताया कि आसपास लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग पीजी संचालित होते हैं। उसके अनुसार, तहखाने में निर्माण कार्य चल रहा था और निचले हिस्से में किए गए बदलाव भवन गिरने की वजहों में से एक हो सकते हैं। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने ढहे भवन की पहचान ''हॉस्टल डेज'' नामक लड़कों के पीजी के रूप में की। उसने बताया कि पड़ोसी भवन भी ढह गया था और दावा किया कि कमरों में मौजूद छात्र मलबे में दब गये। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि फंसे लोगों की वास्तविक संख्या पीजी के पंजीकरण रिकॉर्ड से ही स्पष्ट हो सकेगी। उसने बताया कि बचावकर्मियों को मलबे के नीचे फंसे लोगों तक पहुंचने में काफी कठिनाई हो रही है और कई छात्रों को गंभीर चोटें आयी हैं। कैट्स के नोडल अधिकारी बलराज सिंह ने घटनास्थल पर बताया कि पांच लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया है और उनकी स्थिति के बारे में चिकित्सकीय अधिकारी आगे जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार हादसे में 25 से 30 लोग प्रभावित हो सकते हैं। आपातकालीन राहत कार्य के लिए 17 एंबुलेंस तैनात की गयी हैं। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही भी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों से अपील की कि वे आपातकालीन कर्मियों के बचाव कार्य में बाधा न डालें। यह हादसा दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर (साउथ कैंपस) के पास स्थित घनी आबादी वाले सत्य निकेतन इलाके में हुआ, जहां बड़ी संख्या में छात्र छात्रावासों और किराये के आवासों में रहते हैं। बचावकर्मी लगातार मलबे और कंक्रीट की परतें हटाकर तलाशी अभियान चला रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अभी मलबे में फंसे लोगों की संख्या की पुष्टि नहीं की जा सकी है। अभियान का मुख्य उद्देश्य जीवित लोगों का पता लगाना और मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना है।

मुख्यमंत्री रेखा ने शालीमार बाग विधानसभा में कई परियोजनाओं का किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को शालीमार बाग विधानसभा में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था, पार्कों के सौंदर्यीकरण और सड़क कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलेगी।

शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग स्थित बीबी-ब्लॉक की स्कूल बिल्डिंग के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी। वहीं, विद्युत व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए एएफ-ब्लॉक में खुले ओवरहेड कंडक्टर को अंडरग्राउंड केबल में बदलने के कार्य का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग के सीएंडडी ब्लॉक की मेन रोड पर खुले ओवरहेड कंडक्टर को अंडरग्राउंड केबल में बदलने के कार्य का शुभारंभ किया। इससे क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा स्थित श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज से रिंग रोड तक नई सड़क के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया। लगभग 2.84 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क क्षेत्र की कनेक्टिविटी को बेहतर करने के साथ-साथ नागरिकों के आवागमन को अधिक सुविधाजनक बनाएगी। उन्होंने हैदरपुर के नेहरू कैंप में नवनिर्मित टॉयलेट ब्लॉक का भी उद्घाटन किया। साथ ही पीतमपुरा के एसपी-टीपी ब्लॉक में आधुनिक कॉम्पैक्टर का



उद्घाटन किया। आधुनिक कचरा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह पहल क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगी। मुख्यमंत्री ने वाईपी ब्लॉक के तीन और डब्ल्यू पी ब्लॉक के 10 पार्कों में होने वाले सौंदर्यीकरण व विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इन कार्यों के माध्यम से स्थानीय निवासियों को बेहतर, स्वच्छ और सुंदर हरित क्षेत्र उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य विकास को केवल बड़े प्रोजेक्ट्स तक सीमित न रखकर हर गली, हर कॉलोनी और हर नागरिक तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है। सरकार स्वच्छता, हरित व सुंदर सार्वजनिक स्थलों, बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और मजबूत शहरी व्यवस्थाओं के माध्यम से दिल्लीवासियों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र को स्वच्छता, बेहतर जनसुविधाओं, सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं और मजबूत शहरी व्यवस्थाओं से युक्त एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित करना दिल्ली सरकार का संकल्प है।

फरीदकोट में 4.29 किलो हेरोइन बरामद, चार युवक गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पुलिस ने पीछा कर वाहन रोका, एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

फरीदकोट। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फरीदकोट पुलिस के सीआईए स्टाफ ने 4 किलो 29 ग्राम हेरोइन बरामद करके ब्रेजा कार में सवार चार युवकों को गिरफ्तार किया है। सीआईए स्टाफ प्रभारी हाकम सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम इलाके में गश्त और संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान देर शाम पुलिस टीम कोटकपूरा-मुक्तसर रोड पर गांव खारा के पास पहुंची। यहां एक बंद पड़े पेट्रोल पंप की जर्जर इमारत के समीप एक ब्रेजा कार खड़ी दिखाई दी। कार के आसपास चार युवक मौजूद थे। पुलिस टीम को नजदीक आते देखकर युवकों ने वहां से निकलने की कोशिश की और तेजी से कार में बैठकर उसे स्टार्ट कर दिया। पुलिस ने उनकी गतिविधियों को संदिग्ध मानते हुए तत्काल वाहन को रोक लिया। इसके बाद कार की तलाशी ली गई। इस दौरान पुलिस को 4 किलो 29 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही मुक्तसर जिले के गांव हरीके कलां निवासी संदीप सिंह उर्फ सीपा, फरीदकोट के गांव खारा निवासी मनवीर सिंह उर्फ हनी, कोटकपूरा के अमन नगर निवासी प्रवेश और नानक नगरी निवासी वासु बिरला को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने सभी के खिलाफ थाना सदर कोटकपूरा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। उनसे पूछताछ कर नशे की खेप से संबंधित अन्य जानकारियां जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। जांच के दौरान यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि बरामद हेरोइन कहां से लाई गई थी और इसकी सप्लाई किन लोगों तक की जानी थी।

बिहार : पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में अलर्ट 19 लाख लोग प्रभावित



कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के 11 जिलों में 19 लाख से ज़्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर बाढ़ के ख़तरे के निशान से ऊपर जाने के बाद अधिकारियों ने निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बाद पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर 'बाढ़ के सर्वोच्च बिंदु' (एचएफएल) से ऊपर चला गया है, इसलिए अगले एक से तीन दिनों में राज्य की राजधानी में हाथीदह और उसके बाद के रेलवे स्टेशन के प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि राज्य में कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार और अररिया सहित 11 जिलों के 330 ग्राम पंचायतों में लगभग 19.57 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) की ओर से जारी नवीनतम परामर्श के मुताबिक, हथीदह में गंगा का जलस्तर अपने पिछले एचएफएल को पार कर सकता है। इसके मद्देनजर बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर और कटिहार जिलों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। परामर्श में कहा गया, ''अधिकारियों और ज़मीनी स्तर के कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सतर्क रहें और जरूरत के हिसाब से सावधानी बरतते हुए जल-स्तर, तटबंधों, संवेदनशील जगहों और निचले इलाकों पर नियमित नजर रखें। इसमें कहा गया, ''अभियंताओं से बाढ़ से निपटने से संबंधित संसाधन और मशीनरी तैयार रखने को कहा गया है। प्रभावित इलाकों के लोगों को सलाह दी गई है कि वे नदी के पास न जाएं और सतर्क रहें। स्थानीय प्रशासन से कहा गया है कि वे नावों के संचालन पर नजर रखें, क्षमता से अधिक लोगों को नावों पर सवार नहीं होने दें और लोगों को हालात के बारे में जानकारी देते रहें। डब्ल्यूआरडी के मुताबिक, पटना के गांधी घाट पर रविवार सुबह छह बजे गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर था, जो 21 अगस्त 2016 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम जलस्तर 50.52 मीटर से 0.05 मीटर अधिक है। बयान के मुताबिक, ''पटना जिले के पंडारक में सुबह छह बजे गंगा नदी का जलस्तर 43.92 मीटर था, जो 16 अगस्त 2021 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम जलस्तर 43.73 मीटर से 0.19 मीटर अधिक है।

दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाना का जागरूकता अभियान शुरू, मार्च 2027 तक चलेगा : सिरसा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर और व्यापक प्रयास कर रही है। इन प्रयासों में प्रवर्तन, तकनीकी हस्तक्षेप, हितधारकों की भागीदारी और जनसहभागिता को समाहित किया गया है। इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार ने एक व्यापक शहरव्यापी सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) एवं जागरूकता अभियान शुरू किया है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए पूरी गंभीरता और निरंतरता के साथ कार्य कर रही है। सरकार हर स्तर पर प्रवर्तन को मजबूत कर रही है और व्यापक उपाय लागू कर रही है। लेकिन स्वच्छ हवा की लड़ाई केवल सरकार के प्रयासों से नहीं जीती जा सकती। प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक संस्थान और प्रत्येक हितधारक की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। सिरसा ने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण



समिति (डीपीसीसी) द्वारा संचालित यह अभियान सितंबर 2026 से मार्च 2027 तक ह्लसाथ निभाएं, प्रदूषण घटाएंङ्क थीम के तहत चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से दिल्ली के विभिन्न सरकारी विभागों, संस्थानों, उद्योगों, समुदायों और नागरिकों को एकजुट करते हुए स्वच्छ और स्वस्थ वायु के लिए एक निरंतर एवं सामूहिक जनआंदोलन तैयार किया जाएगा। इसी उद्देश्य से यह अभियान पर्यावरण संबंधी जागरूकता को केवल जानकारी तक सीमित न रखते हुए उसे कार्रवाई में बदलने पर जोर देगा। इसके माध्यम से नागरिकों को प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों के बारे में जागरूक किया जाएगा और उन्हें सरल एवं व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी जाएगी, जिनके माध्यम से व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने में योगदान दे सकते हैं। आने वाले महीनों में दिल्लीभर में जागरूकता, संवेदनशीलता एवं हितधारक सहभागिता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों, उद्योगों, रेजिडेंट्स वेलफ़ेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए), बाजारों, निर्माण क्षेत्र से जुड़े हितधारकों, बल्क वेस्ट जेनरेटर्स, किसानों, वाहन मालिकों और आम नागरिकों को लक्षित गतिविधियों के माध्यम से अभियान से जोड़ा जाएगा। सिरसा ने कहा, ह्लहमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है–विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। उद्योग, संस्थान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान दिल्ली को स्वच्छ हवा दिलाने की यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। इस अभियान के माध्यम से हमारा उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, अनुपालन को प्रोत्साहित करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक हितधारक समझे कि सतत विकास और प्रदूषण नियंत्रण एक-दूसरे के पूरक उद्देश्य हैं। अभियान की शुरुआत विभिन्न विभागों और हितधारकों द्वारा की जा रही कई जमीनी स्तर की गतिविधियों के साथ हो चुकी है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने स्वच्छता कर्मचारियों के साथ आईईसी गतिविधियां आयोजित कीं। वहीं, कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन चिंतन ने ह्लदिल्ली को कूड़े से आजादी ऽ स्वच्छता अभियान 2026ङ्क के तहत लोधी गार्डन और चाणक्य मॉल में हाउसकीपिंग कर्मचारियों के लिए ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स सत्र आयोजित किए। परिवहन विभाग ने पीयूसी अनुपालन, वाहनों से होने वाले प्रदूषण, समय पर वाहन सर्विसिंग, उपयोग की अवधि पूरी कर चुके वाहनों के जिम्मेदार निस्तारण, स्वच्छ ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहनों और दिल्ली ईवी नीति पर केंद्रित जागरूकता गतिविधियां आयोजित कीं तथा परिवहन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को अभियान से जोड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने भी 300 विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। ये गतिविधियां केवल शुरुआत हैं।

दिल्ली-एनसीआर में वर्षा होने से निचले इलाकों में भारी जलभराव

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बीते दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। यहां लगातार बारिश से जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। कई कॉलोनियों और निचले इलाकों में जलभराव के कारण घरों और दुकानों में पानी घुस गया है, जिससे भारी नुकसान और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश शनिवार को दिनभर रुक-रुक कर जारी रही। इसके चलते आईटीओ, आश्रम, धौला कुआं, रिंग रोड, विकास मार्ग और दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे जैसे प्रमुख मार्गों पर पानी भर गया। निचले इलाकों खासकर सीमापुरी, संगम विहार, बादली, मयूर विहार फ़ेज-3 और नजफगढ़ के कई क्षेत्रों में घुटनों तक पानी जमा हो गया। जलभराव के खतरे को देखते हुए प्रशासन को एहतियातन कई प्रमुख अंडरपास पर बैरिकेडिंग कर यातायात बदलना पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को जाम से बचने के लिए जलभराव वाले रास्तों से दूर रहने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है।

बठिंडा में चिट्टा बेचने का वीडियो सामने आने से सियासी घमासान, अकाली दल ने जांच की मांग की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बठिंडा। पंजाब में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच बठिंडा के गांव संगत कलां में कथित तौर पर चिट्टा बेचने से जुड़ा एक वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने रविवार को अपने फ़ेसबुक पेज पर करीब 3 मिनट 12 सेकंड का वीडियो साझा करते हुए इसे कथित स्टिंग ऑपरेशन बताया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि गांव में कम कीमत पर चिट्टा उपलब्ध कराया जा रहा है।

अकाली दल के मुताबिक, वीडियो में एक महिला द्वारा कथित तौर पर चिट्टा पहुंचाने की बात सामने आती है। वीडियो में डिलीवरी को लेकर पिज्जा, ब्लिंकिट और कथित नशे की डिलीवरी की तुलना करते हुए दावा किया गया है कि चिट्टा बेहद कम समय में उपलब्ध कराया जा रहा था। पार्टी ने इस मामले की तत्काल जांच की मांग की है। शिअद ने वीडियो को आधार बनाते हुए आम आदमी पार्टी सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर पंजाब में नशे की समस्या से निपटने के तरीके को लेकर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने सरकार से मांग की है कि केवल राज्य स्तर के आंकड़े जारी करने के बजाय गांव-वार यह जानकारी सार्वजनिक की जाए कि नशा तस्करों के खिलाफ वास्तव में क्या कार्रवाई की गई है। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। संगत थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हरबंस सिंह ने बताया कि वीडियो शुक्रवार को बनाया गया था। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर गग्गू नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से 3 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया है। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि संगत गांव को नशे के लिहाज से हॉटस्पॉट नहीं माना जाता। पुलिस अब वायरल वीडियो और उससे जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कथित नशा सप्लाई के पीछे कौन लोग सक्रिय हैं। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब पंजाब सरकार की ओर से 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान चलाया जा रहा है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इन दिनों तीन दिवसीय बठिंडा दौरे पर हैं। ऐसे में वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष को सरकार पर निशाना साधने का एक और मुद्दा मिल गया है।

बाढ़ की मार अब आम आदमी की रसोई पर, भागलपुर में सब्जियों के दाम आसमान पर



कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले में गंगा और कोसी नदियों के उफान के कारण बाढ़ का संकट अब केवल खेतों और ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं रह गया है। बाढ़ का सीधा और तीखा असर अब आम लोगों की थाली और घरेलू बजट पर दिखने लगा है।

दियारा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बाढ़ का पानी घुसने से हरी सब्जियों की खड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जिससे स्थानीय मंडियों में हरी सब्जियों की आवक न के बराबर रह गई है। सब्जी मंडी के कारोबारियों के मुताबिक, भागलपुर शहर और आसपास के बाजारों में अधिकांश हरी सब्जियां दियारा इलाकों से आती थीं। लेकिन खेतों के जलमग्न होने के कारण लोकल सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई है। मांग को पूरा करने के लिए अब व्यापारियों को बाहरी जिलों और राज्यों से सब्जियां मंगानी पड़ रही हैं, जिससे परिवहन लागत बढ़ गई है और कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। स्थानीय सब्जी मंडियों में लौकी, परवल, भिंडी, खीरा और कद्दू जैसी रोजमर्रा की सब्जियों की कीमतों में भारी उछाल आया है। बाढ़ से पहले जो सब्जियां सामान्य दामों पर मिल रही थीं, उनकी कीमतें अब दोगुनी या उससे भी अधिक हो गई हैं। इससे मध्यम और गरीब परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह चरमरा गया है। बाजार में खरीदारी करने आए आम उपभोक्ताओं का कहना है कि महंगाई के कारण अब हरी सब्जियां खरीदना जेब पर भारी पड़ रहा है। लोग अब हरी सब्जियों के बजाय आलू-सोयाबीन जैसी चीजों से काम चलाने को मजबूर हैं। मंडियों के थोक और खुदरा विक्रेताओं का स्पष्ट कहना है कि जब तक दियारा क्षेत्र से पानी पूरी तरह नहीं निकल जाता और दोबारा बुवाई शुरू नहीं होती, तब तक आम जनता को महंगी सब्जियों से राहत मिलने की उम्मीद बेहद कम है। भागलपुर की विभिन्न मंडियों (जैसे मंदरोजा, तिलकामांझी और मिरजानहाट) में बाढ़ के बाद सब्जियों की कीमतों में भारी उछाल आया है। स्थानीय दुकानदारों और आढ़तियों के अनुसार, बाढ़ से पहले और बाढ़ के बाद की कीमतों में दोगुने तक का अंतर आ चुका है। कीमतें बढ़ने का मुख्य कारण स्थानीय दियारा क्षेत्रों एवं जिच्छो-सरधो, सरधो, धनकर और लोदीपुर में करीब 2000 हेक्टेयर में लगी हरी सब्जियों की फसल पूरी तरह डूब कर बर्बाद हो चुकी है। इस कारण मंडियों में लोकल आवक लगभग शून्य हो गई है।

तवाघाट-सोबला मार्ग भूस्खलन से बंद, तीन घाटियां प्रभावित

पिथौरागढ़। मानसून की विदाई से पहले सीमांत धारचूला क्षेत्र में बारिश ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लगातार बारिश के कारण तवाघाट-सोबला मोटर मार्ग कनच्योति के पास भारी मलबा और बोल्डर आने से बंद हो गया है। वहीं चौदास घाटी के बलमी और व्यास घाटी में मलघाट के पास भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध हो गई है। इससे दारमा, व्यास और चौदास घाटियों का तहसील मुख्यालय धारचूला से संपर्क कट गया है। कनच्योति के पास पहाड़ी का बड़ा हिस्सा टूटकर सड़क पर गिरने से मार्ग पूरी तरह मलबे में दब गया। घटना के समय सड़क पर कोई वाहन नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। मार्ग बंद होने के कारण दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और यात्री रास्ते में फंस गए। तीनों घाटियों का संपर्क टूटने से सीमांत गांवों में राशन, दवाइयों और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों के अनुसार आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाना भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

माउंट त्रिशूल फतह के लिए सेना का अभियान रवाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय सेना के कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स ने गढ़वाल हिमालय की चुनौतीपूर्ण चोटियों में शामिल माउंट त्रिशूल पर पर्वतारोहण अभियान शुरू कर दिया है। 7,120 मीटर (23,360 फीट) ऊंची इस चोटी को फतह करने के लिए सेना के पर्वतारोहण दल को रुड़की स्थित बंगाल इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर से औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

अभियान का उद्देश्य केवल एक कठिन पर्वत शिखर पर तिरंगा फहराना नहीं, बल्कि भारतीय सेना के जवानों की शारीरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन और टीम भावना को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में परखना भी है। फ्लैग-ऑफ समारोह में सेंट्रल कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, इंजीनियर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल विकास रोहेला तथा बंगाल सैपर्स एंड मिलिट्री सर्वे के कर्नल कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एसएस दहिया सहित सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।



गढ़वाल हिमालय में स्थित माउंट त्रिशूल अपनी ऊंचाई और कठिन पर्वतीय भूभाग के कारण पर्वतारोहियों के लिए बड़ी चुनौती माना जाता है। अत्यधिक ऊंचाई, कठिन मार्ग, तकनीकी चढ़ाई और तेजी से बदलने वाला मौसम अभियान दल की परीक्षा लेगा। टीम को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अनुकूलन, शारीरिक प्रशिक्षण और पर्वतारोहण की तकनीकी विधियों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। फ्लैग-ऑफ समारोह की शुरुआत ऑपरेशनल ब्रीफिंग से हुई। इसमें प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम, चढ़ाई के मार्ग, अभियान के महत्वपूर्ण चरण, सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा हिमालयी क्षेत्र में बदलते मौसम और कठिन परिस्थितियों से निपटने की रणनीति पर जानकारी दी गई।

समारोह को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने अभियान दल की शारीरिक फिटनेस, मानसिक मजबूती और टीम भावना की सराहना की। उन्होंने कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स के सैपर्स की रोमांच और पर्वतारोहण से जुड़ी गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे अभियान जवानों में नेतृत्व, अनुशासन, सहनशक्ति, टीमवर्क और सोच-समझकर जोखिम उठाने की क्षमता को मजबूत करते हैं। उन्होंने इस तरह के अभियानों को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य तैयारी के लिए महत्वपूर्ण बताया। कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स के अनुभवी पर्वतारोहियों ने अभियान दल के सदस्यों के साथ बातचीत कर अपने अनुभव साझा किए। समारोह के अंत में अभियान टीम लीडर को औपचारिक रूप से 'एक्सपेडिशन फ्लैग' सौंपा गया। इसके साथ ही टीम बेस कैंप की ओर रवाना हुई, जहां से आगे माउंट त्रिशूल की चढ़ाई का अभियान शुरू होगा। माउंट त्रिशूल अभियान भारतीय सेना के कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स की साहसिक और पर्वतारोहण परंपरा को आगे बढ़ाने वाला अभियान है। कठिन हिमालयी परिस्थितियों के बीच यह दल साहस, दृढ़ता, अनुशासन, टीमवर्क और पेशेवर उत्कृष्टता का परिचय देने के लिए तैयार है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063